राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 161

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, सोमवार, 18 नवंबर, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

मोदी को नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान

>>3

गहरे स्माग की चादर ने घोंटा एनसीआर का दम

कई जगहों पर एक्यूआइ 450 के पार, गैस चैंबर सी बनी दिल्ली, इस मौसम का सबसे प्रदूषित दिन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- बहादुरगढ़ देश में सबसे अधिक प्रदूषित, दिल्ली दूसरे स्थान पर
- स्थानीय प्रदूषण कारकों के साथ पराली के धुएं ने बढ़ाई परेशानी

कोहरे के बीच पराली के धुएं के कारण स्माग की चादर और मोटी होने से प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। दिल्ली से सटे हरियाणा का बहादुरगढ़ 445 एक्यूआइ (एयर क्वालिटी इंडेक्स) के साथ रविवार को देश में सबसे अधिक प्रदूषित रहा। 441 एक्यूआइ के साथ दिल्ली दूसरे स्थान पर रही। शाम होते-होते राजधानी के 21 इलाकों का एक्यूआइ 450 के पार पहुंच गया। इससे गैस चैंबर जैसी स्थिति बन गई। लिहाजा, रविवार मौसम का सर्वाधिक प्रदूषित दिन रहा और लगातार दूसरे दिन हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी रही। एनसीआर के शहरों में भी पूरे दिन स्माग छाया रहा। इससे आंखों में जलन, गले में खराश, सिर दर्द व सांस लेने में घुटन महसूस की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, अभी प्रदूषण से राहत मिलने की संभावना नहीं है। तीन दिन हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रह सकती है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से जारी देश के 252 शहरों की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली का औसत एयर इंडेक्स 441 रहा, जो गंभीर श्रेणी में है। यह इस सीजन में अब तक सबसे ज्यादा है। इससे पहले 14 नवंबर को दिल्ली का एक्यूआइ 424 था। इस माह अब तक चार दिन हवा की गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में रह चुकी है। स्थिति यह है कि रविवार को पूरे दिन स्माग छाया रहा। ठीक से धूप भी नहीं निकली। शाम साढ़े छह बजे दिल्ली का एक्यूआइ 452 पर पहुंच गया। इस दौरान दिल्ली के 35 प्रदूषण निगरानी केंद्रों में से 21 जगहों पर एयर इंडेक्स 450 से अधिक रहा। बवाना, अशोक विहार व मुंडका में एयर इंडेक्स 480 से अधिक रहा। फरीदाबाद को छोड़कर एनसीआर के अन्य प्रमुख शहरों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में रही। गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में एक्यूआइ 362 पहुंच गया। पंजाब के बठिंडा में एक्यूआइ 411 तक पहुंच गया। लुधियाना में 352, अमृतसर में 345 और पटियाला में 335 एक्यूआइ रिकार्ड किया गया।

पराली के धुएं ने हवा को बनाया ज्यादा दमघोंटू पेज>>2

प्रमुख शहरों में एक्यूआइ

शहर	एक्यूआइ
दिल्ली	441
बठिंडा	411
गाजियाबाद	362
ग्रेटर नोएडा	362
लुधियाना	352

रविवार को दिल्ली-नोएडा लिंक रोड पर मयूर विहार के पास छाया कोहरा व स्माग। जागरण

एनसीआर में ग्रेप-चार के प्रतिबंध लागू

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की सब कमेटी ने आपात बैठक कर एनसीआर में ग्रेप (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) चार के आठ सूत्रीय एक्शन प्लान को लागू करने का निर्देश दिए हैं। इसके तहत सड़क, फ्लाईओवर सहित विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण कार्य पर भी रोक रहेगी। ट्रकों का प्रवेश प्रतिबंधित होगा। गैर जरूरी व्यावसायिक कार्यों पर रोक लगाई जा सकती है। मुख्यमंत्री आतिशी ने 10वीं और 12वीं कक्षा को छोड़कर अन्य सभी कक्षा के छात्रों की स्कूलों में कक्षा नहीं लगाने का आदेश दिया। आनलाइन कक्षा चलाने का निर्देश दिया है।

आइजीआइ से देरी से उड़ान भर रहे विमान

शनिवार मध्य रात्रि से रविवार शाम तक आइजीआइ एयरपोर्ट पर प्रस्थान से जुड़ी उड़ानों में औसतन करीब 24 मिनट की देरी दर्ज की गई। करीब 200 उड़ानें पांच मिनट से लेकर एक घंटे या इससे अधिक विलंबित रहीं।

आज हो सकता है घना कोहरा, आरेंज अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को दिल्ली में घना से अति घना कोहरा हो सकता है। इस कारण मौसम विभाग ने सोमवार के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है। उड़ानें व रेल सेवाएं भी अधिक प्रभावित हो सकती हैं।

प्रदूषण पर अंकुश लगाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की रोकथाम के उपायों को लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई 18 नवंबर की वाद सूची के अनुसार जस्टिस अभय एस ओका और आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी। 14 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई थी। कहा था कि बढ़ते प्रदूषण के कारण दिल्ली को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर नहीं बनना चाहिए। इस मामले में न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ को बताया था कि उन्होंने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को सूचित कर दिया है और उसे प्रदूषण रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताना चाहिए।

जागरण विशेष

पौड़ी में तैयार हो रहे भविष्य के 'रोनाल्डो' और 'मेसी'

पौड़ी: क्रिकेट की दीवानगी के बीच पौड़ी-गढ़वाल जिले में कई बुजुर्ग फुटबाल के प्रति बच्चों में जुनून जगा रहे हैं। इनका समर्पण देख खेल विभाग ने कोच नियुक्त कर दिया है। ● पेज-6

संपादकीय

जी-20 का मार्गदर्शक बना भारत: अशांत एवं अस्थिर विश्व में अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत ने अपने आदर्श व्यवहार से जो नई राह दिखाई, वह भविष्य में भी जी-20 समूह के लिए आधार बनेगी। **श्रीराम चौलिया** का आलेख।

प्रदूषण से निपटने का नया हथियार: कार्बन क्रेडिट को मुद्रा से जोड़ने से सभी देश ऐसे तंत्र विकसित करने को प्रेरित होंगे, जिससे उत्सर्जन नियंत्रित हो सके। डा. **सुरजीत सिंह** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

धन के अभाव में नहीं रुकेगी शिक्षा: प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मंजूर की गई पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना मेधावी छात्रों को आर्थिक सहयोग देकर उनकी शिक्षा को सशक्त बनाने का एक दूरदर्शी कदम है। **कैलाश बिश्नोई** का आलेख।

गरीबी घटाने में सफलता: केंद्र सरकार के प्रयासों से पिछले एक दशक में गरीबी कम करने की दिशा में सफलता मिली है। शोध अध्ययनों के साथ ही धरातल पर भी इसे वास्तव में देखा-महसूस किया जा रहा है। **प्रह्लाद सबनानी** का दृष्टिकोण। ● पेज-9

सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

साहित्य बनाम लोकप्रिय साहित्य

रामपुर घराने का मिश्रित वैशिष्ट्य ● पेज-13

विदेशी संपत्ति की जानकारी नहीं देने पर लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली: आयकर विभाग ने रविवार को करदाताओं को आगाह किया कि आयकर रिटर्न (आइटीआर) में विदेश में स्थित संपत्ति या विदेश में अर्जित आय की जानकारी नहीं देने पर काला धन विरोधी कानून के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना लग सकता है। विभाग ने शनिवार को इस संबंध में एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया। (पेज-3)

पथराव में ब्रह्म समाज, रामकृष्ण मिशन के अनुयायी घायल

शिमला: शिमला स्थित रामकृष्ण मिशन के आश्रम व जमीन पर कब्जे को लेकर ब्रह्म समाज और मिशन के अनुयायियों में चल रहे विवाद के बीच शनिवार देर रात खूब हंगामा हुआ। इस दौरान हुए पथराव में दोनों पक्षों के पांच अनुयायियों सहित पुलिस के दो जवान घायल हो गए। शिमला पुलिस ने इस संबंध में दो एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। (पेज-6)

गुजरात में रैगिंग के बाद एमबीबीएस छात्र की मौत

पाटन: गुजरात के पाटन जिला स्थित मेडिकल कालेज के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के 18 वर्षीय छात्र को उनके सीनियरों ने कथित तौर पर रैगिंग के दौरान तीन घंटे तक खड़ा रहने के लिए मजबूर किया। इस कारण वह बेहोश होकर गिर गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। (पेज-10)

दिल्ली के मंत्री गहलोत का इस्तीफा, आप भी छोड़ी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- लगाया आरोप, केंद्र के साथ झगड़ा में रुका दिल्ली का विकास, यमुना की सफाई का मुद्दा भी उठाया
- आप ने कहा, ईडी और सीबीआइ के दबाव के कारण गहलोत के पास नहीं था कोई विकल्प

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका देते हुए दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी छोड़ दी। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल को लिखे पत्र में गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र के साथ झगड़े में समय बर्बाद कर रही है, दिल्लीवासियों से की गई प्रतिबद्धता पर व्यक्तिगत स्वार्थ भारी पड़ रहा है। राज्य सरकार विकास पर ध्यान देने की जगह केंद्र से लड़ाई में उलझी हुई है, जिससे दिल्ली को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने आप की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री आवास के नवीनीकरण को लेकर विवाद और यमुना की बदहाली को लेकर भी आप को जिम्मेदार ठहराया है। मुख्यमंत्री आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उनके सभी विभाग वह अपने पास रखेंगी, इस संबंध में प्रस्ताव एलजी के पास भेज दिया गया है। आप ने कहा है कि गहलोत के खिलाफ ईडी और आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही थी, उनके पास भाजपा में जाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था।

रविवार दोपहर 12:17 बजे गहलोत ने एक्स पर मंत्री पद से इस्तीफा देने और केजरीवाल को लिखे पत्र को पोस्ट किया। पार्टी और सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि आज पार्टी के सामने कई गंभीर चुनौतियां हैं। ये चुनौतियां पार्टी के भीतर से हैं, जो उन्हीं मूल्यों से जुड़ी हैं, जिनके कारण आप में आए थे। राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर हावी हो गई हैं, जिसके कारण कई वादे अधूरे रह गए हैं। यमुना नदी को ही लें। उसे स्वच्छ नदी बनाने का वादा पूरा नहीं कर पाए। अब 'शीशमहल' जैसे कई शर्मनाक और अजीबोगरीब विवाद भी सामने आ रहे हैं, जो अब सभी में संदेह पैदा कर रहे हैं कि क्या हम अब भी आम आदमी होने में विश्वास रखते हैं।

उन्होंने दिल्ली सरकार को केंद्र के साथ तालमेल बनाकर चलने की नसीहत भी दी। कहा कि एक और दुखद बात यह है कि लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के बजाय हम केवल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी राजनीतिक यात्रा जारी रहेगी।

गौरतलब है कि गहलोत के पास परिवहन, प्रशासनिक सुधार, सूचना एवं तकनीक, गृह, महिला एवं बाल विकास विभाग थे। (पेज-2 भी देखें)

कैलाश गहलोत। फाइल/प्रेट्र

आठ माह में दूसरे मंत्री ने आम आदमी पार्टी छोड़ी

आठ माह में यह दूसरा मौका है, जब आप सरकार के किसी मंत्री ने पद के साथ पार्टी भी छोड़ दी है। गत 10 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के ठीक पहले राजकुमार आनंद ने भी मंत्री पद के साथ साथ पार्टी भी छोड़ दी थी। अब वह भाजपा में हैं।

अपशिष्ट प्रबंधन पर चर्चा के लिए बैठक बुलाए सरकार

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 को लागू करने में एजेंसियों की पूर्ण विफलता को रेखांकित करते हुए दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सभी पक्षकारों की बैठक बुलाने का निर्देश दिया है। कहा कि नियमों को उनकी सही भावना के साथ लागू किया जाए। (पेज-2)

25 लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में डीआरएम गिरफ्तार

नई दिल्ली: सीबीआइ ने शनिवार को रेलवे के एक डीआरएम को रिश्वत लेने के आरोप गिरफ्तार किया है। डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) सौरभ प्रसाद विशाखापत्तनम के वाल्टेयर डिवीजन में तैनात है। उन पर मुंबई के एक ठेकेदार से 25 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। (पेज-5)

मणिपुर में हिंसा जारी, भीड़ ने मंत्री और विधायकों के घर फूंके

- सुरक्षा बलों ने नाकाम की सीएम के पैतृक आवास पर हमले की कोशिश
- भीड़ ने शनिवार रात तीन मंत्रियों, छह विधायकों के घरों में की थी आगजनी

इंफाल, प्रेट्र : मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। उग्र भीड़ ने दूसरे दिन एक मंत्री समेत चार विधायकों के घर फूंक दिए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के पैतृक आवास पर भी हमले की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें नाकाम कर दिया। रविवार को इंफाल घाटी के पांच जिलों में कर्फ्यू जारी रहा। सात जिलों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद हैं। पुलिस ने 23 लोगों को गिरफ्तार किया है। सीआरपीएफ महानिदेशक अनीश दयाल सिंह मणिपुर का दौरा करने वाले हैं।

गौरतलब है कि राहत शिविर से लापता महिलाओं और बच्चों के शव मिलने के बाद शनिवार को हिंसा भड़क उठी थी। मैतेयी संगठनों का आरोप है कि इनकी हत्या उग्रवादियों ने की है। सोमवार को उग्रवादी हमले के बाद से बुजुर्ग महिला, उसकी दो बेटियां और तीन नाबालिग पोते-पोतियों का पता नहीं चल पा रहा था।

अधिकारियों ने बताया, गुस्साई भीड़ ने रविवार को निंगथौखोंग में लोक निर्माण मंत्री गोविंददास कोंथौजम, लंगमेइदोंग बाजार में भाजपा विधायक वाई. राधेश्याम, थौबल जिले में भाजपा विधायक पोनम ब्रोजेन और इंफाल पूर्वी जिले में कांग्रेस विधायक टी. लोकेश्वर के घरों में आग लगा दी। इस दौरान भीड़ ने तोड़फोड़ भी की। हमले के वक्त विधायक और उनके परिवार के सदस्य घर पर नहीं थे।

इंफाल पश्चिम में भाजपा विधायक रोबिंद्रो के पैतृक घर में भी तोड़फोड़ पेज>>10

इंफाल में रविवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा टायरों में आग लगाकर मार्ग अवरुद्ध कर दिया गया। प्रेट्र

चुनावी रैलियां रद कर दिल्ली लौटे अमित शाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : मणिपुर में हिंसा के मद्देनजर गृह मंत्री अमित शाह महाराष्ट्र में चुनावी रैलियां रद कर दिल्ली लौट आए। शाह ने गृह मंत्रालय व सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर मणिपुर के हालात की समीक्षा की और हिंसा को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, मणिपुर सरकार ने केंद्र से राज्य के छह पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में अफस्पा वापस लेने का अनुरोध किया है।

दोषमुक्ति सम्मानजनक या असम्मानजनक नहीं : हाई कोर्ट

इंदौर: दोषमुक्ति सिर्फ दोषमुक्ति होती है। सम्मानजनक और असम्मानजनक जैसा कुछ नहीं होता। इस टिप्पणी के साथ मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने समझौते के आधार पर दोषमुक्त हुए आरक्षक को दोबारा नौकरी पर रखने के आदेश दिए। साथ ही कहा कि सरकार को याचिकाकर्ता को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ भी देना होगा। (पेज-3)

भारत ने काप-29 में विकसित देशों को सुनाई खरी-खरी

बाकू: बाकू में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-29) के दौरान भारत ने विकासशील देशों में जलवायु कार्रवाई का समर्थन करने के तरीके पर गंभीरता से चर्चा नहीं करने के लिए विकसित देशों को खरी-खरी सुनाई। कहा कि वित्तीय और तकनीकी मदद के बिना जलवायु परिवर्तन से निपटना असंभव है। विकसित देशों ने लगातार लक्ष्य बदले हैं। (पेज-11)

लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

जागरण संवाददाता, बालेश्वर (ओडिशा)

- विकसित मिसाइल 1500 किमी से अधिक दूरी तक मार करने में सक्षम
- रक्षा मंत्री ने सफल परीक्षण पर कहा, भारत चुनिंदा पांच देशों में शामिल हुआ

रक्षा क्षेत्र में भारत की लगातार बढ़ती आत्मनिर्भरता और ताकत का नजारा दुनियाभर ने फिर देखा। भारत ने स्वदेशी तौर पर विकसित हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। इसी के साथ भारत उन पांच चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया जिनके पास हाइपरसोनिक मिसाइल जैसी महत्वपूर्ण और एडवांस सैन्य तकनीक क्षमता है। अमेरिका, चीन, रूस और फ्रांस के पास पहले से ही यह मिसाइल प्रणाली मौजूद है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 1500 किलोमीटर है। यही नहीं, इसकी रफ्तार आवाज की रफ्तार से पांच गुना तेज है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सशस्त्र बलों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

मिसाइल का परीक्षण शनिवार की शाम ओडिशा के बालेश्वर स्थित तट के नजदीक डा. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। इसकी जानकारी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को एक्स पर दी। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि ने हमारे देश को ऐसे चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास ऐसी महत्वपूर्ण और एडवांस सैन्य तकनीकों की क्षमता है।'

ये हैं इस मिसाइल में खूबियां

- इसकी न्यूनतम रफ्तार 6,174 किलोमीटर प्रति घंटा है यानी आवाज की रफ्तार (1235 किलोमीटर) से पांच गुना
- यह अधिकांश वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने में सक्षम, तेज रफ्तार की वजह से रडार के भी पकड़ में नहीं आती
- यह मिसाइल क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल दोनों के फीचर से लैस है। जमीन या हवा में मौजूद टारगेट को अचूक निशाना बनाती है

ओडिशा के बालासोर में परीक्षण के दौरान उड़ान भरती लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल। प्रेट्र

नया प्रोजेक्ट

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने डाल्फिन के संरक्षण के लिए नया प्रोजेक्ट शुरू किया, कछुओं की संकटग्रस्त प्रजातियों के बचाव के लिए उत्तर प्रदेश को मिलेगी मदद

गंगा डाल्फिन के लिए एंबुलेंस सेवा पर केंद्र की मुहर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने गंगा डाल्फिन के संरक्षण के लिए एक नए कार्यक्रम को मंजूरी दी है। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की राष्ट्रीय परिषद ने गत दिवस हुई बैठक में संकटग्रस्त डाल्फिन की जान बचाने के लिए एंबुलेंस सेवा शुरू करने की योजना पर मुहर लगा दी। डाल्फिन एंबुलेंस एक विशेष प्रकार का वाहन है, जो संकटग्रस्त डाल्फिन की मदद करेगा। गंगा के प्रवाह वाले राज्यों को ये एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएंगी। डाल्फिन कई कारण से तट पर आ जाती हैं और उनकी जान खतरे में पड़ जाती है। इन कारणों में पानी के स्तर में कमी, उसकी गुणवत्ता में कमी, शिकार की कोशिश या फिर उनके लिए अनुकूल वातावरण का अभाव प्रमुख हैं। ऐसी डाल्फिन की सहायता के लिए एंबुलेंस सेवा शुरू करने का प्रस्ताव है जोकि संकटग्रस्त डाल्फिन की पहचान करने के साथ ही उनकी सहायता और फिर उन्हें जल में छोड़ने का काम करेंगी। ये वाहन नौका के रूप में होंगे और उनमें उपचार के साधन मौजूद होंगे।

एडवांसिंग रेस्क्यू सिस्टम फार द प्रोटेक्शन आफ गंगा डाल्फिन नाम से शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट के तहत डाल्फिन संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक भी किया जाएगा। एनएमसीजी ने पिछले साल गंगा में जैव विविधता की समीक्षा के बाद डाल्फिन की संख्या बढ़कर चार हजार तक पहुंचने का दावा किया था। उसके अनुसार प्रदूषण में कमी और डाल्फिन के संरक्षण के लिए चलाए जा रहे अभियान के कारण उनकी संख्या बढ़ रही है। कुछ साल पहले उनका अस्तित्व समाप्त होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन अब स्थिति बेहतर हो रही है।

एनएमसीजी की नई परियोजना गंगा की जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण है। इसके दायरे में कछुओं को भी लिया गया, जिनकी कुछ प्रजातियां विलुप्ति के खतरे का सामना कर रही हैं। कछुओं के संरक्षण का प्रोजेक्ट केवल उत्तर प्रदेश में चलना है। इस परियोजना के तहत कछुओं की संकटग्रस्त प्रजातियों का न केवल पुनर्वास किया जाएगा, बल्कि गंभीर खतरे से घिरीं कम से कम तीन प्रजातियों को फिर से जीवन देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना की निगरानी के लिए एक विशेष केंद्र भी स्थापित किया जा रहा है।

डाल्फिन संरक्षण के लिए बढ़े कदम।

बंगाल में एक नए एसटीपी स्थापना में धन की बाधा दूर

गंगा नदी को साफ-स्वच्छ बनाने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापना के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए बंगाल में एक नए संयंत्र की स्थापना की राह भी साफ हो गई है। यह इंटीग्रेटेड सेप्टेज प्लांट बंगाल के बर्धमान में स्थापित किया जाना था, लेकिन पैसों को लेकर अड़चन आ रही थी। पहले इसके लिए छह करोड़ रुपये से कुछ अधिक धनराशि आवंटित की गई थी, लेकिन इससे जरूरत पूरी नहीं हो रही थी। अब 10.35 करोड़ रुपये में 50 किलोलीटर प्रतिदिन जल क्षमता वाला ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जाएगा। समस्या यह थी कि पहले जो प्लांट लगाया जा रहा था, उसमें मरम्मत और रखरखाव के खर्चे शामिल नहीं थे। अब जो संयंत्र मंजूर किया गया है, उसमें प्लांट के 10 साल के रखरखाव और मरम्मत की सेवाएं भी शामिल हैं।

केंद्र लाभ के पद से जुड़ी सांसदों की अयोग्यता पर फिर कानून बनाएगा

- इस संबंध में 65 वर्ष पुराने कानून को खत्म करने का विचार
- वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप होगा नया कानून

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार 65 वर्ष पुराने उस कानून को खत्म करने की योजना बना रही है है जो लाभ का पद धारण करने की वजह से सांसदों को सदन की सदस्यता के अयोग्य बनाता है। उसकी जगह सरकार एक नया कानून लाने की योजना बना रही है जो वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप होगा।

केंद्रीय कानून मंत्रालय के विधि विभाग ने 16वीं लोकसभा में कलराज मिश्रा की अध्यक्षता वाली लाभ के पद पर संयुक्त समिति की सिफारिशों के अनुसार 'संसद (अयोग्यता की रोकथाम) विधेयक, 2024' का मसौदा पेश किया है। प्रस्तावित विधेयक में वर्तमान 'संसद (अयोग्यता की रोकथाम) विधेयक, 1959' की धारा-तीन को युक्तिसंगत बनाने और अनुसूची में दिए गए ऐसे पदों की नकारात्मक सूची को खत्म करने का प्रविधान है जिसके धारक सदस्यता के अयोग्य हो जाएंगे। इसमें मौजूदा कानून और कुछ अन्य कानूनों के बीच टकराव को दूर करने का भी प्रस्ताव है। मसौदा विधेयक में कुछ मामलों में अयोग्यता के 'अस्थायी निलंबन' से संबंधित मौजूदा कानून की धारा-चार को हटाने का भी प्रस्ताव है। इसके स्थान पर केंद्र को अनुसूची में संशोधन करने का अधिकार दिया गया है। मसौदा विधेयक पर जनता की राय मांगते हुए विभाग ने याद दिलाया कि 'संसद (अयोग्यता की रोकथाम) अधिनियम, 1959' यह घोषणा करने के लिए बनाया गया था कि सरकार में लाभ के कुछ पद धारण करने वाले संसद की सदस्यता के अयोग्य नहीं होंगे।

****

18 नवंबर को हो सकता है घना कोहरा, न्यूनतम दृश्यता 50 मीटर से 200 मीटर के बीच हो सकती है, मौसम विभाग ने सोमवार के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 18 नवंबर, 2024

आज का मौसम

आकाश साफ रहेगा। सुबह में मध्यम स्तर का कोहरा या घना कोहरा हो सकता है। शाम को भी हल्का कोहरा हो सकता है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
18 नवंबर	28.0	14.0
19 नवंबर	27.0	15.0
नोएडा		
18 नवंबर	27.0	13.0
19 नवंबर	26.0	12.0
गुरुग्राम		
18 नवंबर	27.0	14.0
19 नवंबर	27.0	14.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

दिल्ली से जुड़े मुद्दे जनता बीच जाकर उठाएं : पांडा

नई दिल्ली: भाजपा की चुनाव संचालन समिति एवं चुनाव संकल्प पत्र समिति की पहली बैठक प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अध्यक्षता में रविवार को हुई। दिल्ली भाजपा के चुनाव प्रभारी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा भी शामिल हुए। बैठक में चुनाव की रणनीति व समितियों के कामकाज पर चर्चा हुई। पांडा ने कहा कि समितियों में अनुभवी नेता शामिल किए गए हैं। प्रत्याशियों की घोषणा से पहले चुनाव से संबंधित व्यवस्था को दुरुस्त करना आवश्यक है। सभी नेता मिलकर काम करेंगे। (राब्यू, जागरण)

'सखी डिपो' में दूसरे दिन भी थमे रहे बसों के पहिये

दक्षिणी दिल्ली: समान कार्य, समान वेतन सहित विभिन्न मांगों को लेकर संविदा महिला चालकों व परिचालकों ने दूसरे दिन भी सरोजिनी नगर 'सखी बस डिपो' के गेट पर धरना जारी रखा। रविवार को धरने की वजह से डिपो से एक भी बस को रवाना नहीं किया जा सका। संविदा पुरुष चालक व परिचालक भी महिला कर्मचारियों के समर्थन में आगे आए। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया। (जासं)

कोरोना के दौरान लापता व्यक्ति को हाई कोर्ट माना मृत

नई दिल्ली: कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान एलएन अस्पताल से लापता हुए व्यक्ति को मृत मानते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने मृतक की पत्नी को पांच लाख रुपये अनुग्रह राशि देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने कहा कि कोराना महामारी की दूसरी लहर के दौरान उत्पन्न हुई आपात स्थिति को देखते हुए वर्तमान मामले को सरकार की लापरवाही नहीं माना जा सकता है। अदालत ने नोट किया कि सरकार द्वारा संविदा पर नौकरी देने के प्रस्ताव को याची ने ठुकरा दिया है। (जासं)

विस चुनाव से ठीक पहले बढ़ीं आप की मुश्किलें

लोकसभा चुनाव के जैसा हश्र कहीं विधानसभा चुनाव का न हो जाए

वीके शुक्ला ● जागरण

नई दिल्ली : विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मंत्री पद और पार्टी से इस्तीफा देकर कैलाश गहलोत ने आप की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। राजनीतिक जानकार इसे लोकसभा चुनाव के परिणाम से जोड़कर भी देख रहे हैं, उन्हें आशंका है कि कहीं लोकसभा चुनाव की तरह ही विधानसभा चुनाव प्रभावित न हो जाएं।

कैलाश गहलोत दिल्ली सरकार के मंत्रिमंडल के स्तंभ माने जाते थे। उनके पास परिवहन, प्रशासनिक सुधार, सूचना एवं तकनीक, गृह, महिला एवं बाल विकास विभाग थे। हालांकि, अधिक काम वाले विभागों की बात करें तो परिवहन और महिला एवं बाल विकास ही थे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के साथ अच्छे संबंध होने के चलते सरकार में काम कराने का भी गहलोत को लाभ मिल रहा था। दिल्ली में आ रहीं इलेक्ट्रिक बसों की सफलता को गहलोत के उपराज्यपाल के साथ बेहतर तालमेल का ही नतीजा माना जा रहा था। महिलाओं को एक-एक हजार रुपये देने वाली महिला सम्मान योजना भी उनके ही अधीन महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित थी।

ध्वजारोहण के लिए आतिशी की जगह उपराज्यपाल ने गहलोत नाम किया था आगे : गहलोत का गत 15 अगस्त को उस समय कद बढ़ गया था, जब उपराज्यपाल ने उन्हें सरकार का श्रेष्ट मंत्री बताया था। केजरीवाल सरकार की ओर से ध्वजारोहण के लिए आतिशी के नाम के प्रस्ताव को दरकिनार कर उपराज्यपाल ने गहलोत का नाम आगे कर दिया था। गहलोत ने भी निष्टा दिखाते हुए केजरीवाल को आधुनिक स्वतंत्रता सेनानी बताया था। अब जब गहलोत अलग हो गए हैं ।

अब कौन लेगा गहलोत की जगह : इस पर भी सरकार में चर्चा शुरू हो गई है कि गहलोत की जगह अगला मंत्री कौन होगा। इस्तीफे से आप के पास नए मंत्री के नाम पर चयन का संकट है। जिसे मंत्री बनाया जाएगा, उसे व्यवस्था समझाने का संकट रहेगा। सूत्रों की मानें तो नए मंत्री के बारे में मंथन शुरू हो गया है।

कैलाश गहलोत। फाइल

गहलोत के यहां अक्टूबर 2018 में पड़ा था आयकर का छापा

आयकर विभाग ने 10 अक्टूबर 2018 को कैलाश गहलोत से जुड़े 16 ठिकानों की तलाशी ली थी। उनसे जुड़ीं दो फर्मों के खिलाफ कर चोरी की जांच के सिलसिले में यह छापे मारे गए थे। यह छापेमारी 100 करोड़ के टैक्स चोरी के आरोप में हुई थी। गहलोत के यहां से 35 लाख की नकदी मिली थी। उसके बाद से उस मामले की जांच चल रही है।

भाजपा हो सकता है गहलोत का नया राजनीतिक ठिकाना

संतोष कुमार सिंह ● जागरण

> इनसे पहले मंत्री पद और आप छोड़ने वाले राजकुमार आनंद भी अब भाजपा में हैं

नई दिल्ली: मंत्री पद और आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले कैलाश गहलोत के राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हो गई हैं। उपराज्यपाल से उनके अच्छे संबंध, अरविंद केजरीवाल को लिखे गए पत्र की भाषा और उनके इस्तीफे के बाद भाजपा नेताओं की प्रतिक्रिया से यह संभावना जताई जा रही है कि उनका अगला राजनीतिक ठिकाना भाजपा होगा। इस बारे में अभी न तो भाजपा नेता कुछ बोल रहे हैं और न ही गहलोत।

रविवार दोपहर एक्स पर गहलोत के इस्तीफे से संबंधित पोस्ट आने से दिल्ली की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। भाजपा नेताओं ने तत्काल उनके पक्ष में बयान जारी कर दिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, पार्टी के अन्य नेता व सांसद उनकी सराहना करते हुए इसे साहसिक कदम बताया। गहलोत की ओर से इस्तीफे में जो कारण बताए हैं, उससे भी भाजपा नेता उत्साहित हैं। उन्होंने यमुना की सफाई, मुख्यमंत्री आवास नवीनीकरण और केंद्र के साथ आप सरकार के विवाद से दिल्ली को हो रहे नुकसान का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि दिल्लीवासियों से किए गए वादे पूरे नहीं हो रहे हैं। भाजपा नेता इन मुद्दों को पिछले काफी समय से उठाते रहे हैं। इससे यह माना जा रहा है कि गहलोत ने भाजपा के राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए आप की मुश्किल बढ़ा दी है। उनके इस्तीफे के बाद आतिशी ने इसे भाजपा की गंदी राजनीति बताया है। इससे भी उनके भाजपा में शामिल होने का संकेत माना जा रहा है। उपराज्यपाल के साथ आप के अन्य नेताओं व मंत्रियों का विवाद होता रहा है, परंतु गहलोत के उनसे अच्छे संबंध बताए जाते हैं।

आम आदमी पार्टी से बिछड़े बारी-बारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

> पिछले नौ साल में 10 मंत्री दे चुके हैं इस्तीफा या उनसे ले लिया गया इस्तीफा

2015 से अब तक पार्टी के कई मंत्री और विधायक भी विवादों में आ चुके हैं, कुछ मंत्रियों को पद से हटाया गया तो कुछ ने पार्टी छोड़ दी। पार्टी के कई नेताओं ने भी आप से दूरी बनाई है। पिछले नौ साल में 10 मंत्री आप सरकार से इस्तीफा दिया है या उनसे लिया गया है।

आम आदमी पार्टी (आप) गठन के बाद से जिस तरह आगे बढ़ी है, विवाद भी साथ रहे हैं। इन्हीं विवादों के बीच आप के कई अपने पार्टी से किनारा कर गए। इसकी शुरुआत वर्ष 2015 से ही हो गई थी, जब आप की दिल्ली में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी। उस समय पहला घटनाक्रम तब सामने आया था, जब कानून मंत्री जितेंद्र सिंह तोमर को आप ने फर्जी डिग्री मामले में गिरफ्तार होने के बाद नौ जून 2015 को मंत्री पद से हटा दिया था। केजरीवाल सरकार में 2015 में सुल्तानपुर माजरा से विधायक चुने गए संदीप कुमार को एक सेक्स सीडी कांड में शामिल होने का आरोप लगने के बाद 31 अगस्त 2016 को मंत्रिमंडल और पार्टी दोनों से बर्खास्त कर दिया था। इनके बाद अक्टूबर 2015 में मंत्री आसिम अहमद खान, 15 मई 2017 को मंत्री कपिल मिश्रा को पद से हटा दिया गया था। अक्टूबर 2022 में मूर्ति पूजा विवाद के बाद मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने इस्तीफा दे दिया था। गत 10 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के ठीक पहले उस समय के दिल्ली सरकार में मंत्री राजकुमार आनंद ने भी इसी तरह मंत्री पद के साथ पार्टी छोड़ दी थी। छतरपुर सीट से विधायक करतार सिंह भी गत 24 सितंबर को आप छोड़ चुके हैं।

भ्रष्टाचार से परेशान कई नेता आप छोड़ेंगे : भाजपा

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार के भ्रष्टाचार को भाजपा उजागर करती रही है। गहलोत ने भी त्यागपत्र में इसे उठाया है। इससे स्पष्ट है कि आप सरकार के कई मंत्री व नेता परेशान हैं। केजरीवाल ने सत्ता में आने पर गाड़ी, बंगला व सुरक्षा नहीं लेने का वादा किया था। उन्होंने दिल्ली के विकास पर खर्च करने की जगह सरकारी आवास पर करोड़ों लगा दिए। गहलोत ने पत्र में यमुना सफाई पर भी सरकार को कठघरे में खड़ा किया है।

गहलोत का इस्तीफा गंदी राजनीति का हिस्सा : संजय सिंह

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: मंत्री कैलाश गहलोत के इस्तीफे पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर हमला बोला है। कहा कि यह ईडी सीबीआइ का डर दिखाकर भाजपा द्वारा दबाव बनाकर इस्तीफा दिलाने के षड्यंत्र का हिस्सा है। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि गहलोत का इस्तीफा भाजपा की गंदी राजनीति और षड्यंत्र का हिस्सा है। गहलोत के ऊपर ईडी-सीबीआइ का छापा डलवाकर दबाव बनाया गया और अब जो स्क्रिप्ट भाजपा की तरफ से दी गई है, वह उसी हिसाब से बोल रहे हैं।

भाजपा नेता अनिल झा आप में हुए शामिल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

भाजपा के पूर्वांचली नेता और किरारी से दो बार विधायक रहे अनिल झा रविवार को पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। यह घटनाक्रम आप को उस समय बड़ा झटका लगने के कुछ ही घंटों बाद आया, जब नजफगढ़ विधायक और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने पार्टी छोड़ दी।

केजरीवाल ने पार्टी मुख्यालय में झा का आप में स्वागत किया और उन्हें दिल्ली की राजनीति में 'सबसे बड़े' पूर्वांचली नेताओं में से एक करार दिया। आप सुप्रीमो ने कहा कि वह न केवल किराड़ी में बल्कि पूरे शहर में आप को बढ़ावा देंगे। पार्टी सूत्रों ने दावा किया कि झा फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में किरारी से मौजूदा आप विधायक की जगह ले सकते हैं। झा ने केजरीवाल की सराहना करते हुए कहा कि वह उनके व्यक्तित्व और शहर की अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले पूर्वांचली लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए किए गए कार्यों से प्रभावित हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि आप सरकार ने 10 हजार किमी सड़कें और गलियां बनाईं, 6800 किमी सीवर लाइनें बिछाईं और 1,650 अनधिकृत कालोनियों में पाइप से पानी उपलब्ध कराया, लेकिन भाजपा ने कुछ नहीं किया। कहा कि मैं भाजपा व उसके नेता शाह से पूछना चाहता हूं कि पूर्वांचली लोगों को पार्टी को वोट क्यों देना चाहिए। कहा कि मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे पूर्वांचली लोगों के लिए एक काम बताएं। उन्होंने इन कालोनियों में संपत्तियों की रजिस्ट्री का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं किया।

आप मुख्यालय में भाजपा के पूर्व विधायक अनिल झा को आप की सदस्यता दिलाते दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। जागरण

धर्मयुद्ध है दिल्ली विधानसभा चुनाव : अरविंद केजरीवाल

जासं, नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में चांदनी चौक और नई दिल्ली के सभी मंडल प्रभारियों के साथ संवाद किया। इस दौरान विधानसभा चुनाव में 70 सीटों का जीतने का मंत्र देते हुए कार्यकर्ताओं से जी-जान से जुटने का आह्वान किया। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली विधानसभा का चुनाव एक धर्म युद्ध है। उनके पास कौरवों की तरह अथाह पैसा और पावर है, जबकि हमारे साथ पांडवों की तरह भगवान और जनता हैं। हम दिल्ली की जनता को मुफ्त की छह रेवड़ी बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, तीर्थ यात्रा और महिलाओं को बस यात्रा दे रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि महापौर चुनाव में इन्होंने पूरी तैयारी कर रखी थी। हमारे पार्षदों को तोड़ने के लिए इन्होंने पता नहीं क्या-क्या किया था।

राजधानी में हिंदू विरोधी कार्य नहीं होने देंगे : आदेश गुप्ता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि टीएमसी सांसद साकेत गोखले की दी चुनौती के बाद स्थानीय लोगों के साथ मिलकर माता का जागरण सिधु अपार्टमेंट में किया। इसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित जूनियर यंग स्टार क्लब के प्रमुख मनोज साहू, प्रशांत शर्मा समेत अन्य लोग शामिल हुए। गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि वह दिल्ली में हिंदू विरोधी कार्य नहीं होने देंगे।

उल्लेखीय है कि गत सप्ताह सिंधु अपार्टमेंट में जागरण के दौरान टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने पुलिस से शिकायत कर उन्हें धमकी दी थी, ताकि जागरण को रोका जा सके। जबकि यह जागरण विगत 24 वर्ष से हर वर्ष कार्तिक माह में लगातार होता रहा है। गुप्ता ने आरोप लगाया था कि साकेत गोखले यह सब आप नेताओं की शह पर कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें वहां आमंत्रित नहीं किया गया था।

दो बुजुर्गों को कार से टक्कर मारी, 50 फीट तक घसीटा, मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

उत्तम नगर बस टर्मिनल के सामने बिंदापुर थाना इलाके में रविवार सुबह तेज रफ्तार कार चालक ने सड़क पार कर रही बुजुर्ग महिला और पुरुष को टक्कर मार दी। वह उन्हें करीब 50 फीट तक घसीटते हुए ले गया। घायल बुजुर्गों को तड़पता हुआ छोड़कर आरोपित भाग गया। हादसे में 64 वर्षीय महिला कमलेश और 74 वर्षीय बुजुर्ग नारायण शर्मा की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल के शवगृह में रखवा दिए है।

कमलेश और नारायण शर्मा के साथ हादसे के समय मौजूद राजो देवी ने बताया कि वह विकास नगर की गुप्ता एन्क्लेव में रहती हैं। वह ब्रह्मकुमारीज संस्था से जुड़ी हैं। रविवार सुबह पौने पांच बजे के करीब वह पड़ोस में रहने वाली कमलेश वर्मा और एक बुजुर्ग के साथ आटो से हस्तसाल स्थित ब्रह्मकुमारीज आश्रम जाने के लिए निकली थीं। उत्तम नगर पहुंचने के बाद वह जनकपुरी-द्वारका रोड को पार करने लगे। जैसे ही सेंट्रल वर्ज से वह आगे निकले, तो जनकपुरी की तरफ से द्वारका मोड़ की तरफ जाने वाले रोड पर सफेद रंग की कार तेज रफ्तार में चलाता हुआ युवक आया। उसने दोनों बुजुर्गों को टक्कर मारी और करीब 50 फीट तक घसीटते हुए ले गया। आसपास के लोग उन्हें अस्पताल लेकर गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मी दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल गए, तो पता लगा कि कमलेश की मौत हो गई है।

नारायण शर्मा। सौजन्य : स्वजन

कमलेश। सौजन्य : स्वजन

'अपशिष्ट प्रबंधन पर चर्चा के लिए पक्षकारों की बैठक बुलाए सरकार'

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 को लागू करने में एजेंसियों की पूर्ण विफलता को रेखांकित करते हुए दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सभी पक्षकारों की बैठक बुलाने का निर्देश दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह अत्यंत अहम है कि इन नियमों को राजधानी में उनकी सही भावना के साथ लागू किया जाए।

जस्टिस अभय एस ओका और आगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ ने अपने आदेश में कहा-यदि हम पाते हैं कि अन्य सभी अधिकारी एक साथ नहीं आते हैं और हमें 2016 के नियमों के कार्यान्वयन के लिए समयसीमा नहीं बताते हैं, तो अदालत को कठोर आदेश पारित करने पर विचार करना पड़ सकता है। हम दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को निर्देश देते हैं कि वह नियमों के कार्यान्वयन के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सहित सभी पक्षकारों की बैठक बुलाएं। सभी पक्षकारों को एक साथ आना चाहिए और न्यायालय के समक्ष एक साझा रिपोर्ट दाखिल करनी चाहिए, जिसमें नियमों को लागू करने की समयसीमा के बारे में जानकारी हो।

शीर्ष अदालत ने कहा कि बैठक आयोजित करने व साझा जवाब देने की प्रक्रिया 13 दिसंबर तक पूरी कर ली जाए। जैसा कि अन्य मामलों में भी देख रहे हैं, 2016 के नियम कागजों तक ही सीमित रह गए। यदि एनसीआर इन नियमों को लागू करने में पूरी तरह विफल रहा है, तो कोई कल्पना कर सकता है कि देश के अन्य भागों के शहरों में क्या हो रहा होगा।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

पराली के धुएं ने हवा को बनाया ज्यादा दमघोंटू

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

इन दिनों वायु प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। इस वजह से दिल्ली में पीएम-10 का स्तर 407.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो मानक से चार गुना अधिक है। पीएम 2.5 का अधिकतम स्तर 258.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो सामान्य से सवा चार गुना अधिक है। दिल्ली के आनंद विहार सहित कई इलाकों में पीएम 2.5 स्तर 500 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के स्तर पर पहुंच गया। आइआइटीएम पुणे के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के डाटा के अनुसार, दिल्ली के वायु प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन की भागीदारी 15.84 प्रतिशत रही, जो पिछले दिन के मुकाबले अधिक है। शनिवार को वायु प्रदूषण में पड़ोसी राज्यों से आने वाले पराली के धुएं की भागीदारी 25.10 प्रतिशत रही। इसके एक दिन पहले पराली के धुएं की भागीदारी 37.51 प्रतिशत थी। पंजाब व हरियाणा से पराली का धुएं दिल्ली पहुंचने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। वहीं, पंजाब में पराली जलाए जाने के कारण अधिकतर शहरों की हवा बेहद प्रदूषित हो चुकी है।

महापंचायत के बाद हुए निर्णय से पलटी बार एसोसिएशन, हड़ताल रहेगी जारी

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

> शनिवार को कलक्ट्रेट के बाहर वकीलों की महापंचायत के बाद बार एसोसिएशन ने हड़ताल खत्म होने के बारे में बताया था

जिले में वकीलों की हड़ताल जारी रहेगी। बार एसोसिएशन शनिवार को हुई वकीलों की महापंचायत के बाद हड़ताल खत्म करने के निर्णय से पलट गई है। बार एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक शर्मा का रविवार को इंटरनेट मीडिया पर मैसेज प्रसारित हुआ जिसमें वह सोमवार से हड़ताल समाप्त कर कोर्ट में काम करने के निर्णय के संबंध में बता रहे हैं कि बार के सदस्यों ने इस निर्णय से असहमति जताई है। वह अधिवक्ताओं के साथ हैं इसलिए हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिए जाने की जानकारी दे रहे हैं। शाम को बार एसोसिएशन ने लिखित में हड़ताल जारी रखने की जानकारी दी। ऐसे में साफ हो गया है कि सोमवार से कचहरी में कामकाज नहीं होगा।

जिला जज कोर्ट में 29 अक्टूबर को हुए लाठीचार्ज के विरोध में वकीलों ने कचहरी में चार नवंबर से हड़ताल की हुई है। प्रदेश की अन्य बार एसोसिएशन ने भी गाजियाबाद के वकीलों का साथ देते हुए हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया। आंदोलन पर रणनीति बनाने के लिए शनिवार को कलक्ट्रेट के बाहर वकीलों की महापंचायत बुलाई गई। शनिवार को बार एसोसिएशन ने बताया कि सोमवार से गाजियाबाद जिला जज कोर्ट में वकील उपस्थित नहीं होंगे लेकिन अन्य कोर्ट में काम शुरू करेंगे। बार एसोसिएशन के इस निर्णय का शनिवार रात में ही विरोध शुरू हो गया। रविवार को इसी संबंध में बार अध्यक्ष दीपक शर्मा का वाट्सएप मैसेज प्रसारित होना शुरू हुआ जिसमें हड़ताल जारी रखने की बात थी। हालांकि बार अध्यक्ष से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

बार अध्यक्ष के नाम से प्रसारित मैसेज के अंश : दिनांक 16 नवंबर को एक प्रस्ताव पारित किया जिसमें जिला जज न्यायालय का बहिष्कार करते हुए अन्य न्यायालयों में कार्य करने से संबंधित प्रस्ताव है। लेकिन इस प्रस्ताव से मेरी बार एसोसिएशन गाजियाबाद के सम्मानित सदस्य खुश नहीं हैं।

कचहरी परिसर में लगा अधिवक्ताओं के धरना प्रदर्शन का बैनर। जागरण

वसूली मामले में आरोपित विकास यादव को व्यक्तिगत पेशी से छूट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को अमेरिका में मारने की कोशिश के आरोपित विकास यादव के जान को खतरा होने का दावा करने के बाद एक आपराधिक मामले में व्यक्तिगत उपस्थिति से अदालत ने छूट दे दी है। पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने यह छूट विकास यादव द्वारा अधिवक्ता से दायर आवेदन पर विचार करने के बाद दी। आवेदन में दावा किया गया था कि उनके व्यक्तिगत विवरण सार्वजनिक कर दिए गए हैं और इससे उनका जीवन खतरे में पड़ गया है। यह भी कहा कि उन पर लगाए गए आरोप झूठे और तुच्छ हैं।

विकास यादव को दिल्ली के एक व्यवसायी की शिकायत के बाद दिसंबर 2023 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया था। विकास पर जबरन वसूली और अपहरण का आरोप लगाया गया था। मार्च में आरोप पत्र दायर किया गया और अप्रैल में विकास को जमानत दी गई थी।

स्टालों पर भीड़

500 रुपये की टिकट लेकर पहुंचे दर्शक, ढाई लाख रुपये की साड़ी भी आकर्षण का केंद्र, सिल्वर क्राफ्ट की कला को प्रदर्शित करने पर भागलपुर के कलाकार को सराहा जा रहा है

सप्ताहांत में बढ़ गई अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले की रौनक

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

43वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के चौथे दिन रविवार को अच्छी खासी रौनक देखने को मिली। मेला घूमने के लिए दर्शक 500 रुपये की टिकट खरीद कर पहुंचे थे। मेले में सभी हालों, राज्य मंडपों से लेकर खाने पीने के स्टाल तक पर भीड़ देखी गई।

अवकाश का दिन होने की वजह से मेले में महिलाओं की भी अच्छी खासी भीड़ रही। ऐसे में उत्तर प्रदेश मंडप में बिक रही ढाई लाख रुपये की साड़ी भी आकर्षण का केंद्र रही। आजमगढ से आए मोहम्मद ताबिश यह साड़ी लेकर आए हैं, जिसे देखने व खरीदने के लिए महिलाओं में उत्साह नजर आया। अधिकतर महिलाएं तो सिर्फ साडी देखकर चली जा रही थी, लेकिन कुछ एक ने साड़ी खरीदने में भी रूचि दिखाई। ताबिश ने बताया कि मेले में ढाई लाख वाली तो तीन चार साड़िया ही लेकर आए हैं। जब मांग बढ़ती है तो बाद में कोरियर से पहुंचा देते है। वैसे अभी तक एक महिला ने इस साड़ी को खरीदने के लिए बुकिंग करवाई है। उन्होंने बताया कि सिल्क पर हाथ से तैयार डिजाइन और इसमें लगने वाले समय की वजह से इसकी कीमत बढ़ती है। साथ ही यह ऐसी साड़ी होती है जो कभी भी दूसरी से नहीं मिलती है। इसलिए हर एक साड़ी का अलग अंदाज होता है।

बिहार मंडप में सिल्वर क्राफ्ट के लिए मशहूर इस क्षेत्र की कला को प्रदर्शित करने के लिए भागलपुर के कलाकार को सराहा जा रहा है। इनकी स्टाल पर चांदी से बने विभिन्न प्रकार के उत्पाद उपलब्ध हैं। जैसे पेंटिंग, चांदी के बर्तन (थाली, गिलास, कटोरी आदि), पायल, कंगन और अंगूठियां। सभी वस्तुएं हाथ से बनाई गई हैं और खासतौर पर मणिया गांव में तैयार होती हैं। सरस मंडप में भी काफी भीड़ रही। इस दौरान ग्रामीण कलाओं को काफी सराहना मिली। साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के स्टालों पर भी अच्छी खासी रौनक दिखी। इसके अलावा दिल्ली, झारखंड, राजस्थान, पंजाब मंडप में भी भीड़ देखने को मिली। हाल नंबर 14 में सभी तरह के स्टाल लगे हुए हैं। यहां हर एक घरेलू सामान मिल रहा है। हाल नंबर छह में खादी से बने उत्पादों की भरमार है।

नई दिल्ली भारत मंडपम में चल रहे भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के उत्तर प्रदेश मंडप में ढाई लाख रुपये की साड़ी का अवलोकन करते लोग। जागरण

एक करोड़ रुपये की प्रतिबंधित दवाओं के साथ चार गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

> बरामद दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल हेरोइन बनाने के लिए

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक करोड़ रुपये की प्रतिबंधित दवाओं के साथ चार आरोपित को गिरफ्तार किया है। इन दर्द निवारक दवाओं का इस्तेमाल हेरोइन जैसी ड्रग्स बनाने में किया जाता है। आरोपित जम्मू कश्मीर, यूपी, दिल्ली व पंजाब समेत कई राज्यों के ड्रग्स तस्करों को प्रतिबंधित दवाइयां आपूर्ति कर रहे थे। इनके कब्जे से ट्रामाडोल के 1,935 कैप्सूल व 1,147 टैबलेट, अल्प्राजोलम की 615 टैबलेट और पेंटाजोसाइन के 62 इंजेक्शन जब्त किए गए हैं।

पुलिस ने आरोपितों की चार करोड़ के अनुमानित मूल्य वाली चार संपत्तियों की पहचान की है। जिसकी विस्तृत वित्तीय जांच शुरू कर दी गई है। आरोपित ने जम्मू एवं कश्मीर के जिस रिसीवर को प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति की थी, उसकी भी पहचान कर ली गई है।

डीसीपी भीष्म सिंह के मुताबिक इंजेक्शन हरियाणा से मंगवाए गए थे, साथ ही टैबलेट व कैप्सूल उप्र और हरियाणा से लाए गए थे। 26 अक्टूबर को एसीपी अनिल शर्मा को सूचना मिली कि चंदन राउत महरौली-बदरपुर रोड पर आने वाला है, उसके पास प्रतिबंधित दवाइयां हैं। उसे वहां से पकड़ा गया। उसके कब्जे से 6.792 किलो ट्रामाडोल टैबलेट बरामद की गईं। उसने वाहन में ट्रामाडोल गोलियां छिपाने के लिए गोपनीय जगह बनवा रखी थी। उससे पूछताछ में पता चला कि ओखला के शिवा फार्मा का मालिक अरविंद सिंह उसे प्रतिबंधित दवा आपूर्ति कर रहा था।

****

मोदी को नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान

इससे पहले 1969 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को दिया गया था यह सम्मान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नाइजीरिया सरकार ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान प्रदान किया। इस सम्मान का नाम 'ग्रैंड कमांडर आफ द आर्डर आफ द नाइजर' है। नाइजीरिया के राष्ट्रपति होला अहमद तीनुबू ने राजधानी आबुजा में प्रधानमंत्री मोदी को एक भव्य समारोह में यह सम्मान दिया। इस अवार्ड की खासियत इस बात से समझी जा सकती है कि प्रधानमंत्री मोदी से पहले इसे सिर्फ ब्रिटेन की पूर्व महारानी दिवंगत एलिजाबेथ को वर्ष 1969 में दिया गया था। सम्मान को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मैं बेहद विनम्रता से इसे 140 करोड़ भारतीयों और भारत व नाइजीरिया की दोस्ती को समर्पित करता हूं। इसके लिए मैं नाइजीरिया सरकार और नाइजीरिया के नागरिकों को धन्यवाद कहता हूं।'

प्रधानमंत्री मोदी को यह सम्मान विदेशी सरकारों की तरफ से दिए गए 17 शीर्ष नागरिक सम्मानों में से एक है। उन्हें अब दुनिया में सबसे ज्यादा विदेशी सम्मान मिलने वाले वैश्विक नेता के तौर पर भी चिह्नित किया जाने लगा है। प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार देर शाम नाइजीरिया पहुंचे थे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 17 वर्षों बाद की गई नाइजीरिया की यात्रा है, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने भाषण में किया। उन्होंने रविवार को राष्ट्रपति तीनुबू के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी आयामों पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नाइजीरिया से ब्राजील के लिए रवाना होंगे। ब्राजील में वह दो दिन रहेंगे जहां जी-20 शिखर सम्मेलन में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। ब्राजील के बाद मोदी गुयाना भी जाएंगे।

▶ **दोनों देशों में द्विपक्षीय संबंधों के सभी आयामों पर वार्ता, रणनीतिक रिश्ते करेंगे मजबूत**

नाइजीरिया के आबुजा में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ग्रैंड कमांडर आफ द आर्डर आफ द नाइजर से सम्मानित करते राष्ट्रपति होला अहमद तीनुबू। प्रेट्र

नाइजीरिया के राष्ट्रपति के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'नाइजीरिया के साथ रिश्तों को मजबूत करना भारत की एक अहम प्राथमिकता है। यह प्रसन्नता की बात है कि हमने आपसी रिश्तों को और ज्यादा मजबूत व विस्तारित करने पर बात की है। अर्थ, ऊर्जा, कृषि, सुरक्षा, फिनटेक, छोटे व मझोले उद्योग और संस्कृति के क्षेत्र में नई संभावनाएं बन रही हैं।' विदेश मंत्रालय ने बताया कि मोदी और तीनुबू के बीच आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग को लेकर भी विमर्श हुआ। रक्षा व सुरक्षा दो ऐसे क्षेत्र हैं जिसे दोनों देश काफी संभावनाओं वाला मान रहे हैं।

पीएम मोदी को दूसरे देशों से मिले सर्वोच्च सिविलिन अवार्ड

देश	पुरस्कार
सऊदी अरब	किंग अब्दुलअजीज सास
अफगानिस्तान	स्टेट आर्डर आफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान
फलस्तीन	ग्रैंड कालर आफ द स्टेट आफ फलस्तीन
यूएई	आर्डर आफ जायद
रूस	आर्डर आफ सेंट एंड्रयू
मालदीव	आर्डर आफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल आफ निशान इज्जुद्दीन
बहरीन	किंग हमाद आर्डर आफ द रेनेसां
अमेरिका	लीजन आफ मेरिट
भूटान	ड्रुक ग्यालपो
पलाऊ गणराज्य	एबाकल अवार्ड
फिजी	कंपेनियन आफ द आर्डर आफ फिजी
पापुआ न्यू गिनी	कंपेनियन आफ द आर्डर आफ लोगोहू
मिस्र	आर्डर आफ द नाइल
फ्रांस	लीजन आफ आनर
ग्रीस	ग्रैंड क्रास आफ द आर्डर
नाइजीरिया	ग्रैंड कमांडर आफ द आर्डर आफ द नाइजर

विकसित बनने की नई राह पर भारत : मोदी

आबुजा, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आत्मविश्वास से भरे भारत ने एक नई यात्रा की शुरुआत की है और इसका लक्ष्य 'विकसित भारत' बनना है। उन्होंने पिछले 10 वर्षों के दौरान अपनी सरकार की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया।

नाइजीरिया की राजधानी में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत विकास, शांति, समृद्धि और लोकतंत्र का प्रतीक बनकर दुनिया के लिए एक नई उम्मीद के रूप में उभरा है। सानू नाइजीरिया (हेलो नाइजीरिया) से अपने भाषण की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा, 'प्रधानमंत्री के रूप में मेरी यह नाइजीरिया की पहली यात्रा है, लेकिन मैं अकेला नहीं आया। मैं अपने साथ भारतीय मिट्टी की सुगंध और करोड़ों भारतीयों की ओर से आपके लिए शुभकामनाएं लाया हूं।'

अपनी सरकार की उपलब्धियां रेखांकित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल आया है और देश नवाचार कर रहा है व नए रास्ते बना रहा है। यह आज के भारत का सार है। मोदी-मोदी के नारों के बीच प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत में अब 1.5 लाख से ज्यादा पंजीकृत स्टार्टअप्स हैं। पिछले एक दशक में सौ से ज्यादा यूनिकार्न बने हैं। एक यूनिकार्न का मतलब है आठ से दस हजार करोड़ की कंपनी। सौ से ज्यादा कंपनियां भारत की स्टार्टअप संस्कृति की सफलता का सुबूत हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने अपनी जीडीपी में दो लाख करोड़ डालर जोड़े हैं। इस दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दोगुना हो गया है। आज भारत दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वह दिन दूर नहीं, जब भारत पांच लाख करोड़ डालर की और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यस्था होगा। भारत अंतरिक्ष में अपना स्टेशन बनाने जा रहा है। देश में पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। उल्लेखनीय है कि नाइजीरिया में लगभग 60 हजार भारतीय रहते हैं और वहां 200 से ज्यादा भारतीय कंपनियां कारोबार कर रही हैं जो संघीय सरकार के बाद दूसरी सबसे बड़ी नियोक्ता हैं।

▶ **नाइजीरिया में भारतीय समुदाय से पीएम बोले, कंफर्ट जोन से बाहर निकल आया है देश**

इससे पहले नाइजीरिया पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक स्वागत किया गया और उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई।

विदेशी संपत्ति, आय की जानकारी नहीं देने पर लगेगा 10 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, प्रेट्र: आयकर विभाग ने रविवार को करदाताओं को आगाह किया कि आयकर रिटर्न (आइटीआर) में विदेश में स्थित संपत्ति या विदेश में अर्जित आय की जानकारी नहीं देने पर काला धन विरोधी कानून के तहत 10 लाख रुपये का जुर्माना लग सकता है। विभाग ने हाल ही में शुरू किए गए अनुपालन-सह-जागरूकता अभियान के तहत एक सार्वजनिक परामर्श जारी किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि करदाता आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपने आइटीआर में ऐसी जानकारी दर्ज करें।

परामर्श में स्पष्ट किया गया है कि भारत के निवासी के लिए विदेशी परिसंपत्ति में बैंक खाते, नकद मूल्य बीमा अनुबंध या वार्षिकी अनुबंध, किसी इकाई या व्यवसाय में वित्तीय हित, अचल संपत्ति, अभिरक्षक खाता, इक्विटी और ऋण हित, ट्रस्ट जिसमें व्यक्ति ट्रस्टी है, सेटलर का लाभार्थी, हस्ताक्षर प्राधिकारी वाले खाते, विदेश में रखी गई कोई पूंजीगत परिसंपत्ति आदि शामिल हैं। विभाग ने कहा कि इस मानदंड के अंतर्गत आने वाले करदाताओं को अपने आइटीआर में विदेशी परिसंपत्ति (एफए) या विदेशी स्रोत से आय (एफएसआइ) अनुसूची को अनिवार्य रूप से भरना होगा, भले ही उनकी आय कर योग्य सीमा से कम हो।

हरियाणा के दो कानूनों को केंद्र ने नहीं दी मंजूरी, सुझाव के साथ लौटाया

राज्य ब्यूरो, जागरण, चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार के दो कानूनों को केंद्र सरकार ने मंजूरी प्रदान नहीं की है। राष्ट्रपति के पास भेजने से पहले ही राज्य सरकार को वापस भेज दिया गया है। साथ ही, इनमें जरूरी संशोधन का सुझाव दिया है। सोमवार को सरकार दोनों कानूनों को विधानसभा में वापस लेगी। इसके बाद इनमें बदलाव करेगी। यह भी संभव है कि इनको दोबारा पेश ही ना किया जाए, क्योंकि अभी तक सरकार ने इनको लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है।

हरियाणा विधानसभा में ये दोनों विधेयक पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल के आखिरी दिनों में पास किए गए थे। पहला कानून, हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक 2023 से जुड़ा है, जिसमें राज्य में होने वाले संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने के कड़े प्रविधान किए गए थे। कांग्रेस इस कानून के विरोध में थी। दूसरा कानून, हरियाणा आनरेबल डिस्पोजल आफ डेड बाडी बिल 2024 है, जिसमें किसी भी शव के साथ प्रदर्शन करने पर छह माह से पांच साल तक कैद व एक लाख रुपये जुर्माने का प्रविधान किया गया है।

भारतीय सेना का पूर्वी प्रहार

अरुणाचल प्रदेश के अग्रिम इलाकों में 10 से 18 नवंबर तक 'पूर्वी प्रहार' अभ्यास का आयोजन किया गया। इस दौरान भारतीय सेना की तीनों सेवाओं के कर्मियों ने इस बड़े पैमाने पर हुए संयुक्त अभ्यास में हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य क्षेत्र के चुनौतीपूर्ण पहाड़ी इलाकों में एकीकृत संयुक्त अभियानों को अंजाम देने में भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना की युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाना है, जिससे अंतर-सेवा में बेहतर और तालमेल बढ़ने के साथ कार्रवाई में तेजी आए। प्रेट्र

अब देश में नहीं हो सकता मुंबई जैसा आतंकी हमला : एडमिरल त्रिपाठी

आदित्य राज ● जागरण

गुरुग्राम : भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का मानना है कि अब देश में मुंबई जैसा आतंकी हमला नहीं हो सकता। महासागरों की निगरानी के लिए देश के पास हर स्तर का प्रभावी तंत्र है। 24 घंटे निगरानी की जा रही है। कहीं भी कुछ हलचल होते ही जानकारी सामने आ जाती है। आने वाले समय में सुरक्षा तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाएगा। इस दिशा में प्रयास जारी है।

भारतीय शिक्षण मंडल की ओर से एसजीटी यूनिवर्सिटी में आयोजित अखिल भारतीय शोधार्थी सम्मेलन में रविवार को पहुंचे एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि मुंबई आतंकी हमले के बाद सुरक्षा तंत्र को काफी मजबूत किया गया है। पहले तंत्र इतना मजबूत नहीं था इस वजह से आतंकी समुद्री रास्ते से मुंबई तक पहुंच गए थे। अब यह संभव नहीं है। जहां तक सीमा है वहां तक 24 घंटे हर गतिविधि पर नजर है। यही नहीं सेना की मजबूती के लिए नवाचार पर लगातार काम चल रहा है। बजट की कमी नहीं है। केंद्र सरकार ने इस बार सबसे अधिक बजट नौसेना को दिया है। इससे नौसेना की ताकत काफी बढ़ेगी। दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सक्रियता पर कहा कि अब यह कोई विषय ही नहीं है।

▶ **कहा, महासागरों की निगरानी के लिए देश के पास है प्रभावी तंत्र**

▶ **आतंकवादी अब समुद्री रास्ते से आने के बारे में सोच नहीं सकते**

अखिल भारतीय शोधार्थी सम्मेलन में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी। फोटो : संजय गुलाटी

सेनाओं की मजबूती के लिए चल रहे शोध : एडमिरल त्रिपाठी ने शोधार्थियों से भी संवाद किया। कहा कि तीनों सेनाओं की मजबूती के लिए लगातार शोध किए जा रहे हैं। शोध के ऊपर आगे काम किए जा रहे हैं। यही वजह है कि देश तेजी से रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन रहा है। मिसाइलों का निर्यात शुरू हो चुका है। राष्ट्रीय सुरक्षा हर व्यक्ति से जुड़ा विषय है। सभी की जिम्मेदारी है वह राष्ट्र की सुरक्षा की चिंता करे।

छग में जुमे की नमाज के बाद तकरीर के लिए वक्फ बोर्ड से लेनी होगी मंजूरी

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर

छत्तीसगढ़ की मस्जिदों में जुमे यानी शुक्रवार की नमाज के बाद होने वाली तकरीर के लिए वक्फ बोर्ड से मंजूरी लेनी होगी। तकरीर किस विषय पर है, इसकी जानकारी लिखित में देनी होगी। यह आदेश छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष व भाजपा नेता डा. सलीम राज ने प्रदेशभर की मस्जिदों के मुतवल्ली को पत्र लिखकर भेजा है। उन्होंने कहा कि मंजूरी के बाद ही तकरीर की जा सकेगी। आदेश 22 नवंबर से लागू हो जाएगा।

डा. सलीम ने बताया कि प्रदेशभर की मस्जिदों के मुतवल्लियों को जानकारी देने के लिए वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इस ग्रुप में मुतवल्ली तकरीर के विषय की जानकारी देंगे। बोर्ड से नियुक्त अधिकारी विषय को परखेंगे और अनुमति देंगे। आदेश नहीं मानने पर मुतवल्लियों पर एफआइआर दर्ज कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने जो पत्र लिखा है, वह मुतवल्लियों के लिए है, मौलानाओं के लिए कोई निर्देश नहीं दिया है। इमामों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कहा गया है, जो अल्पसंख्यकों के लिए है। मुतवल्लियों को धार्मिक उपदेशों तक ही सीमित रहना चाहिए, राजनीति नहीं करनी चाहिए।

उधर, वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सलाम रिजवी ने नए अध्यक्ष के इस आदेश का विरोध किया है। उनका कहना है कि प्रदेशभर की मस्जिदों में एक साथ कैसे नजर रख सकेंगे? तकरीर में कुरान और हदीस की बातों का उल्लेख होता है। प्रदेशभर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी मस्जिद से भड़काऊ तकरीर की गई हो। कुछ नेता राजनीतिक लाभ लेने के लिए ऐसा कर रहे हैं। ऐसे लोगों से समाज निपटेगा।

ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट कर जताया विरोध

आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर लिखा कि अब भाजपाई हमें बताएंगे कि दीन क्या है? क्या हमें अपने दीन पर चलने के लिए अब उनसे इजाजत लेनी होगी? वक्फ बोर्ड के पास ऐसी कोई कानूनी ताकत नहीं है।

उत्तराखंड में नए सिरे से चिह्नित होंगे दुर्घटना की आशंका वाले स्थल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून

लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं के दृष्टिगत अब उत्तराखंड में नए सिरे से दुर्घटना की आशंका वाले स्थलों का चिह्नीकरण किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि इनमें किस प्रकार के सुधार की आवश्यकता है। इसके बाद इनमें सुधार के प्रस्ताव सड़क निर्माण संस्थाओं को भेजे जाएंगे, ताकि इन्हें समय से दुरुस्त किया जा सके। उत्तराखंड में इसी माह कई बड़ी सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। ये दुर्घटनाएं सुदूरवर्ती पर्वतीय मार्गों के साथ ही मैदानी मार्गों पर भी हुई हैं। इन सड़क दुर्घटनाओं का सड़क सुरक्षा समिति के साथ ही विशेषज्ञ एजेंसियों द्वारा भी अध्ययन किया जा रहा है। इनकी प्रारंभिक रिपोर्ट में जो बातें सामने आई हैं, उनमें दुर्घटना के कारणों में वाहन चालकों की लापरवाही के साथ ही सड़कों का खराब होना भी शामिल है।

इस वर्ष वर्षाकाल में बड़ी संख्या में सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। शहरी क्षेत्रों में तो फिर भी इनमें सुधार कर लिया गया है, लेकिन पर्वतीय मार्गों को अभी भी दुरुस्त किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इसके साथ ही पर्वतीय व मैदानी जिलों में सड़कों का चौड़ीकरण हुआ है। इनसे यातायात तो सुगम हुआ है लेकिन इनमें वाहनों की रफ्तार बढ़ गई है। ऐसे में इन मार्गों पर कई नए दुर्घटना की आशंका वाले स्थल बन गए हैं।

▶ **सभी संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालयों को भेजे गए निर्देश**

▶ **स्थलों को चिह्नित कर सड़क निर्माण एजेंसियों को सुधार के प्रस्ताव भेजने को भी कहा**

पुष्कर सिंह धामी फाइल

प्रदेश में पांच वर्ष पूर्व जब परिवहन विभाग ने सभी सड़कों का सर्वे किया था, उस समय 2600 से अधिक ऐसी जगह चिह्नित की गई थी, जहां दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। परिवहन विभाग की इस रिपोर्ट पर सड़क निर्माण से संबंधित लोक निर्माण विभाग व ग्रामीण विभाग समेत अन्य विभागों ने इन्हें दुरुस्त किया। इनमें से अभी तक 2200 से अधिक स्थल ठीक किए जा चुके हैं, लेकिन बीते वर्षों में कई नए दुर्घटना की आशंका वाले स्थल बढ़े हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस मामले में सुधार के निर्देश दिए हैं। इसे देखते हुए परिवहन मुख्यालय ने सभी संभागीय व सहायक संभागीय अधिकारियों को कहा है कि दुर्घटना की आशंका वाले स्थलों के चिह्नीकरण के मानक तय हैं। ऐसे में सभी प्रवर्तन अधिकारी अपने क्षेत्र के मार्गों का सर्वेक्षण करते हुए दुर्घटना की आशंका वाले स्थलों को चिह्नित करें और इनकी रिपोर्ट संबंधित सड़क निर्माण संस्थाओं को भेजें।

बेहतर सेवाएं देने को पर्याप्त शुल्क लगाएं नगर निगम : आरबीआइ

नई दिल्ली, प्रेट्र : नगर निगमों को गैर-कर राजस्व बढ़ाने और बेहतर सार्वजनिक सेवाएं मुहैया कराने के लिए जल आपूर्ति और स्वच्छता जैसी जरूरी सेवाओं के लिए पर्याप्त उपयोगकर्ता शुल्क लेना चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

'नगर निगम वित्त पर रिपोर्ट' 2019-20 से 2023-24 (बजट अनुमान) में 232 नगर निगमों (एमसी) की राजकोषीय स्थिति पर गहराई से विचार किया गया है। इसमें खासतौर से 'नगर निगमों में राजस्व सृजन के अपने स्रोतः अवसर और चुनौतियां' विषय पर ध्यान दिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक नगर निगम जल आपूर्ति, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए उचित और पर्याप्त शुल्क लगाकर गैर-कर राजस्व काफी बढ़ा सकते हैं। ऐसा करके उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि ये उपाय अधिक पारदर्शी और जवाबदेह शासन प्रणाली के साथ मिलकर नगर निगमों की वित्तीय सेहत को मजबूत करने में अहम योगदान दे सकते हैं।

▶ **आरबीआइ ने देश के 232 नगर निगमों की राजकोषीय स्थिति पर किया मंथन**

▶ **कहा- नगर निगमों को गैर-कर राजस्व बढ़ाने पर देना चाहिए ध्यान**

आरबीआइ रिपोर्ट के मुताबिक अगर ऐसा हो सका तो जनता के लिए बेहतर सेवाओं, मजबूत राजस्व और शहरी बुनियादी ढांचे के लगातार उन्नयन का एक चक्र शुरू होगा। मुख्य गैर-कर राजस्व स्रोतों में उपयोगकर्ता शुल्क, व्यापार लाइसेंस शुल्क, लेआउट/ भवन मंजूरी शुल्क, विकास शुल्क, बेहतरी शुल्क, बिक्री और किराया शुल्क, बाजार शुल्क, बूचड़खाना शुल्क, पार्किंग शुल्क, जन्म और मृत्यु पंजीकरण शुल्क शामिल हैं। कर राजस्व के स्रोतों में संपत्ति कर, खाली भूमि कर, जल लाभ कर, विज्ञापन कर, सीवरेज लाभ कर, पशुओं पर कर और गाड़ियों पर कर आदि शामिल हैं। इन शुल्कों/ करों की अधिक वसूली से निगमों की स्थिति सुधरेगी।

मिला न्याय

हाई कोर्ट ने समझौते के आधार पर बरी आरक्षक को नौकरी पर रखने के दिए आदेश, कहा- नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ भी देना होगा

'दोषमुक्ति सम्मानजनक या असम्मानजनक नहीं'

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

दोषमुक्ति सिर्फ दोषमुक्ति होती है। सम्मानजनक और असम्मानजनक जैसा कुछ नहीं होता। इस टिप्पणी के साथ मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने समझौते के आधार पर दोषमुक्त हुए आरक्षक को दोबारा नौकरी पर रखने के आदेश दिए। साथ ही कहा कि सरकार को याचिकाकर्ता को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ भी देना होगा। हालांकि उसे इस अवधि का वेतन नहीं मिलेगा।

एडवोकेट धर्मेंद्र चेलावत ने बताया कि याचिकाकर्ता रवि नरवरिया वर्ष 2018 में आयोजित आरक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल हुआ था। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी आवेदकों को शपथ पत्र में इस बात की जानकारी भी देनी थी कि कहीं उनके खिलाफ कभी कोई आपराधिक प्रकरण तो दर्ज नहीं हुआ है। याचिकाकर्ता ने भी इस संबंध में शपथ पत्र दिया और इसमें बताया कि उसके खिलाफ माधव नगर पुलिस थाने में भादवि की धारा 452, 294, 323, 506, 34 के तहत प्रकरण दर्ज हुआ था और इसमें वह बरी हो चुका है। शिकायतकर्ता खुद कोर्ट में अपने बयान से पलट गया था। एडवोकेट चेलावत ने बताया कि याचिकाकर्ता परीक्षा में अर्हताओं को पूरा करते हुए चयनित हो गया। उसे 34वीं बटालियन में के लिए नियुक्ति पत्र भी जारी हो गया। वह नौकरी ज्वाइन करने के लिए वहां पहुंचा तो बताया गया कि नियुक्ति निरस्त कर दी गई है। नियुक्ति निरस्ती के आदेश में कहा था कि चूंकि याचिकाकर्ता प्रकरण में इसलिए बरी हुआ है क्योंकि शिकायतकर्ता बयान से पलट गया था, इसलिए याचिकाकर्ता की दोषमुक्ति को सम्मानजनक नहीं माना जा सकता। ऐसे में उसे शासकीय सेवा में नहीं लिया जा सकता।

हाई कोर्ट का अहम निर्णय।

रवि नरवरिया ने वर्ष 2018 में हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इस आदेश को चुनौती दी। इसमें तर्क रखा कि विचारण न्यायालय के समक्ष शिकायतकर्ता ने खुद स्वीकारा है कि आरोपित ने उसके सामने कोई अपराध नहीं किया था। न्यायालय में गुण-दोष पर विचार करने के बाद ही याचिकाकर्ता को दोषमुक्त घोषित किया था। ऐसी स्थिति में उसे नौकरी के लिए अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता। न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर ने याचिका का निराकरण करते हुए कहा कि दोषमुक्ति सिर्फ दोषमुक्ति होती है। सम्मानजनक और असम्मानजनक जैसा कुछ नहीं होता। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ देने को भी कहा। चेलावत ने बताया कि यह फैसला ला जर्नल्स में भी प्रकाशित होगा।

भगोड़े आरोपित को अग्रिम जमानत देने पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, आइएएनएस: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भगोड़ा घोषित किसी आरोपित की अग्रिम जमानत याचिका पर विचार करने पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। दहेज हत्या के मामले में अग्रिम जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अदालत को मामले की परिस्थितियों, अपराध और उस पृष्ठभूमि पर विचार करना होगा, जिसके आधार पर आरोपित को भगोड़ा घोषित किया गया है।

जस्टिस एमएम. सुंदरेश और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 82 के तहत भगोड़ा घोषित किए जाने के सभी मामलों में अग्रिम जमानत देने के आवेदन पर विचार करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील पर गौर किया कि अपीलकर्ता (सास) बहू के साथ नहीं रह रही थी ऐसे में उसकी हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

****

5.55 करोड़ रुपये जब्त किए हैं चुनाव आयोग की टीम ने शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक वाहन से। आयकर विभाग के अधिकारियों ने इसे जब्त कर लिया। पैसे के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण दैनिक जागरण सोमवार 18 नवंबर, 2024

महाराष्ट्र में तीन सेनाओं की लड़ाई में किसका होगा 'पानीपत,' कौन होगा किंग

इस विधानसभा चुनाव में भी मुंबई की 36 सीटों पर तीन सेनाएं आमने–सामने

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

मुंबई : पानीपत के ऐतिहासिक तीसरे युद्ध में अहमदशाह अब्दाली से मराठों के बुरी तरह पराजित होने के बाद महाराष्ट्र में 'पानीपत झाला' (पानीपत हो गया) एक मुहावरा बन गया। किसी की बुरी हार होने पर इस मुहावरे का उपयोग आज भी होता है। इस विधानसभा चुनाव में भी मुंबई की 36 सीटों पर तीन सेनाएं आमने–सामने हैं। देखना है कि इनमें से किसका 'पानीपत' होता है और कौन 'मुंबई का किंग' बनकर उभरता है।

शिवसेना की स्थापना के बाद से ही इसके संस्थापक बालासाहेब ठाकरे को मुंबई का बेताज बादशाह कहा जाता था। सरकार किसी की भी हो, लेकिन ठाकरे की मर्जी के विरुद्ध मुंबई में पत्ता भी नहीं हिलता था। ठीक 12 वर्ष पहले 17 नवंबर, 2012 को बालासाहेब के निधन के बाद परिस्थितियां धीरे–धीरे बदलती गईं। 2014 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा के साथ शिवसेना का गठबंधन पहली बार टूटा और चुनाव परिणाम आने पर मुंबई में ही शिवसेना को भाजपा से पिछड़ना पड़ा। तब भाजपा को मुंबई में 15 और शिवसेना को 14 सीटें ही मिल सकीं। सिर्फ एक सीट की यही कमी शिवसेना को पूरे पांच वर्ष कचोटती रही और 2019 में भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने के बावजूद चुनाव परिणाम आते ही उद्धव ठाकरे अपनी 56 सीटों के साथ कांग्रेस–राकांपा से मिलकर मुख्यमंत्री बन गए। इससे उनका मुख्यमंत्री बनने का सपना तो पूरा हो गया, लेकिन ढाई साल बाद ही बालासाहेब की बनाई शिवसेना ही उनके हाथ से निकल गई। न उनके हाथ में पार्टी का नाम रहा, न चुनाव निशान।

▸ उद्धव की शिवसेना का मुकाबला एकनाथ शिंदे को दी गई शिवसेना से

▸ राज ठाकरे की मनसे ने भी इन्हीं सीटों पर खड़े किए हैं अपने उम्मीदवार

एकनाथ शिंदे। फाइल

उद्धव ठाकरे। फाइल

राज ठाकरे। फाइल

अब 2024 के विधानसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) का मुकाबला चुनाव आयोग द्वारा एकनाथ शिंदे को दी गई शिवसेना से हो रहा है। मुंबई की 11 विधानसभा सीटों पर इस बार इन दोनों शिव सेनाओं के उम्मीदवार तो आमने–सामने हैं ही, उद्धव ठाकरे के चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने भी इन्हीं सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए हैं। शुरुआत में माना जा रहा था कि राज ठाकरे का भाजपा–शिवसेना से छुपा गठबंधन हो सकता है। वह वोट कटवा की भूमिका निभाकर उद्धव ठाकरे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेकिन, अब ऐसा नहीं लग रहा है। उन्होंने मुंबई की ज्यादातर सीटों पर न सिर्फ मजबूत उम्मीदवार खड़े किए हैं, बल्कि उनके प्रचार में पूरा दमखम भी दिखा रहे हैं।

दरअसल, मुंबई में शिंदे और राज ठाकरे के बीच बात बिगड़ने का मुख्य कारण बनी माहिम सीट। यहां से इस बार राज ठाकरे के पुत्र अमित ठाकरे चुनाव लड़ रहे हैं। राज ठाकरे चाहते थे कि इस सीट पर शिवसेना और भाजपा दोनों उन्हें समर्थन दें। भाजपा ने तो अपना समर्थन घोषित भी कर दिया। लेकिन, इस सीट पर एकनाथ शिंदे अपने तीन बार के विधायक सदा सरवणकर का टिकट पहले ही घोषित कर चुके थे। अमित का टिकट घोषित होने के बाद शिंदे बहुत प्रयास कर भी सदा सरवणकर की नाम वापसी नहीं करा सके। इससे नाराज राज ठाकरे ने सदा सरवणकर से मिलने से भी इन्कार कर दिया था। यही कारण है कि मुंबई की 11 सीटों पर शिवसेना (यूबीटी), शिवसेना (शिंदे) एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना में त्रिकोणीय लड़ाई दिखाई दे रही है।

'स्वीप' प्रयोग से मुंबई के दो निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान बढ़ाने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

डा. हीरालाल। फाइल

SWEEP

▸ इस बार जनरल आब्जर्वर बनकर काम कर रहे उप्र के प्रशासनिक अधिकारी डा. हीरालाल इस काम में जुटे

▸ पहले उप्र के बांदा और फिर विगत लोकसभा चुनाव में पंजाब के रोपड़ में उनका प्रयास रहा है सफल

मुंबई महानगर कम मतदान के लिए जाना जाता है। पिछले लोकसभा चुनाव में भी मुंबई से ज्यादा मतदान तो नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली एवं कश्मीर में दर्ज किया जा चुका है। लेकिन, इस बार मुंबई के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचन आयोग के 'स्वीप सिद्धांत' के प्रयोग से मतदान का प्रतिशत बढ़ाने की तैयारी हो रही है।

निर्वाचन आयोग देश में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए तरह–तरह के जतन करता है। इसी में एक है स्वीप, यानी सिस्टेमेटिक वोटर्स एजूकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता)।

स्वीप कार्यक्रम की एक विस्तृत रूपरेखा बना रखी है, जिसे अमल में लाकर स्थानीय प्रशासन अपने–अपने क्षेत्रों में मतदान का प्रतिशत बढ़ा सकता है। लेकिन, चुनाव के दौरान अन्य व्यस्तताओं के कारण व्यवस्था में लगे अधिकारी इस स्वीप के कार्यक्रमों को लागू कराने पर अधिक ध्यान नहीं दे पाते। लेकिन मुंबई के दो निर्वाचन क्षेत्रों अणुशक्ति नगर एवं चेंबूर में इस बार जनरल आब्जर्वर बनकर काम कर रहे उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी डा. हीरालाल स्वीप व्यवस्था को पूरी तरह लागू कराकर इन दोनों क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के साथ ही चुनाव भी पर्यावरण अनुकूल कराने का प्रयास कर रहे हैं।

पहले उत्तर प्रदेश के बांदा और फिर पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान पंजाब के रोपड़ लोकसभा क्षेत्र में अपने इन्हीं प्रयासों से मतदान प्रतिशत बढ़ाने में सफल रहे डा. हीरालाल ने इसी प्रयास के तहत अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र के 262 एवं चेंबूर विधानसभा क्षेत्र के 290 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को इस काम में सक्रिय किया है। इन बीएलओ से 10–10 लोगों से बात कर मतदान में भाग न लेने का कारण जाना गया है। उन कारणों को दूर करने के उपाय भी उन्हीं बीएलओ की मदद से खोजे जा रहे हैं। अलग–अलग हाउसिंग सोसायटियों, पार्कों एवं स्वयंसेवी संगठनों के कार्यालयों में वरिष्ठ लोगों के साथ बीएलओ बैठकों का आयोजन कर रहे हैं। इसमें स्वयं आब्जर्वर भी भाग ले रहे हैं। स्कूल–कालेजों में भी इसी प्रकार की बैठकें कर छात्रों को प्रेरित किया जा रहा है कि वे अपने अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित करें और उसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर डालें।

दैनिक जागरण से बात करते हुए डा. हीरालाल कहते हैं कि इन प्रयासों से ही वह अतीत में बांदा और रोपड़ में करीब 10 प्रतिशत तक मतदान बढ़ाने में सफल रहे हैं। मुंबई में भी इसका सकारात्मक असर अभी से देखने को मिल रहा है।

भाजपा की नीति फूट डालो और राज करो : हेमंत

रविवार को जामताड़ा में मुख्यमंत्री का अभिनंदन करते झामुमो व कांग्रेस के नेता। जागरण

जागरण टीम, रांची

▸ मुख्यमंत्री ने जामताड़ा, गिरिडीह, जमुआ व गांडेय में की जनसभा

▸ सीमए ने कहा– भाजपा को झारखंड से बाहर निकालकर फेंक दें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने पांच वर्ष तक भाजपा को सत्ता से दूर रखा। अब भाजपा वाले सत्ता हथियाने के लिए तरह–तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। उनकी नीति फूट डालो और राज करो की है इसलिए भाजपा को जामताड़ा से ही नहीं, पूरे झारखंड से बाहर खदेड़ना है। इसके लिए हमने पहाड़ जैसा महागठबंधन बनाया। इसे तोड़ना संभव नहीं। मुख्यमंत्री ने रविवार को जामताड़ा के दक्षिण बहाल और गिरिडीह, जमुआ और गांडेय विस क्षेत्र में चुनावी सभाकर समर्थन मांगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लगभग 20 वर्षों तक भाजपा ने शासन किया। उनसे पूछिए कि महिलाओं के सशक्तीकरण को क्या किया। आदिवासियों के अत्याचार को खत्म करने के लिए क्या किया। हमारे कार्यकाल में काम दिखने लगा तो सरकार गिराने की साजिश रची। जेल भेजकर भी सरकार नहीं तोड़ पाई। मणिपुर में आदिवासी महिलाओं से क्या हो रहा, यह किसी से छिपा नहीं है। असम बाढ़ से बर्बाद हो रहा है और वहां के मुख्यमंत्री एक साल से झारखंड में घूम रहे हैं। चुनाव में एक तरफ आइएनडीआइए है तो दूसरी तरफ एनडीए। एक ओर किसान, मजदूर, दलित, आदिवासी हैं तो दूसरी ओर पूंजीपतियों की जमात। असम, गुजरात, मध्य प्रदेश से आकर प्रचार करने वाले दो दिन बाद नहीं मिलेंगे, लेकिन हम लोग आपके साथ हैं।

झारखंड में कई सीटों पर निर्णायक साबित होंगी महिला मतदाता

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव के तहत दूसरे एवं अंतिम चरण में भी कई विधानसभा सीटों पर महिला मतदाता निर्णायक की भूमिका में होंगी। इस चरण की 38 सीटों में से दो–तीन सीटों को छोड़ दें तो अधिसंख्य सीटों पर जमकर वोट पड़ते हैं तथा मतदान करने में महिलाएं आगे रहती हैं। साथ ही वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद इन सभी विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या में अधिक वृद्धि हुई है। पिछले पांच वर्षों में विधानसभा क्षेत्रों में जहां पुरुष मतदाताओं में 10.23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं महिला मतदाताओं की संख्या में 16.90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल 11 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां महिला मतदाताओं की संख्या में 20 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। ऐसा नहीं कि इन 38 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या बढ़ी है। दरअसल, इन विधानसभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं का पंजीकरण पुरुष मतदाताओं से अधिक हुआ है।

'राहुल की दादी ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट क्यों नहीं लागू की'

जागरण टीम, रांची

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संविधान, जातिवार गणना और ओबीसी आरक्षण पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रचार को आड़े हाथों लिया है। कहा कि आजकल राहुल गांधी संविधान की प्रति लेकर ओबीसी की रट लगाए हैं। ओबीसी को आरक्षण देने के लिए जब मंडल कमीशन की रिपोर्ट आई थी, तब उनकी दादी इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं। उन्होंने रिपोर्ट लागू नहीं की। राहुल गांधी बताएं कि उनकी दादी ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट क्यों नहीं लागू की? बोकारो के कसमार में एनडीए समर्थित प्रत्याशी डा. लंबोदर महतो के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने रोजगार और भ्रष्टाचार को लेकर हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान बदलने का प्रयास किया। अब जबकि देश की जनता ने नकार दिया तो संविधान की दुहाई दे रहे हैं। उन्होंने झामुमो, कांग्रेस व राजद पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाया। बोले– झारखंड के मंत्री

▸ नड्डा बोले–झामुमो, कांग्रेस व राजद भ्रष्टाचार में लिप्त

▸ झारखंड में हेमंत पाल रहे घुसपैठिया, बनवा रहे हैं आधार कार्ड

▸ जिन्हें संविधान की जानकारी नहीं, वह इसकी प्रति लेकर चल रहे

झारखंड के गोमिया में रविवार को आयोजित सार्वजनिक सभा के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा। प्रेट्र

आलमगीर आलम भ्रष्टाचार को लेकर जेल में बंद हैं। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज साहू के घर से इतने पैसे मिले कि मशीनें हांफने लगीं। उन्होंने अपील की कि 20 नवंबर को एनडीए के पक्ष वोट डालें और हेमंत सरकार को उखाड़ फेंके।

नड्डा ने कहा कि हेमंत सरकार ने जनता के साथ बहुत बड़ा छल किया। हेमंत सरकार के पांच साल में गरीब और गरीब हो गया। दोनों हाथों से झारखंड को लूटने का काम किया गया और परिवारवाद को बढ़ावा दिया गया। हेमंत 236 करोड़ के जमीन घोटाले के आरोपित हैं। अभी तक उनको जेल से छुट्टी नहीं मिली है, जमानत पर बाहर हैं। हेमंत की छल–कपट वाली सरकार ने सिर्फ भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। उधर, जामताड़ा जिले के नाला विधानसभा क्षेत्र में विजय संकल्प सभा में नड्डा ने कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद तीनों पार्टियां भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। तीनों ने परिवारवाद को बढ़ावा दिया है। इनके राज में देश का भला नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आदिवासियों के उत्थान के लिए उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है। आज झारखंड में तेजी से घुसपैठ बढ़ रही है। घुसपैठी वोटर कार्ड, आधार कार्ड बनाकर स्थानीयता का लाभ ले रहे हैं। सरकार बनने के बाद ऐसा कानून बनाएंगे कि घुसपैठिये आदिवासियों की जमीन कभी हड़प नहीं सकेंगे।

आखिरी चरण में सभी दलों ने झोंकी ताकत, आज समाप्त हो जाएगा प्रचार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची

▸ झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे व आखिरी चरण में 20 को मतदान

झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे तथा अंतिम चरण की 38 सीटों पर सोमवार को चुनावी शोर थम जाएगा। इस चरण में 38 विधानसभा क्षेत्रों में से 31 क्षेत्रों के शत–प्रतिशत मतदान केंद्रों पर 20 नवंबर की सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा।

शेष सात विधानसभा क्षेत्रों के दुर्गम क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों में से 31 केंद्रों पर शाम चार बजे तक ही वोट पड़ेंगे, जबकि इन्हीं विस क्षेत्रों के अन्य केंद्रों पर शाम पांच बजे तक वोटिंग होगी। जिन विधानसभा क्षेत्रों तथा मतदान केंद्रों पर शाम पांच बजे तक मतदान होगा, वहां सोमवार की शाम पांच बजे और जिन मतदान केंद्रों पर शाम चार बजे तक मतदान होना है, उन क्षेत्रों में शाम चार बजे चुनावी शोर थम जाएगा। इसके बाद प्रत्याशी डोर टू डोर ही जनसंपर्क कर सकेंगे।

इससे पहले सोमवार को सभी राजनीतिक दल तथा प्रत्याशी चुनाव प्रचार में अपना पूरा जोर लगाएंगे। चुनावी शोर थम जाने के बाद वैसे सभी राजनेता जो उस विधानसभा क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, वे वहां नहीं रह सकेंगे। इधर, आखिरी चरण में सभी दलों और प्रत्याशियों ने अपनी ताकत झोंक दी है। सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पत्रकार वार्ता कर माहौल बनाने का प्रयास करेंगे।

कांग्रेस का यूपी जैसा ही उभार महाराष्ट्र में होगा : अजय राय

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी का प्रचार करने आए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का दावा है कि महाराष्ट्र में भी इस बार कांग्रेस का वैसा ही उभार देखने को मिलेगा जैसा पिछले लोकसभा चुनाव में यूपी में देखा गया। वह महाराष्ट्र में सहयोगियों के साथ सरकार बनाएगी।

अजय राय। फाइल

शनिवार को महाराष्ट्र कांग्रेस के कार्याध्यक्ष मोहम्मद आरिफ नसीम खान के प्रचार अभियान में शामिल होने पहुंचे राय ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सर्वसमाज के लोगों ने कांग्रेस का समर्थन किया। जिसके कारण सिर्फ 17 सीटों पर चुनाव लड़कर वह छह सीटें जीतने में सफल रही और छह सीटों पर बहुत करीबी मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा। सर्वसमाज का यही भरोसा इस बार महाराष्ट्र में भी दिखाई दे रहा है, जिसका लाभ कांग्रेस सहित उसके सहयोगी दलों राकांपा (शरदचंद्र पवार) एवं शिवसेना (यूबीटी) को भी मिलेगा।

जाति, धर्म को लेकर राजनीति कर रही महायुति : मायावती

पुणे, प्रेट्र : बसपा प्रमुख मायावती ने महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन पर जाति और धर्म को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा उम्मीदवारों के लिए पुणे में प्रचार के दौरान ये बातें कहीं।

मायावती। फाइल

उन्होंने रविवार को यहां एक रैली को संबोधित करते हुए लोगों से चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को खारिज करने का आग्रह किया। कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आने पर हर समुदाय को न्याय देगी। बसपा सुप्रीमो ने सत्तारूढ़ गठबंधन पर राजनीतिक लाभ के लिए जाति और धर्म का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव में उम्मीदवारों को टिकट देते समय जाति को मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए। यह भी दावा किया कि महायुति सरकार अपने फायदे के लिए आरक्षण कार्ड भी खेलेगी।

महाराष्ट्र में नवनीत राणा व समर्थकों पर हमला

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक जनसभा में पहुंचीं भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद नवनीत राणा और उनके समर्थकों पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शनिवार रात खल्लार गांव में हुई इस घटना के संबंध में 45 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

नवनीत राणा। फाइल

अमरावती ग्रामीण पुलिस अधीक्षक विशाल आनंद ने कहा कि राणा अपने समर्थकों के साथ रात करीब 10 बजे एक जनसभा में भाग लेने पहुंची थीं। उसी समय भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग करते अभद्र इशारे किए। इसके बाद उनके समर्थकों की भीड़ में मौजूद आरोपितों के साथ झड़प हुई। भाजपा नेता और उनके साथियों पर कुर्सियां फेंकी गईं। इस घटना के बाद राणा ने पास के थाने में शिकायत दर्ज कराई। आनंद के अनुसार, शिकायत दर्ज कर ली गई है। पांच लोगों को नामजद किया गया है, जबकि 40 अज्ञात हैं। तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अब शरद पवार के बैग की भी हुई जांच

पुणे, प्रेट्र : राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार के सहयोगी के अनुसार, रविवार सुबह महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती हेलीपैड पर चुनाव कर्मियों ने उनके बैग की जांच की। उन्होंने कहा कि पवार सोलापुर में एक चुनावी रैली में भाग लेने जा रहे थे। राज्य में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू है।

20 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए आचार संहिता लागू है

सहयोगी ने कहा कि जब पवार सोलापुर में चुनावी रैली के लिए जा रहे थे तो बारामती हेलीपैड पर उनके बैग की जांच की गई। जांच के बाद वह हेलीकाप्टर पर बैठकर रैली करने के लिए रवाना हो गए। शनिवार को चुनाव अधिकारियों ने महाराष्ट्र के अमरावती जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बैग की जांच की थी। इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने बैग की जांच का वीडियो साझा कर एक साथ कई सवाल उठाए थे। पिछले कुछ दिनों में ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें अमित शाह, सीएम शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार के बैगों की जांच चुनाव अधिकारियों द्वारा की जा चुकी है।

ठाणे में अब तक 27.6 करोड़ रुपये व सामान जब्त

ठाणे, प्रेट्र : महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने के बाद से अधिकारियों ने ठाणे जिले के 18 निर्वाचन क्षेत्रों से 27.68 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, शराब और अन्य प्रतिबंधित सामग्री जब्त की है। जिला प्रशासन के अनुसार 15 अक्टूबर को आचार संहिता लागू होने के बाद से प्राधिकारियों ने 15.59 करोड़ रुपये नकद, 3.01 करोड़ रुपये की शराब, 1.79 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, 23.26 लाख रुपये के आभूषण और कीमती सामान तथा मुफ्त वितरण के लिए रखी गई 7.05 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त की है। स्टैटिक सर्विलांस टीम और उड़न दस्तों ने वाहनों को रोका और संवेदनशील क्षेत्रों में निरीक्षण किया। अधिकारियों ने वित्तीय लेन–देन, मादक पदार्थ संबंधी गतिविधियों और भंडारण सुविधाओं की निगरानी की।

हिमंत बोले

आदिवासी बहू–बेटियों का शोषण घुसपैठिये इनके साथ शादी रचा कर करते हैं, सभी हिंदू एक होकर झामुमो को उखाड़ फेंकें

संताल में बांग्लादेशी घुसपैठ से खतरा, बढ़ रहे मुस्लिम

जागरण संवाददाता, रामगढ़ (दुमका)

असम के मुख्यमंत्री व झारखंड विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठ से आने वाले दिनों में संताल परगना की जनता को खतरा है। आदिवासी बहू–बेटियों का शोषण घुसपैठिये इनके साथ शादी रचा कर करते हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला बोलते हुए कहा कि संताल परगना में आदिवासियों की संख्या घट रही है और यहां पर मुस्लिम आबादी बढ़ती जा रही है, इन सबके लिए हेमंत सरकार जिम्मेवार है। कहा कि रोटी, बेटी और माटी को बचाने के लिए जामा विधानसभा से इस बार भाजपा को जीत दिलाना है। सभी हिंदू एक होकर झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार को उखाड़ फेंकें। यह बातें उन्होंने रविवार को दुमका में जामा विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी सुरेश मुर्मू के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहीं।

रामगढ़ के मयूर नाथ में चुनावी सभा को संबोधित करते हिमंत बिस्वा सरमा। जागरण

हिमंत ने कहा कि झारखंड एवं हिंदुत्व की अस्मिता को बचाने की चुनौती है। यहां की झामुमो सरकार ने मुस्लिम का वोट लेने के लिए उन्हें नमाज पढ़ने के लिए कई जगह पर शुक्रवार को विद्यालय बंद कर दिया। हिंदुओं के लिए भी मंगलवार को बजरंगबली की पूजा करने के लिए विद्यालय बंद करना चाहिए। राज्य की झामुमो सरकार पूरी तरह फेल हो गई है। वह कोई भी परीक्षा सही तरीके से नहीं ले सकती है। यहां पर एक–एक प्रश्नपत्र 30–30 लाख रुपये में बेचे जाते हैं।

हेमंत सरकार बुजुर्गों का पेंशन बंद कर दो माह से मंइयां सम्मान योजना के लाभुकों के खाते में पैसे भेज रही है, जबकि छह माह से बुजुर्ग और विधवा को पेंशन नहीं मिल रहा है।

चुनाव आयोग का भाजपा को वीडियो हटाने का निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र : झारखंड भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) द्वारा इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो के खिलाफ कांग्रेस और झामुमो की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग ने रविवार को राज्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश दिया कि वह भाजपा से यह वीडियो हटाने को कहें। चुनाव आयोग ने वीडियो पोस्ट करके आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन के लिए राज्य भाजपा से स्पष्टीकरण भी मांगा है।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को मामले में तत्काल कार्रवाई करने और आइटी अधिनियम के तहत राज्य में नामित अधिकारी के साथ समन्वय करके इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों से पोस्ट को शीघ्रता से हटाने का निर्देश दिया गया है।

रविवार को चुनाव आयोग को दी गई अपनी शिकायत में झामुमो और कांग्रेस ने झारखंड भाजपा द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो पर आपत्ति जताई।

शिकायत में कहा गया है कि झारखंड भारतीय जनता पार्टी द्वारा जारी वीडियो में झामुमो और उसके नेताओं के खिलाफ नफरत और दुश्मनी की भावना पैदा करके मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करने के लिए निराधार आरोप लगाए गए हैं। चुनाव आयोग में दर्ज एक अन्य शिकायत में कांग्रेस ने कथित तौर पर सांप्रदायिक और विभाजनकारी अभियान जारी रखने के लिए भाजपा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने झारखंड की भारतीय जनता पार्टी पर इंटरनेट मीडिया के जरिये झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप लगाया।

▸ कांग्रेस, झामुमो ने भाजपा के वीडियो को लेकर की थी आयोग से शिकायत

▸ मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करने के लिए निराधार आरोप लगाए गए

झारखंड में भाजपा प्रत्याशी की जान को खतरा, चुनाव आयोग से शिकायत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची : झारखंड में भाजपा ने बरहेट विधानसभा सीट से अपने प्रत्याशी गमालियम हेम्ब्रम की जान पर खतरे की आशंका जताते हुए चुनाव आयोग से सुरक्षा की मांग की है। भाजपा नेता सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि झामुमो के कार्यकर्ता गमालियम हेम्ब्रम एवं उनके परिवार को डरा धमका रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि प्रशासन और झामुमो कार्यकर्ता मिलकर बड़ा षड्यंत्र कर सकते हैं। इसमें गमालियम हेम्ब्रम या उनके स्वजन पर जानलेवा हमला हो सकता है। परंतु, आज तक गमालियम को सुरक्षा प्रदान नहीं की गई। सुरक्षा के नाम पर खानापूर्ति के लिए अन्य प्रत्याशियों की तरह ही दो अंगरक्षक मिले हैं।

****

59 की मौत हुई थी 27 फरवरी, 2002 को हुए गोधरा कांड में। मरने वालों में महिलाएं व बच्चे भी शामिल थे।

सीमित समय तक ही चलता है फेक नैरेटिव, सच हमेशा बाहर आएगा : मोदी

गोधरा कांड पर बनी फिल्म पर एक दर्शक की एक्स पोस्ट पर प्रधानमंत्री ने दी अपनी राय

कहा– सच हमेशा बाहर आएगा, विक्रांत मैसी और एकता कपूर ने जताया आभार

▸ द साबरमती रिपोर्ट हाल ही में रिलीज हुई है, जिस पर देशभर से अलग-अलग ढंग से प्रतिक्रियाएं आ रही

▸ मोदी ने कहा–इतिहास गवाह है कि देश हो या इंसान, गिर के ही संभलता है, झूठ का कितना लंबा दौर हो, उसे सच ही बदलता है

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लंबे समय तक देश की राजनीति को गर्माए रखने वाले 2002 के गोधरा कांड पर बनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' इन दिनों सुर्खियों में है। घटना के बाद दबा दिए गए तथ्यों को उजागर करने के दावे के साथ बनाई गई विक्रांत मैसी अभिनीत इस फिल्म की सराहना अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी की है। फिल्म देखने के बाद एक दर्शक द्वारा एक्स पर की गई पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने कहा कि फेक नैरेटिव सीमित समय तक ही चलता है। आखिरकार सच हमेशा बाहर आएगा।

बालीवुड निर्माता एकता कपूर की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट हाल ही में रिलीज हुई है, जिस पर देशभर से अलग-अलग ढंग से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कोई इसे तथ्य उजागर करने वाली फिल्म बता रहा है तो एक धड़ा इसे राजनीतिक एजेंडे के रूप में भी देख रहा है। गुजरात की बेहद संवेदनशील घटना पर बनी इस फिल्म पर अब मोदी की प्रतिक्रिया बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने एक एक्स यूजर की पोस्ट पर दी गई प्रतिक्रिया में स्पष्ट रूप से फिल्म का समर्थन किया। उन्होंने लिखा– 'खूब कहा है। यह अच्छा है कि यह सच सामने आ रहा है और वह भी इस तरह से कि आम लोग इसे देख सकें। एक फेक नैरेटिव केवल सीमित समय तक ही कायम रह सकता है। आखिरकार, सच हमेशा सामने आएगा।'

प्रधानमंत्री द्वारा की गई सराहना को लेकर अभिनेता विक्रांत मैसी और एकता कपूर ने पीएम का आभार जताया है। इंटरनेट मीडिया पर लिखा– 'प्रधानमंत्री जी, द साबरमती रिपोर्ट पर आपके सकारात्मक शब्दों के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। आपकी सराहना साबित करती है कि हम सही दिशा में हैं। इस प्यार और समर्थन के लिए आभार। इतिहास गवाह है कि देश हो या इंसान, गिर के ही संभलता है। झूठ का कितना भी लंबा दौर हो, उसे सच ही बदलता है।'

मोदी का ध्यान जिस पोस्ट ने खींचा, उन एक्स यूजर आलोक भट्ट ने अपनी पोस्ट में विस्तार से फिल्म पर अपनी राय दी। लिखा- 'यह प्रयास विशेष रूप से सराहनीय है, क्योंकि यह हमारे हालिया इतिहास की सबसे शर्मनाक घटनाओं में से एक का महत्वपूर्ण सच सामने लाता है। फिल्म के निर्माताओं ने इस मुद्दे को बहुत संवेदनशीलता और गरिमा के साथ संभाला। एक बड़े बिंदु पर यह हम सभी के लिए आत्मनिरीक्षण के लायक है कि कैसे साबरमती एक्सप्रेस के यात्रियों को क्रूर तरीके से जलाने की घटना को एक निहित स्वार्थी समूह ने एक राजनीतिक खदान में बदल दिया। उसने इसे छवि धूमिल करने के एक साधन के रूप में देखा। एक नेता, उनके पारिस्थितिकी तंत्र ने केवल अपने स्वयं के क्षुद्र एजेंडे को पूरा करने के लिए एक के बाद एक झूठ फैलाया। आखिरकार 59 निर्दोष पीड़ितों को अपनी बात कहने का मौका मिल गया। हां, जैसा कि कहते हैं, सत्य की ही जीत होती है। यह वास्तव में उन 59 निर्दोष पुरुषों, महिलाओं व बच्चों के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है, जिन्हें हमने 27 फरवरी, 2002 की सुबह खो दिया था।'

आतंकवाद और उन्हें समर्थन देने वाले तंत्र को करें खत्म : उपराज्यपाल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू: जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद और उन्हें समर्थन देने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को पूरी तरह खत्म किया जाए। ताकि वे फिर से आतंक का फन न फैला सकें। हमारा उद्देश्य शांति और विकास के वातावरण को बनाते हुए सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित करना और लोगों में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा भी देना है। रविवार को उपराज्यपाल ने यह निर्देश सुरक्षा और विकासात्मक परिदृश्य की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। उन्होंने विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उपराज्यपाल ने राष्ट्र विरोधी दुष्प्रचार करने वालों, सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को खतरा पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिक तालमेल और सरकारी दृष्टिकोण के साथ हमारा ध्यान आतंक और उन्हें समर्थन देने वाले पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को खत्म करने पर होना चाहिए।

उपराज्यपाल ने अधिकारियों से कहा कि आतंकवाद का सफाया करना न केवल सुरक्षा पहलू और शांति स्थापित करने बल्कि जम्मू-कश्मीर के विकास व उसके उज्ज्वल भविष्य में भी आपका सबसे बड़ा योगदान होगा। नार्को टेरर नेटवर्क को खत्म करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

25 लाख रुपये रिश्वत के आरोप में डीआरएम गिरफ्तार

▸ सीबीआइ ने रिश्वत देने वाले दो आरोपितों को भी किया गिरफ्तार

▸ डीआरएम के आवास सहित 11 स्थानों पर सीबीआइ की तलाशी

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, प्रेट्र: सीबीआइ ने शनिवार को रेलवे के एक डीआरएम को रिश्वत लेने के आरोप गिरफ्तार किया है। डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) सौरभ प्रसाद विशाखापत्तनम के वाल्टेयर डिवीजन में तैनात है। उन पर मुंबई के एक ठेकेदार से 25 लाख रुपए की रिश्वत मांगने और लेने का आरोप है। सीबीआइ ने रिश्वत देने वाले को भी गिरफ्तार किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि डीआरएम ने रिश्वत लेने के लिए वे मुंबई पहुंचे थे, जहां दिल्ली से आए सीबीआइ के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद, सीबीआइ के अधिकारियों ने विशाखापत्तनम में डीआरएम कार्यालय सहित मुंबई, पुणे, वडोदरा, कोलकाता में 11 स्थानों पर तलाशी ली, दस्तावेज जब्त किए गए।

सीबीआइ के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुंबई में सौरभ प्रसाद के आवास पर तलाशी रविवार को भी जारी रही, क्योंकि तीन अलमारियां बंद थीं और चाबियां उपलब्ध नहीं थीं। इस दौरान सीबीआइ ने अब तक 87.6 लाख नकद के साथ-साथ लगभग 72 लाख के आभूषण, संपत्ति के दस्तावेज व लाकर की चाबियां आदि बरामद की हैं। कल्याण में एक फ्लैट के लिए किए गए निवेश, एक लाकर की चाबी और प्रसाद के बैंक बैलेंस सहित कई दस्तावेज भी पाए गए हैं।

विशाखापत्तनम डिवीजन के डीआरएम सौरभ प्रसाद 1991 बैच के मैकेनिकल इंजीनियरिंग रेलवे अधिकारी हैं। वे एक साल पहले विशाखापत्तनम में डीआरएम के रूप में नियुक्त हुए थे। रेलवे के एक ठेके को मुंबई की डीएन मार्केटिंग और पुणे स्थित एचआरके साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पूरा किया गया था। यह कार्य आनंद भगत की देखरेख में हुआ था। ईस्ट कोस्ट रेलवे द्वारा दिए गए ठेकों में गुणवत्तापूर्ण कार्य न होने से दोनों कंपनियों पर जुर्माना लगाया गया है। सौरभ प्रसाद जुर्माना कम करने और 3.17 करोड़ रुपये के बिलों की मंजूरी के बदले में डीएन मार्केटिंग के मालिक सानिल राठौड़ से रिश्वत ले रहे थे।

न्यूज गैलरी

बिहार में भाजपा विधायक को जान से मारने की धमकी

कटोरिया (बांका): बिहार में कटोरिया विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक डा. निक्की हेंब्रम को मोबाइल पर जान से मारने की धमकी दी गई। विधायक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित नगर पंचायत की मुख्य पार्षद सपना शिवानी के पति सौरभ सिंह को गिरफ्तार कर लिया। कटोरिया थानाध्यक्ष अरविंद कुमार राय ने बताया कि पूछताछ के बाद आरोपित सौरभ सिंह को रविवार को जेल भेज दिया गया है। इधर, गिरफ्तार सौरभ सिंह ने विधायक के आरोप को गलत बताया है। कहा कि वह पूरी तरह निर्दोष हैं। (जासं)

जवानों को कुचलने का प्रयास, तीन अफगानी गिरफ्तार

बिलासपुर: छत्तीसगढ़ में पेंड्रा से रतनपुर की ओर जा रहे कार सवार तीन अफगानी नागरिकों ने शनिवार की रात नाकेबंदी तोड़कर पुलिस कर्मियों को कुचलने का प्रयास किया। जवानों ने पीछा कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। उन पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। रतनपुर टीआइ नरेश कुमार चौहान ने बताया कि पुलिस नाकेबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। अफगान नागरिकों की कार के चालक ने नाकेबंदी तोड़ी। ड्यूटी पर तैनात जवान कार की चपेट आने से बाल-बाल बचे। (नईदुनिया प्रतिनिधि)

असम में एएएमएसयू नेता की चाकू मारकर हत्या

रंगिया : असम के कामरूप जिले में मामूली बात को लेकर एक व्यक्ति ने आल असम माइनोरिटी स्टूडेंट्स यूनियन (एएएमएसयू) के एक स्थानीय नेता की चाकू मारकर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात को छायगांव के पास गोरोइमारी में ब्रह्मपुत्र घाटी अकादमी के युवा महोत्सव में हुई। उन्होंने बताया कि जब कार्यक्रम चल रहा था तो दो लोगों में किसी मुद्दे पर बहस शुरू हो गई। फिर यह बढ़ते हुए एक बड़े झगड़े में बदल गयी। (प्रेट्र)

एनपीपी ने मणिपुर सरकार से समर्थन वापस लिया

शिलांग: मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने रविवार को समर्थन वापस ले लिया। एनपीपी ने दावा किया कि राज्य में बीरेन सिंह सरकार संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में पूरी तरह विफल रही है। 60 सदस्यीय मणिपुर विधानसभा में एनपीपी के सात विधायक हैं। समर्थन वापस लेने से सरकार की स्थिरता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। (प्रेट्र)

महाराष्ट्र में नौ कश्मीरी गिरफ्तार, नौ राइफल व 58 कारतूस बरामद

▸ आरोपित फर्जी लाइसेंस के आधार पर करते थे सुरक्षा गार्ड की नौकरी

▸ शेर अहमद गुलाम हुसैन इस गिरोह का सरगना, मामले की जांच जारी

प्रतीकात्मक

मुंबई. प्रेट्र: महाराष्ट्र के अहिल्यानगर पुलिस और सैन्य खुफिया एजेंसी तथा सेना की दक्षिणी कमान के संयुक्त अभियान में नौ कश्मीरी लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से नौ राइफल तथा 58 कारतूस बरामद किए गए है। इस संबंध में एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि जम्मू कश्मीर के कुछ लोगों के महाराष्ट्र में सुरक्षा गार्ड के तौर पर नौकरी करने और फर्जी लाइसेंस के साथ हथियार रखने की सूचना मिलने के बाद जांच शुरू की गई।

जांच के तौर पर इन हथियारों के लाइसेंस का सत्यापन करने के लिए जम्मू कश्मीर में प्राधिकारियों को पत्र भेजे गए और लाइसेंस नकली होने की पुष्टि होने के बाद छापे मारे गए। गिरफ्तार किए गए लोग जम्मू कश्मीर के राजौरी के रहने वाले हैं, जिनकी पहचान शब्बीर मोहम्मद इकबाल हुसैन गुज्जर, मोहम्मद सलीम उर्फ सलीम गुल मोहम्मद, मोहम्मद सरफराज नजीर हुसैन, जहांगीर जाकिर हुसैन, शहबाज अहमद नजीर हुसैन, सुरजीत रमेशचंद्र सिंह, अब्दुल रशीद चिड़िया, तुफेल अहमद मोहम्मद गाजिया और शेर अहमद गुलाम हुसैन के रूप में हुई है। शेर अहमद गुलाम हुसैन इस गिरोह का सरगना है और उसने 12 बोर की राइफल तथा उनके फर्जी लाइसेंस उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक आरोपित से 50 हजार रुपये लिए ताकि आरोपितों को सुरक्षा गार्ड के तौर पर नौकरी मिल सके। ये लोग अहिल्यानगर में श्रीगोंडा, छत्रपति संभाजीनगर, पुणे आदि में सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में शस्त्र अधिनियम के तहत तोफखाना थाने में मामला दर्ज किया गया है।

गुटखे के पैकेट फेंकने का विरोध किया, पिटाई से कानों के पर्दे फटे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक महिला को पड़ोसी युवक द्वारा गुटखा खाकर खाली पैकेट व पीक उसके घर में फेंकने का विरोध करना भारी पड़ गया। घर में तूने गुटखा क्यों फेंका? यह पूछे जाने से गुस्साए युवक ने महिला की बेरहमी से पिटाई कर दी। इतना मारा कि महिला के दोनों कान के पर्दे फट गए। घटना मुर्शिदाबाद के फरक्का ब्लाक के बहादुरपुर पंचायत के सुदना गांव की है। महिला की चीख सुनकर पहुंचे पड़ोसी आरोपित से बचाकर उसे बेनियाग्राम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। परिवार वालों ने फरक्का थाने में युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस घटना की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना बुधवार की है। पीड़ित महिला के अनुसार, वह अपने घर पर सुबह के समय बीड़ी बांध रही थी, तभी पड़ोसी युवक ने खिड़की से उस पर गुटखा का पैकेट और पीक फेंक दी। विरोध करने पर पीड़िता को अपने घर ले गया और जमकर पिटाई की।

मध्य प्रदेश में अब सरकारी योजनाओं के नाम जैसी एपीके फाइल से ठगी

नईदुनिया प्रतिनिधि, ग्वालियर

▸ ग्वालियर में तहसीलदार से लेकर राजस्व निरीक्षकों के मोबाइल फोन हुए हैक

मध्य प्रदेश में अब सरकारी योजनाओं के नाम जैसी एंड्रायड एप्लीकेशन पैकेज (एपीके) फाइलों के माध्यम से साइबर ठगी के मामले सामने आए हैं। हैकर्स आइएएस व राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की उपस्थिति वाले वाट्सएप ग्रुपों में इन फाइलों को पोस्ट कर रहे हैं।

एंड्रायड एप्लीकेशन पैकेज (एपीके) फाइल सरकारी योजनाओं के नाम पर होती हैं, इस कारण अधिकारी बिना ज्यादा विचार किए उसे मोबाइल फोन में डाउनलोड-इंस्टाल कर ले रहे हैं। ग्वालियर में पांच अधिकारियों को पीएम विकास योजना की एपीके फाइलों के माध्यम से फंसाया गया।

एक तहसीलदार के खाते से 65 हजार रुपये निकाल लिए गए तो चार अधिकारियों के मोबाइल हैक हो गए। अब उनके फोन से हैकर आधिकारिक वाट्सएप ग्रुप में एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए पोस्ट कर रहे हैं। दरअसल, एपीके फाइल एंड्रायड फोन में इंस्टाल होकर सिस्टम का हिस्सा बन जाती है। इनके माध्यम से फोन हैक करना आसान हो जाता है।

साइबर सेल तक पहुंची शिकायतों के अनुसार भितरवार के तहसीलदार शत्रुघ्न सिंह चौहान का मोबाइल हैक कर उनके खाते से 65 हजार रुपये निकाल लिए गए। उनके ही फोन से फाइलें दूसरे ग्रुपों में पोस्ट हुईं तो उसे भी कई लोगों ने डाउनलोड कर लिया। घाटीगांव तहसीलदार दिनेश चौरसिया का मोबाइल रविवार को हैक हुआ। अब उनके हैक हुए मोबाइल से एपीके फाइल भेजी जा रही है। इसके पहले बहोड़ापुर तहसीलदार सतेंद्र तोमर का मोबाइल हैक हुआ था। भितरवार के नायब तहसीलदार धीरज परिहार, राजस्व निरीक्षक मुरार हरनाम सिंह सहित अन्य अधिकारियों के मोबाइल हैक होने की भी सूचना है।

स्टेट साइबर सेल, ग्वालियर के डीएसपी संजीव नयन शर्मा ने बताया कि फर्जी एपीके फाइल का कोई आइकन नहीं होता, अलग पहचान नहीं होती। उन्हें ढूंढकर अन-इंस्टाल करना मुश्किल हो जाता है। हैकर्स इन्हें अलग-अलग योजना, बैंक और आधार अपडेट के बहाने भेजते हैं। एक बार लिंक पर क्लिक करने के बाद फोन में फाइल डाउनलोड होनी शुरू हो जाती है। इससे फोन हैक हो जाता है। अनजान लोगों, स्रोतों से मिली लिंक से बचें। वाट्सएप में सेटिंग को आटो डाउनलोड पर न रखें। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी अनजान नंबर से आए किसी भी लिंक, फाइल या पीडएफ फाइल को न खोलें। इसमें वायरस भी हो सकता है, साथ ही फोन हैक भी किया जा सकता है।

40 लोगों के बैंक खातों को किराए पर लेने वाले की तलाश में पुलिस

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : बंगाल में टैब के फंड में गड़बड़ी के मामले में पुलिस मुख्यालय के एक जांच अधिकारी ने बताया कि उत्तर दिनाजपुर के चोपड़ा गांव में एक आरोपित ने 40 लोगों के बैंक खातों को किराए पर लिया था। आरोप है कि उसने कमीशन का पैसा छोड़कर बाकी हड़प लिया। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं। मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें मालदा के वैष्णवनगर और कूचबिहार के दिनहाटा से एक-एक युवक शामिल है। इस प्रकार गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। बंगाल में सरकारी स्कूलों के 16 लाख छात्रों में से 1,911 छात्र राज्य सरकार की 'तरुणेर स्वप्नो' योजना से जुड़े साइबर धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। योजना के तहत कक्षा 10 और 12 के छात्रों को टैबलेट खरीदने के लिए 10,000 रुपये दिए जाते हैं। बंगाल सरकार की योजना के अंतर्गत जिन छात्र-छात्राओं के टैब के रुपये दूसरों के बैंक खातों में जमा पड़े हैं, उनमें से कई खातों को कमीशन पर किराए पर लिया गया था।

चार महीने पहले ही तैयार हुआ था तृणमूल पार्षद की हत्या का ब्लूप्रिंट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

▸ हमलावरों ने पहले भी दो बार की थी हत्या की कोशिश

▸ बिहार के इमरान को 10 लाख रुपये में दी गई थी हत्या की सुपारी

कोलकाता नगर निगम में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के पार्षद सुशांत घोष की हत्या की कोशिश मामले की जांच में लगातार नए राजफाश हो रहे हैं। मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपित (मास्टरमाइंड) मोहम्मद इकबाल उर्फ गुलजार से पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि चार महीने पहले ही तृणमूल पार्षद की हत्या का ब्लूप्रिंट तैयार हुआ था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इकबाल ने बिहार के रहने वाले इमरान को 10 लाख रुपये में हत्या की सुपारी दी थी। इसके बाद बिहार के मुंगेर से शूटरों को बुलाकर पहले भी दो बार पार्षद की हत्या की कोशिश हुई थी। इकबाल ने राजफाश किया कि सुशांत घोष हमेशा भीड़ में रहता था, इसलिए पहले दो बार कोशिशें नाकाम हो गई थी। इसके बाद शुक्रवार शाम तीसरी बार पार्षद पर हमले की कोशिश हुई थी।

इकबाल ने पूछताछ में दावा किया है कि उसी वार्ड अंतर्गत गुलशन कालोनी में 2012 में उसने 2,000 स्क्वायर फीट का एक गोदाम सह दुकान खरीदी थी, जिसपर पार्षद के करीबी ने जबरन कब्जा कर लिया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इसी का बदला लेने के लिए उसने पार्षद की हत्या की साजिश रची थी। मालूम हो कि पार्षद सुशांत घोष शुक्रवार को उस वक्त बाल-बाल बच गए थे, जब स्कूटी पर आए दो हमलावरों में से एक ने उन पर नजदीक से गोली चलाने की कोशिश की, दो बार तमंचे का ट्रिगर दबाया हालांकि गोली नहीं चली। इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ था। यह घटना कसबा इलाके में उस वक्त घटी जब पार्षद अपने आवास के बाहर बैठे थे। गोली चलाने वाले हमलावर युवराज सिंह को तमंचे के साथ पार्षद के लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था, जबकि उसके साथ आया इकबाल स्कूटी से भाग निकला था। बिहारी के वैशाली निवासी युवराज से ही पूछताछ में मुख्य साजिशकर्ता इकबाल का पता चला।

बंगाल में कार्तिक पूजा कर रहे हिंदू समुदाय के लोगों पर हमला

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में शनिवार को कट्टरपंथी संगठन से जुड़े मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कार्तिक पूजा का उत्सव मना रहे हिंदू समुदाय के लोगों पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया। उग्र भीड़ ने हिंदुओं पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर पत्थरबाजी और आगजनी की घटना को अंजाम दिया। भाजपा नेता व बंगाल के सह प्रभारी अमित मालवीय ने घटना के संबंध में इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है।

मालवीय ने कहा कि मुसलमानों ने हिंदुओं के घरों पर हमला किया। बंगाल हिंदुओं के लिए कब्रगाह बन गया है। उनके हर त्योहार और पूजा पर हमला किया जाता है। वहीं ममता बनर्जी केवल मूकदर्शक बनी हुई हैं। भाजपा नेत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि बंगाल में आज की तारीख में हिंदुओं का जीना इस कदर दूभर हो चुका है कि वो अपनी किसी भी धार्मिक परंपरा का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं। तुष्टीकरण की राजनीति के तहत हिंदुओं पर हमले किए जा रहे हैं।

बादल परिवार के बिना नए शिअद प्रधान के लिए राह आसान नहीं

कैलाश नाथ ● जागरण

▸ सुखबीर के इस्तीफे पर वर्किंग कमेटी आज करेगी निर्णय, नए प्रधान की तलाश होगी शुरू

सुखबीर सिंह बादल।

बागी धड़े को वापस लाना, नगर निगमों व कौंसिलों के चुनाव नए प्रधान के लिए चुनौतियां

चंडीगढ़ : शिरोमणि अकाली दल के प्रधान पद से सुखबीर बादल के इस्तीफे के बाद 'अब आगे क्या' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पार्टी के कार्यकारी प्रधान बलविंदर सिंह भूंदड़ की अगुआई में सोमवार को होने वाली वर्किंग कमेटी की बैठक में सुखबीर के इस्तीफे पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि सुखबीर बादल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा क्योंकि यदि वर्किंग कमेटी इस्तीफा अस्वीकार करती है तो शिअद के साथ-साथ सुखबीर बादल की परेशानी और बढ़ सकती है क्योंकि श्री अकाल तख्त ने सुखबीर को तनखाइया घोषित किया हुआ है। दो माह से अधिक समय बीतने के बावजूद सुखबीर को अभी तक सजा नहीं सुनाई गई है। माना जा रहा है कि इस संकट से निकलने के लिए वर्किंग कमेटी सुखबीर के इस्तीफे पर मुहर लगा सकती है। वर्किंग कमेटी की बैठक में सुखबीर का इस्तीफा स्वीकार किया जाता है तो पार्टी को नया प्रधान बनाने की प्रक्रिया 14 दिसंबर तक पूरी करनी होगी।

शिरोमणि अकाली दल पर 28 वर्षों तक बादल परिवार का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बादल परिवार के बिना नए प्रधान के लिए राह आसान नहीं होने वाली है। नए शिअद प्रधान के लिए पार्टी का खिसका वोट बैंक संभालना होगा और नाराज धड़ों को वापस एक मंच पर लाना होगा। नए प्रधान के सामने सबसे पहली अग्नि परीक्षा पांच नगर निगमों व 43 नगर कौंसिलों के चुनाव होंगे जो दिसंबर के मध्य तक हो सकते हैं। ये चुनाव शहरी क्षेत्र में होने वाले हैं जहां शिरोमणि अकाली दल कमजोर रहा है। 2022 से लेकर अब तक लगातार आपसी खींचतान के कारण पार्टी का वोट बैंक खिसकता रहा है।

भारतीय रेलवे

रेलवे की तत्परता से गुवाहाटी जाने वाली ट्रेन पकड़ सके मुंबई से हावड़ा पहुंचे बाराती, बारातियों के लिए कनेक्टिंग ट्रेन को हावड़ा में कुछ मिनट रोके रखा, व्हीलचेयर की भी व्यवस्था कराई

सेफ जोन बनाकर दूल्हे व बारातियों को पकड़ाई ट्रेन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

पूर्व रेलवे ने एक उल्लेखनीय कदम उठाते हुए मुंबई से गुवाहाटी जाने के लिए गीतांजलि एक्सप्रेस से आ रहे दूल्हे व बारातियों के लिए हावड़ा स्टेशन पर कनेक्टिंग ट्रेन को कुछ मिनट रोके रखा ताकि वह समय पर गुवाहाटी में शादी स्थल पर पहुंच सकें।

गीतांजलि एक्सप्रेस के देरी से पहुंचने के कारण यह पहल की गई। हावड़ा स्टेशन पर एक सेफ जोन बनाकर दूल्हे व बारातियों को गुवाहाटी जाने वाली सराईघाट एक्सप्रेस पकड़ाई गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार की है।

बताया गया कि दूल्हे सहित 34 बारातियों का दल गुरुवार को मुंबई से गीतांजलि एक्सप्रेस में सवार हुआ था। उन्हें हावड़ा से ट्रेन बदलकर गुवाहाटी जाने के लिए शुक्रवार शाम सराईघाट एक्सप्रेस में सवार होना था। लेकिन गीतांजलि एक्सप्रेस समय से तीन घंटे देरी से शाम 3.55 बजे हावड़ा पहुंची जबकि सराईघाट एक्सप्रेस के रवाना होने का समय 4.05 बजे ही था।

दोनों के समय में मामूली अंतर होने के कारण गीतांजलि में सवार बाराती व दूल्हे परेशान हो गए। ट्रेन छूट जाने का एहसास होते ही दूल्हे चंद्रशेखर ने एक्स पर पोस्ट के माध्यम से रेलवे अधिकारियों से सहायता मांगी। इसके बाद हावड़ा के डीआरएम संजीव कुमार ने तुरंत अधिकारियों को हावड़ा स्टेशन के न्यू और ओल्ड काम्प्लेक्स के मध्य सेफ कारिडोर बनाकर दूल्हे और बारातियों को ट्रेन तक पहुंचाने का निर्देश दिया।

डीआरएम के निर्देश पर हावड़ा स्टेशन के न्यू काम्प्लेक्स के प्लेटफार्म संख्या 21 पर गीतांजलि आने वाली थी और ओल्ड काम्प्लेक्स के प्लेटफार्म संख्या नौ से सराईघाट एक्सप्रेस चलने वाली थी, के मध्य एक सेफ कारिडोर बनाया गया।

बुजुर्ग बारातियों के लिए चार बैटरी चालित कार और व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई। गीतांजलि एक्सप्रेस ट्रेन के पहुंचते ही रेलवे कर्मचारी सभी बारातियों को सेफ कारिडोर से सराईघाट एक्सप्रेस तक ले गए।

रेलवे की विशेष व्यवस्था व तत्परता के चलते दुल्हा और बाराती पांच मिनट के अंदर अपनी ट्रेन तक पहुंच गए और फिर ट्रेन रवाना हुई। सभी बरातियों और वधू पक्ष ने भारतीय रेलवे की तत्परता के लिए धन्यवाद दिया।

देहरादून के निजी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली विदेशी छात्रा से दुष्कर्म

▸ बाहर छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही है दक्षिण अफ्रीकी मूल की छात्रा, आरोपित दक्षिण सूडान का रहने वाला

जागरण संवाददाता, देहरादून : दून के एक निजी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली विदेशी छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना की शाम पीड़िता विश्वविद्यालय मे हुई एक पार्टी से लौटकर विवि परिसर के बाहर एक निजी छात्रावास के अपने कमरे में सो रही थी। रात को आरोपित छात्रावास में घुसा और छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। इस घटना से सहमी पीड़िता ने दिल्ली आई और कश्मीरी गेट थाने में एफआईआर दर्ज कराई। दिल्ली पुलिस ने जीरो एफआइआर दर्ज कर मामला देहरादून पुलिस को भेज दिया।

क्लेमेनटाउन थानाध्यक्ष दीपक धारीवाल ने बताया कि घटना 29 अक्टूबर की है। एक निजी विश्वविद्यालय में बीकाम द्वितीय वर्ष में पढ़ाई कर रही दक्षिण अफ्रीका की 21 वर्षीय छात्रा का कहना है कि यह घटना विवि के बाहर एक निजी छात्रावास में हुई। आरोप है कि 29 अक्टूबर की रात को इसी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाला बीबीए का छात्र मूसा निवासी दक्षिण सूडान, हास्टल में घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता दिल्ली आ गई और अगले दिन 30 अक्टूबर को कश्मीरी गेट पुलिस स्टेशन पहुंच कर तहरीर दी। पीड़िता की मेडिकल जांच अरुणा आसफ अली अस्पताल, दिल्ली में की गई। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दिल्ली पुलिस ने जीरो एफआइआर दर्ज कर इसे देहरादून स्थानांतरित किया। यहां घटनास्थल क्लेमेनटाउन थाना क्षेत्र का पाया गया। इसलिए क्लेमेनटाउन थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

45 मिनट चक्कर काटने के बाद मुंबई से आई फ्लाइट वाराणसी डायवर्ट

जासं, दरभंगा : बिहार के दरभंगा एयरपोर्ट पर घने कोहरे के कारण रविवार को मुंबई से आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-950 दरभंगा पहुंचने पर आसमान में करीब 45 मिनट तक चक्कर काटने के बाद डायवर्ट होकर वाराणसी में लैंड की। एयरपोर्ट पर इतंजार में बैठे यात्रियों को अचानक मुंबई की फ्लाइट रद होने की सूचना मिली। इसके करीब एक घंटे बाद यात्रियों को सूचना दी गई कि फ्लाइट वाराणसी से दरभंगा के लिए उड़ान भर रही है। वहीं हैदराबाद से दरभंगा आने वाली इंडिगो की फ्लाइट आसमान में करीब एक घंटे तक चक्कर लगाती रही। हालांकि 3:21 में यह फ्लाइट एयरपोर्ट पर लैंड की। स्पाइसजेट के पदाधिकारी आनंद कुमार देउरा ने बताया कि दरभंगा में मौसम अधिक खराब था। इससे फ्लाइट को दरभंगा से वाराणसी में लैंड कराया गया।

****

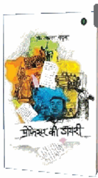

1 प्रोफेसर की डायरी

लेखक: लक्ष्मण यादव

प्रकाशक: अनबाउंड स्क्रिप्ट

यह पुस्तक डायरी, टिप्पणियों की शैली में अपने समय की तफ्तीश करती है। इसमें समाज और राजनीति की बड़ी परिघटनाएं हैं तो उनके बीच आकार लेते एक प्रबुद्ध युवक की कहानी भी है।

2 महाराणा: सहस्र वर्षों का धर्मयुद्ध

लेखक: ओमेन्द्र रत्नू

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

एक सहस्र वर्ष तक अरावली की पहाड़ियों में यायावरों सा जीवन जीने वाले मेवाड़ के वीर योद्धाओं के कारण ही भारत में आज केसरिया लहराता है। यह पुस्तक भ्रांतियों को दूर करने के साथ नई मान्यताओं को भी स्थापित करती है।

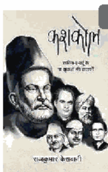

3 कशकोल

लेखक: राजकुमार केसरवानी

प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस

मिर्जा गालिब जैसे उर्दू के कुछ बेहतरीन लेखकों व शायरों के जीवन की झांकी के साथ ही उनसे जुड़े किस्सों को राजकुमार केसरवानी ने यहां प्रस्तुत किया है। इस पुस्तक में मशहूर शायरों की रचनाओं के अंश भी मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

4 कतरनें

लेखक: मानव कौल

प्रकाशक: हिंद युग्म

मानव कहते हैं कि किताबें भी बातें करती हैं। कहानी के एक सिरे पर पाठक तो दूसरे पर किताब होती है। उनके बीच में कहीं कहानी घट रही होती है। इस पुस्तक में मानव वार्तालाप की यही शैली दर्शाते हैं।

5 सुपरकाप अजीत डोभाल

लेखक: महेश दत्त शर्मा

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अनेक कठिन आपरेशन का सफल संचालन किया है। राष्ट्र के सम्मान को सर्वोपरि मानने वाले डोभाल की यह प्रेरक जीवनी उनके राष्ट्र-जीवन की झलक है।

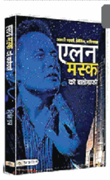

6 एलन मस्क की बायोग्राफी

लेखक: दिगंत राय

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

दक्षिण अफ्रीका में एलन मस्क के शुरुआती दिनों से लेकर पहले कारोबारी और फिर अरबपति बनने की कहानी इस पुस्तक में प्रस्तुत की गई है।

7 यार बटोही

लेखक: विभिन्न लेखक

प्रकाशक: हिंद युग्म

इस पुस्तक के 14 लेखक अपनी कहानियों में पात्र भी हैं। एक-दूसरे से अनजान ये लोग दिव्य प्रकाश दुबे की एक लेखन कार्यशाला मिले। वहीं से उन्हें साथ मिलकर यह पुस्तक लिखने की प्रेरणा मिली।

8 जितनी मिट्टी उतना सोना

लेखक: अशोक पाण्डे

प्रकाशक: हिंद युग्म

उत्तराखंड के सुदूर हिमालयी इलाकों में भ्रमण के दौरान वहां के स्थानीय लोगों से जुड़े जो अनुभव मिले, उन्हें लेखक ने इस पुस्तक में प्रस्तुत किया है। इसमें वहां के लोगों की अनूठी सांस्कृतिक परंपराओं की झलक है।

9 डायनेमिक डी.एम.

लेखक: डा. हीरालाल, कुमुद वर्मा

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

समाज को बदलने के छोटे-छोटे प्रयास बड़े बन जाते हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा से जुड़कर किस प्रकार सामाजिक समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है, इसकी प्रेरक कथा है यह पुस्तक।

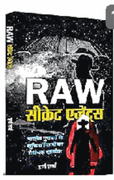

10 रा सीक्रेट एजेंट्स

लेखक: हर्षा शर्मा

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

भारतीय गुप्तचरों के खुफिया मिशन का रोमांचक दस्तावेज है यह पुस्तक। इन एजेंट्स को अनगिनत खतरों से जूझना पड़ता है। विडंबना यह है कि यदि पकड़े गए तो उनकी पहचान को भी स्वीकार नहीं किया जाता।

विस्तारित सूची

कल पढ़िए अनुवाद श्रेणी की सूची

11 भारतवर्ष के आक्रांताओं की कलंक कथाएं
लेखक: परशुराम गुप्त
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

12 जिंदगी जीरो माइल
लेखक: संजय शेफर्ड
प्रकाशक: हिंद युग्म

13 विभाजन की विभीषिका
लेखक: श्री मनोहर पुरी
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

14 उसने गांधी को क्यों मारा
लेखक: अशोक कुमार पांडेय
प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन

15 जादूनामा: जावेद अख्तर
लेखक: अरविंद मंडलोई
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस

16 मीडिया का लोकतंत्र
लेखक: विनीत कुमार
प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन

17 भारत के वारन बफे राकेश झुनझुनवाला
लेखक: महेश दत्त शर्मा
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

18 मार्क्सवाद के मूलभूत सिद्धांत
लेखक: अशोक कुमार पांडेय
प्रकाशक: राजपाल एंड संस

19 रूह
लेखक: मानव कौल
प्रकाशक: हिंद युग्म

20 महापराक्रमी महाराणा प्रताप
लेखक: आचार्य मायाराम पतंग
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

राजनीति, रजतपट, रचनाओं का अनूठा बतरस

'एक रहेंगे, नेक रहेंगे' से लेकर साहित्य के बंटवारे पर चर्चा संग संवादी ने लिया विराम, 30 से अधिक वक्ताओं ने किया विमर्श

दैनिक जागरण संवादी उत्सव अभिव्यक्ति का...

अम्बिका वाजपेयी ● जागरण

लखनऊ : 'एक रहेंगे, नेक रहेंगे' से लेकर साहित्य में बंटवारा क्यों- जैसे सत्रों में आज के ज्वलंत विषयों पर सीधे संवाद कर सार सूंघने की लालसा के साथ चर्चा शुरू हुई, लेकिन किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंची। फिर भी यह संदेश दे गई कि यह चर्चा सिर्फ राजनीति और आज के साहित्य तक सीमित नहीं, बल्कि आम आदमी के चिंतन व उद्वेलन का विषय बन चुकी है। शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में प्रारंभ हुई दो दिन, दस सत्र, और 30 से अधिक वक्ताओं की चर्चा को समेटती दैनिक जागरण संवादी ने रविवार को रूपाली चंद्रा की एकल प्रस्तुति के साथ वार्षिक विराम लिया। हर विषय के संवाद का बतरस देकर संवादी ने आपसे विदा ली...मिलते हैं अगले बरस।

लखनऊ : दैनिक जागरण संवादी के सत्र संविधान और आरक्षण में बोलते शिक्षक धीरेन्द्र दोहरे साथ में संविधान विशेषज्ञ अश्विनी उपाध्याय, दलित चिंतक प्रो. विवेक कुमार व दैनिक जागरण मेरठ के समाचार संपादक रवि त्रिपाठी। जागरण

बंटकर भी एक हूं और एक होकर भी बंटा हुआ हूं ... : रविवार को मंच सजते ही नवीन चौधरी की पुस्तक 'खुद से बेहतर' का विमोचन होने के बाद अमी गणात्रा, अरुण आनंद और हर्षवर्धन त्रिपाठी भारत की बात करने बैठे। हर्ष वर्धन त्रिपाठी ने कहा कि जो भारत के विश्वगुरु बनने की बात का उपहास उड़ाते थे, आज वही लोग वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ी प्रतिष्ठा को स्वीकार करते हैं। अरुण आनंद ने कहा कि समाज में परिवर्तन आता है तो सरकारें ज्यादा नहीं कर सकतीं तो हर्षवर्धन ने कहा कि असल भारत अब ड्राइविंग सीट पर है। सभागार के वातावरण में राजनीतिक पारा तब बढ़ा जब 'एक रहेंगे नेक रहेंगे' सत्र में भाजपा के प्रवक्ता सिद्धार्थ यादव ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे से विपक्ष की राजनीति खत्म होने की बात की तो पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी के नेता अरविंद सिंह गोप ने इन नारों से एकता को खतरा बता डाला। कांग्रेस प्रवक्ता डा हिलाल अहमद भी सपा के साथ खड़े नजर आए। राजनीति के बाद मंच पर बड़ा विमर्श था कि 'साहित्य में बंटवारा क्यों'। इसमें कहानीकार सबाहत का तर्क था कि बंटवारा हमेशा खराब नहीं होता तो उपन्यासकार रत्नेश्वर सिंह ने कहा कि बंटकर भी एक हूं और एक होकर भी बंटा हुआ हूं।

इसके बाद मंच पर लखनऊ के सबरंग बिखरे, इसमें पद्मश्री लोकगायिका मालिनी अवस्थी और सूफी कथक नृत्यांगना मंजरी चतुर्वेदी से आत्म प्रकाश मिश्र के संवाद में यह गौरवबोध हुआ कि दुनिया में आपकी बोली सुनकर ही अगला पलटकर कह देगा- आप लखनऊ से हैं? इसके बाद 'संविधान और आरक्षण' विषय पर नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष व दलित चिंतक प्रो. विवेक कुमार, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता व संविधान विशेषज्ञ अश्विनी उपाध्याय और कानपुर के अरमापुर पीजी कालेज में राजनीति शास्त्र के सहायक प्रवक्ता धीरेंद्र दोहरे ने सामाजिक न्याय की यात्रा में आरक्षण की भूमिका, उपादेयता, प्रासंगिकता व समीक्षा के गूढ़ मुद्दों पर बेबाकी से विचार व्यक्त किए।

इतनी गंभीर चर्चा के बाद माहौल फिल्मी हो गया जब दैनिक जागरण के राज्य संपादक आशुतोष शुक्ल निर्माता निर्देशक राहुल रवैल से फिल्मी दुनिया के किस्से सुनने बैठे। राहुल रवैल ने फिल्मों की करोड़ों की कमाई पर प्रश्नचिन्ह लगाने के साथ कलाकारों के हिंदी ज्ञान पर सवाल उठाए तो राजकपूर को सबसे बड़ा फिल्मकार बताया। आशुतोष शुक्ल ने मीना कुमारी की आवाज आंख बंदकर सुनने की सलाह देने के साथ ही रवैल से धर्मेंद्र व सनी देओल की दिलचस्प बातें साझा करवाईं। निर्देशक अमित राय, मृगदीप सिंह लाम्बा और अभिषेक शर्मा ने सिनेमा की नई पीढ़ी का लक्ष्य बताया।

स्त्री की गरिमा के खिलाफ यह कैसा 'आनंद'

दैनिक जागरण ज्ञानवृत्ति • अध्ययन • चिंतन • शोध

विवेक राव ● जागरण

निर्मल पांडे | नाइश हसन। जागरण

लखनऊ : क्या आप सोच सकते हैं कि आज के युग में भी 10 दिन, 15 दिन या दो महीने की शादियां हो रही हैं? इसे 'मुताह' कहा जाता है, अरबी के इस शब्द का मतलब 'आनंद' या 'मजा' से है, लेकिन इस आनंद की कीमत महिलाओं की गरिमा और अधिकारों से चुकाई जा रही है। दैनिक जागरण के संवादी का शनिवार को दूसरा सत्र 'जागरण ज्ञानवृत्ति' के नाम रहा। इसमें 'मुताह' पुस्तक की लेखिका नाइश हसन ने जब अपने शोध का राजफाश किया, तो सुनने वालों की आंखें खुली रह गईं। मुताह के तहत, एक तय रकम के बदले एक तय समय के लिए शादी की जाती है और समय पूरा होते ही वह खत्म हो जाती है।

जागरण ज्ञानवृत्ति में निर्मल पांडेय ने अपनी पुस्तक 'हिंदुत्व का राष्ट्रीयकरण' पर चर्चा की। बोले, कुछ विघटनकारी ताकतों ने भारत को कभी राष्ट्र नहीं माना, इसे लेकर सवाल भी उठाए गए। जबकि हिंदी, हिंदू, हिंदुस्तान सरीखे मानकों ने हिंदुत्व के राष्ट्रीयकरण के लिए जमीन तैयार की।

हिंदी में मौलिक शोध को बढ़ाता है जागरण ज्ञानवृत्ति : हिंदी हैं हम अभियान के तहत हिंदी में मौलिक शोध को बढ़ावा देने के लिए जागरण ज्ञानवृत्ति शुरू की गई। इसके अंतर्गत मौलिक शोध और हिंदी में काम करने वाले चयनित शोधार्थी को नौ माह तक 70 हजार रुपये मासिक मिले। इसके पहले संस्करण के प्रतिभागी लेखिका नाइश हसन ने अपनी पुस्तक मुताह और लेखक निर्मल पांडेय ने हिंदुत्व का राष्ट्रीयकरण पुस्तक के रूप में सामने है। जागरण संवादी में इन दोनों पुस्तकों का विमोचन किया गया।

तेलंगाना में शिक्षक ने मेडिकल छात्र का सिर मुंडवाया, जांच के आदेश

हैदराबाद, प्रेट्र : तेलंगाना के खम्मम जिले में सरकारी मेडिकल कालेज के शिक्षक ने एक छात्र का कथित तौर पर सिर मुंडवा दिया। अधिकारियों ने रविवार को कहा कि तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर नरसिम्हा ने 12 नवंबर को हुई इस घटना को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह रैगिंग का मामला नहीं है।

अधिकारियों ने बताया, संस्थान के छात्रावास में सीनियर छात्रों ने प्रथम वर्ष के मेडिकल छात्र से कहा था कि उसकी 'हेयर स्टाइल' ठीक नहीं है। वह बाल कटवा ले। छात्र के बाल कटवाने पर एंटी-रैगिंग कमेटी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी ने उससे कहा कि यह अजीब लग रहा है। उन्होंने छात्र को सैलून में ले जाकर उसका सिर मुंडवा दिया। चिकित्सा अधिकारी छात्रावास परिसर में ही रहते हैं और सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं।

शिमला में ब्रह्म समाज व रामकृष्ण मिशन के अनुयायियों में पथराव

जागरण संवाददाता, शिमला

- आश्रम की संपत्ति के विवाद में हुआ पथराव, दो पुलिस के जवानों समेत सात हुए घायल

शिमला स्थित रामकृष्ण मिशन के आश्रम व जमीन पर कब्जे को लेकर ब्रह्म समाज और मिशन के अनुयायियों में चल रहे विवाद के बीच शनिवार देर रात खूब हंगामा हुआ। इस दौरान हुए पथराव में दोनों पक्षों के पांच अनुयायियों सहित पुलिस के दो जवान घायल हो गए। शिमला पुलिस ने इस संबंध में दो एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामकृष्ण मिशन के अनुयायियों के मुताबिक ब्रह्म समाज के अनुयायियों ने आश्रम में कलश स्थापित करने की कोशिश की, जिस पर उन्होंने आपत्ति की। पुलिस ने स्थिति संभालने की कोशिश की, लेकिन रात एक बजे एक पक्ष की महिला ने दूसरे पक्ष के लोगों पर कुर्सी से हमला कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव हो गया। इसमें पांच अनुयायियों समेत पुलिस कर्मियों को भी चोटें आईं। पथराव में आश्रम को भी नुकसान पहुंचा है। घायलों को इंदिरा गांधी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल (आइजीएमसी) शिमला में भर्ती करवाया गया है। गौरतलब है कि इस आश्रम की संपत्ति का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। हिमाचल ब्रह्म समाज के ट्रस्टी एमआर संगरोली का कहना है कि ब्रह्म समाज के लोग पूजा और ध्यान करने के लिए आश्रम में पहुंचे थे, जहां रामकृष्ण मिशन के लोग भी मौजूद थे। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी ने बताया कि पथराव करने वाले कुछ लोग चिन्हित हुए हैं। संपत्ति विवाद काफी समय से चल रहा है। घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

सूरत में रोड रेज में कुचलकर मार डाला, ड्राइवर गिरफ्तार

सूरत, प्रेट्र : गुजरात के सूरत में रोड रेज में टेंपो चालक ने एक व्यक्ति को टेंपो से कुचलकर मार डाला। पुलिस ने रविवार को बताया कि तेज गति से वाहन चलाने को लेकर टेंपो ड्राइवर की 56 वर्षीय जितेंद्र कंथारिया से बहस हो गई थी, इसी दौरान गुस्से में ड्राइवर ने टेंपो से सड़क पर कुचलकर उनकी हत्या कर दी। आरोपित ड्राइवर मयूर मेर को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया गया। दुर्घटना की सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि टेंपो चालक ने जितेंद्र को कुचला और वाहन से करीब 15 फीट तक उन्हें घसीटा। इस दौरान जितेंद्र के पुत्र ड्राइवर से वाहन रोकने की गुहार लगाते रहे। ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।अधिकारी ने बताया कि जितेंद्र कंथारिया और उनके पुत्र ट्रैफिक सिग्नल पर रुके हुए थे तभी टेंपो ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

बरातियों में विवाद के बाद पीट-पीट कर दो युवकों की हत्या, एक गंभीर

जागरण संवाददाता, प्रतापगढ़

- 15 आरोपित हिरासत में, पुलिस के पहरे में हुआ विवाह
- जालंधर व सुलतानपुर से आए थे बरात में शामिल होने

उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ जिले में शनिवार रात आई बरात में डांस करने के दौरान हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के तीन युवकों को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा। इनमें से दो की मौत हो गई, एक गंभीर घायल है। पुलिस ने गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज करके 15 आरोपितों को हिरासत में लिया है। पुलिस के पहरे में शादी कराई गई।

चकौड़िया गांव के विदेशी गौतम की पुत्री अनीता का विवाह लीलापुर के गिरधर सहाय का पुरवा चितरी निवासी मनोज कुमार गौतम के साथ तय हुआ था। रात करीब 11 बजे बरात में शामिल अमेठी के मुसाफिरखाना निवासी 22 वर्षीय पवनदीप सिंह, जालंधर (पंजाब) के बस्ती शेख क्षेत्र निवासी 32 वर्षीय इंद्रजीत सिंह उर्फ इंद्रप्रीत, 25 वर्षीय विशाल से डांस के दौरान कुछ बरातियों का विवाद के बाद मारपीट शुरू हो गई। वर-कन्या पक्ष के लोगों ने मामले को किसी तरह शांत कराया, लेकिन सूचना पाकर कुछ देर में पुलिस पहुंच गई। तीनों युवक तनातनी को भांपकर रात करीब 12 बजे बरात से वापस लौट दिए। रास्ते में चकौड़िया मोड़ पर पहले से खड़े दूसरे गुट के लोगों ने उन्हें घेर लिया। तीनों को लाठी-डंडों से तब तक मारा, जब तक बेदम होकर वे गिर नहीं गए। वर व कन्या पक्ष के साथ पुलिस पहुंची और लहूलुहान व अचेत पड़े पवनदीप सिंह, इंद्रजीत सिंह व विशाल को राजा प्रताप बहादुर अस्पताल ले जाया गया।

वंदे भारत ट्रेन में परोसे गए सांभर में कीड़ा मिलने पर दक्षिण रेलवे ने मांगी माफी

मदुरई, एएनआइ: वंदे भारत एक्सप्रेस में एक यात्री द्वारा यात्रा के दौरान परोसे गए सांभर में कीड़ा मिलने की शिकायत के बाद दक्षिणी रेलवे ने स्पष्टीकरण जारी किया है। तिरुनेलवेली से चेन्नई एग्मोर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के एक यात्री को 16 नवंबर को नाश्ते के साथ परोसे गए सांभर में एक कीड़ा मिला, जिसके बाद उसने शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद दक्षिणी रेलवे ने यात्री से माफी मांगी और खानपान सेवा प्रदाता वृंदावन फूड प्रोडक्ट्स के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए लापरवाही के लिए 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जांच में पता चला कि कीड़ा कैसरोल कंटेनर के ढक्कन पर चिपका हुआ था। दूषित भोजन को जांच के लिए डिंडीगुल स्वास्थ्य निरीक्षक को सौंप दिया गया है। अधिकारियों ने पेंट्री का निरीक्षण किया इस दौरान अन्य खाद्य पैकेटों में कीड़े नहीं पाए गए।

जागरण विशेष

पौड़ी में बुजुर्ग तैयार कर रहे भविष्य के 'रोनाल्डो' और 'मेसी'

क्रिकेट की दीवानगी के बीच फुटबाल के प्रति बच्चों में जगा रहे जुनून, क्लब किया गठित, इनका समर्पण देख खेल विभाग ने रखा कोच

गुरुवेंद्र नेगी ● जागरण

पौड़ी: देश में क्रिकेट के प्रति दीवानगी गजब की है। यही वजह है कि खेल में दिलचस्पी रखने वाले ज्यादातर बच्चे क्रिकेटर बनना चाहते हैं। ऐसे में क्रिकेट ने अन्य खेलों के प्रति आकर्षण को कम किया है, लेकिन उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल जिले के कोट ब्लाक में कुछ बुजुर्ग ऐसे हैं, जिन्होंने फुटबाल के प्रति युवाओं में जुनून जगाने का जिम्मा उठाया है। इनके समर्पण को देखकर सरकार ने भी सहयोग किया तो यहां भविष्य के फुटबालर 'क्रिस्टियानो रोनाल्डो' और 'लियोनेल मेसी' की नर्सरी तैयार होने लगी है। इसके लिए यहां बने मिनी स्टेडियम में प्रति हफ्ते क्षेत्र के बुजुर्ग जुटते हैं और मैत्री फुटबाल मैच खेलते हैं। ये सभी फुटबाल फिटनेस क्लब (एफएफसी) से जुड़े हैं, जिसका इन्होंने गठन युवाओं को फिट रहने के लिए प्रेरित करने और क्षेत्र में फुटबाल के खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया है। इनकी पहल से प्रेरित होकर क्षेत्र के 35 से ज्यादा बच्चे भी स्टेडियम में खेलने आ रहे हैं और फुटबाल की बारीकियां सीख रहे हैं। इनमें कई लड़कियां हैं। इनके लिए खेल विभाग ने कोटसाड़ा निवासी राकेश मोहन को संविदा पर कोच की जिम्मेदारी सौंपी है।

क्लब से जुड़े हैं 35 सक्रिय सदस्य

यादवेंद्र सिंह चौहान

फुटबालर आलोक चारु बताते हैं कि एफएफसी में विभिन्न गांवों के 35 सक्रिय सदस्य जुड़े हैं। इनमें शामिल यादवेंद्र सिंह चौहान वर्ष 1979 में केरल में आयोजित संतोष ट्राफी में दिल्ली की टीम से खेल चुके हैं। प्रेम सिंह पंवार पूसा संस्थान और बेनी माधव नौटियाल एयर फोर्स से सेवानिवृत्त हैं। वहीं, रतन सिंह रावत वर्तमान में गढ़वाल हीरोज फुटबाल क्लब के सचिव हैं।

पौड़ी जिले के कोट स्थित खेल मैदान में युवा और बुजुर्ग खिलाड़ी ● साभार आलोक चारु

दिसंबर 2023 में स्थानीय युवाओं की ओर से फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें ब्लाक के ग्राम बकरोड़ा निवासी 69-वर्षीय यादवेंद्र सिंह चौहान भी पहुंचे थे। युवाओं को खेलते देख उनके मन में विचार आया कि क्यों न क्षेत्र के युवाओं की फिटनेस और फुटबाल को बढ़ावा देने के लिए एक क्लब बनाया जाए। दरअसल, दिल्ली सरकार में प्रधान निजी सचिव के साथ ही दिल्ली फुटबाल टीम के खिलाड़ी और कोच रह चुके यादवेंद्र चाहते थे कि देश में फुटबाल को भी बढ़ावा मिले और युवा इससे जुड़ें । इसीलिए उन्होंने अन्य लोगों से विचार-विमर्श के बाद फुटबाल फिटनेस क्लब का गठन किया। वर्तमान में यादवेंद्र क्लब के अध्यक्ष हैं। प्रेम सिंह पंवार उपाध्यक्ष, धर्मवीर सिंह नेगी सचिव और बेनी माधव नौटियाल प्रबंधक की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इनकी उम्र 59 से 66 वर्ष के बीच है।

11 छात्र-छात्राएं खेलेंगी प्रदेशस्तर पर: फुटबालर आलोक चारु बताते हैं कि कोट क्षेत्र में पूर्व में राष्ट्रीय स्तर की फुटबाल प्रतियोगिता आयोजित हो चुकी है। अब फिर जुनून जाग रहा है। युवा नित्य अभ्यास के लिए पहुंचते हैं। एफएफसी उन्हें खेल की सीख देने के साथ नियमित अंतराल पर मैच भी आयोजित करता है। बेहतर सीख और एफएफसी के सदस्यों की प्रेरणा से क्षेत्र के पांच छात्र और छह छात्राओं का चयन अंडर-17 बालक-बालिका वर्ग में शिक्षा विभाग की जिलास्तरीय टीम के लिए होआ है। यह राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 25वां आरोपित अकोला से गिरफ्तार

मुंबई, प्रेट्र: राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई तेज कर दी है। एक के बाद एक लगातार संदिग्ध आरोपितों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

शनिवार को पंजाब से एक आरोपित की गिरफ्तारी के बाद रविवार को महाराष्ट्र से एक अन्य आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने रविवार को गुजरात के एक व्यक्ति को महाराष्ट्र के अकोला से गिरफ्तार किया है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में अब तक 25 लोगों की गिरफ्तारी हो गई।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि गुजरात के आणंद जिले के पेटलाड निवासी सलमानभाई इकबालभाई वोहरा को महाराष्ट्र पुलिस की मदद से मुंबई से लगभग 565 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अकोला जिले के बालापुर से गिरफ्तार किया गया। 66 वर्षीय राकांपा नेता की 12 अक्टूबर को बांद्रा पूर्व के निर्मल नगर इलाके में उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

राकांपा नेता की 12 अक्टूबर को बांद्रा पूर्व में गोली मारकर हुई थी हत्या

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि वोहरा ने इस साल मई में एक बैंक खाता खोला था और मामले में गिरफ्तार आरोपित गुरमेल सिंह के भाई नरेश कुमार सिंह, रूपेश मोहोल और हरीशकुमार को वित्तीय सहायता प्रदान की थी। उसने अपराध में शामिल अन्य संदिग्धों की भी मदद की थी।

****

हां 90% नहीं 10%
क्या कोटे में कोटा वंचित समाज के लोगों को बेहतर अवसर मुहैया कराएगा?

हां 70% नहीं 30%
क्या कोटे में कोटा का विरोध राजनीतिक वजहों से किया जा रहा है?

मुद्दा से संबंधित अपनी राय, सुझाव और प्रतिक्रिया mudda@jagran.com पर भेज सकते हैं।

कोटे में कोटा: देर आए दुरुस्त आए

हरियाणा सरकार ने हाल ही में एससी-एसटी वर्ग के लिए आरक्षण के कोटे में कोटा लागू कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने एक अगस्त को अहम फैसले में एससी-एसटी जातियों में उप वर्गीकरण का रास्ता साफ कर दिया था। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि कमजोर वर्ग के लोगों को मौजूदा व्यवस्था में आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में कोटे में कोटा लागू करने की जरूरत है। उच्चतम न्यायालय के फैसले पर अमल करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है। हालांकि, कई राजनीतिक दल कोटे में कोटा लागू करने का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह एससी-एसटी जातियों को बांटने की साजिश है। राजनीतिक रूप से प्रभावी एससी-एसटी समुदाय के लिए तय कोटे में कोटा लागू करने की पहल फूट डालो-राज करो से प्रेरित है या यह वंचित समाज के लोगों की जरूरत, इसकी पड़ताल अहम है...

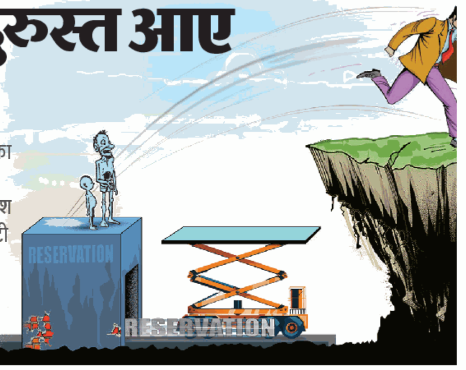

वंचित दलितों को सामाजिक न्याय देने की सराहनीय पहल

सामाजिक न्याय को जमीन पर उतारने के लिए आवश्यक है कि वंचित दलितों को भी सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में न्यायोचित हिस्सेदारी मिले। वंचित लोगों को संख्या के अनुपात के अनुसार आरक्षण में हिस्सेदारी मिलने का सिलसिला शुरू हुआ है।

डा. एके वर्मा
राजनीतिक विश्लेषक

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वंचित-दलितों को सामाजिक-न्याय देने की पहल की है. उन्होंने राज्य अनुसूचित-जाति-आयोग की सिफारिशों के आधार पर दलितों को 'वंचित-दलित' और 'अन्य-दलितों' में वर्गीकृत कर दलितों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण को दोनों में समान रूप से बांटा है। मुख्यमंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय के 1 अगस्त 2024 के निर्णय को आधार बनाया, जिसमें न्यायालय ने ईवी चिन्नैया मामले का फैसला पलटते हुए दलितों के उप-वर्गीकरण को स्वीकार किया। चिन्नैया मामले में न्यायालय ने दलितों को एक समरूप-वर्ग मान कर उप-वर्गीकरण अमान्य किया था। जब संविधान बना तब अस्पृश्यता दलितों की समरूपता का वस्तुनिष्ठ-आधार थी, लेकिन 75 वर्षों बाद अस्पृश्यता लुप्तप्राय हो गई है। असंख्य दलित आरक्षण द्वारा सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सशक्तीकरण प्राप्त कर चुके हैं। बहुत से दलित सामजिक-अभिजन हो गए हैं, लेकिन निहित स्वार्थों के चलते वे उप वर्गीकरण के विरुद्ध कुतर्क कर अति दलितों को उससे वंचित रखना चाहते हैं। बसपा अध्यक्ष मायावती द्वारा हरियाणा प्रयोग को दलित विरोधी और आरक्षण विरोधी बताना इंगित करता है कि वंचित दलितों को सामाजिक न्याय देने में उनको रूचि नहीं, वरन दलित मतों पर एकाधिकार उनका एजेंडा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बदलते वक्त को देख कर ही अपना निर्णय बदला है। लेकिन अभी दूसरा कदम बाकी है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि क्रीमी-लेयर को दलित आरक्षण में उसी तरह लागू होना चाहिए जैसे वह अन्य पिछड़े वर्ग में लागू है। यदि वास्तव में सामाजिक न्याय की स्थापना करना है तो यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक वर्ग में आरक्षण किसी जाति या कुछ जातियों द्वारा हाईजैक न किया जाए। हरियाणा में दलित 22.5 प्रतिशत है, जिसमें वंचित दलित 14 प्रतिशत और अन्य दलित 8.5 प्रतिशत हैं। वंचित-दलितों में 66 जातियां जैसे वाल्मीकि, बाजीगर, मजहबी-सिख, फरेरा-राय-सिख, पासी, बटवाल, बावरिया, मेघवाल, खटिक, जुलाहा आदि हैं, और अन्य दलितों में 15 जातियां जैसे रैगर, रामदासी, रविदासी, बलाही, बटोई, भांबी आदि शामिल हैं। लेकिन अन्य-दलित जातियां, जो चर्म-उद्योग में काम करती हैं, वे ही प्रशासन और राजनीति में काबिज हैं। अब 'वंचित-दलितों' को भी इनमें आधी हिस्सेदारी मिल सकेगी।

दलितों के लिए सामाजिक-न्याय की इस पहल का सभी राज्यों पर प्रभाव पड़ेगा, लेकिन सर्वाधिक प्रभाव पंजाब और उत्तर प्रदेश में दिखेगा। पंजाब में सर्वाधिक 31.9 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 21 प्रतिशत दलित हैं, पर पंजाब में 89 लाख दलितों के मुकाबले उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लगभग चार-करोड़ दलित हैं। उत्तर प्रदेश में दलितों का वर्गीकरण जाटव और गैर जाटव में है। गैर जाटव की 65 जातियां हैं जैसे बहेलिया, वाल्मीकि, बसोर, डोम, हबूरा, कोल, मुसहर, पासी आदि। सामाजिक न्याय को ज़मीन पर उतारने के लिए आवश्यक है कि अति दलितों या वंचित दलितों को भी सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में न्यायोचित हिस्सेदारी मिले। जो लोग 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' की वकालत करते हैं, उनको खुश होना चाहिए कि उनके पिछड़े-तबकों को सामाजिक न्याय अर्थात आरक्षण में संख्या के अनुपात के अनुसार हिस्सेदारी मिलने का सिलसिला शुरू हुआ है। उनको तो दलितों में क्रीमी लेयर लागू करने की भी वकालत करनी चाहिए क्योंकि जो दलित आर्थिक रूप से संपन्न हो चुके हैं, उन्हें गरीब-दलितों के लिए सोचना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश के अनुसार संविधान के अनुच्छेद 14 द्वारा किसी सामाजिक वर्ग में असमानता के आधार पर उसका उप वर्गीकरण किया जा सकता है, और अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के अनुसार शिक्षा और लोक-सेवा में उनको प्राथमिकता दी जा सकती है। उनके अनुसार इंदिरा साहनी (मंडल) मामले में न्यायालय ने अन्य पिछड़ा वर्ग को पिछड़े और अधिक पिछड़े में विभक्त करने को संविधान-सम्मत माना था। हालांकि उन्होंने किसी राज्य द्वारा दलितों के उप-वर्गीकरण पर न्यायिक-पुनर्निरीक्षण का प्रविधान भी किया है। उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा-विरोधी दलों ने उस पर दलित विरोधी होने, संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने का भ्रामक नरेटिव चला कर जीत हासिल की थी। वे हरियाणा में भी यही दोहराना चाहते थे, लेकिन भाजपा ने उनका यह प्रयोजन असफल कर दिया और वंचित दलितों को अपने पक्ष में कर लिया। भाजपा ने राज्य में वंचित दलितों के अनेक सम्मलेन किए और उसका लाभ उसे मिला। तीसरी बार लगातार सरकार बना कर भाजपा ने इतिहास रच दिया। अब न तो वंचित दलितों या अति दलितों को भ्रामक नरेटिव प्रभावित करेगा, न उनको कोई वोट-बैंक के रूप में उपयोग कर सकेगा। वर्ष 1966 में हरियाणा राज्य के गठन से आज तक वहां कोई वंचित दलित संसद में नहीं जा पाया, केवल चर्म-उद्योग से जुड़े अन्य-दलित ही प्रतिनिधित्व करते रहे हैं। सर्वप्रथम 1994 में कांग्रेस की भजनलाल सरकार ने दलितों को वंचित-दलित और चर्म उद्योग दलित में बांटा था और वाल्मीकि और मजहबी सिखों को आरक्षण में प्राथमिकता दी थी, पर 2006 में पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय ने चिन्नैया मामले के निर्णय के आधार पर उसे निरस्त कर दिया। यदि हरियाणा में वंचित-दलितों हेतु सामाजिक न्याय का प्रयोग सफल रहा तो न केवल भाजपा-समर्थित व अन्य राज्यों में यह लागू होगा, वरन भाजपा को सबका-साथ, सबका-विकास के अपने समावेशी संकल्प को पूरे देश में लागू करने तथा सामाजिक न्याय का लोकतांत्रीकरण करने में मदद मिलेगी।

आपकी आवाज

किसी आरक्षित वर्ग में सबसे निचली पांत में खड़ी जातियों को कोटे में कोटा देने का मतलब उन्हें विशेष संरक्षण देना है। राजनीतिक दलों द्वारा इसका विरोध किए जाने का मतलब है, अंत्योदय की भावना के विपरीत कार्य करना। हां, जो जातियां अपने नुकसान से चिंतित हैं। उनकी चिंता को सही दिशा देना नेताओं एवं दलों का काम होना चाहिए ना कि उनकी भावनाओं को भड़काना। **मुकेश कुमार मनन**

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में आरक्षण का फायदा इसी वर्ग में कुछ गिनी चुनी जातियों को ही मिल रहा है। वहीं इसी वर्ग में एक बड़ी संख्या वंचित जातियों की भी है, जिनको आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था में जीवन को बेहतर बनाने का मौका नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में कोटा में कोटा जरूरी पहल है। **प्रदीप चौधरी**

कोटा में कोटा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की एकता को कमजोर करने का प्रयास है। चुनाव में अपनी इसी एकता की वजह से वे राजनीति को प्रभावित करने में सक्षम हैं। लेकिन कोटा में कोटा एक जातीय समूह के तौर पर उनकी राजनीतिक ताकत को कम करेगा। **राहुल कुमार**

हाशिए में भी हाशिए के समाज को मुख्यधारा में लाना जरूरी

आरक्षित वर्गों के भीतर भी ऐसी उप जातियों की बड़ी संख्या है जिनका सामाजिक व शैक्षणिक रूप से प्रतिनिधित्व उसी वर्ग की अन्य प्रभुत्वशाली जातियों की अपेक्षा कम है। उपवर्गीकरण इन जातियों को जीवन को बेहतर बनाने के बेहतर अवसर सुनिश्चित करेगा।

डा. सत्येन्द्र प्रताप सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

आरक्षण का उपवर्गीकरण या कोटे में कोटा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमे आरक्षित वर्गो जैसे अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति-जनजाति प्राप्त किए गए आरक्षण के लाभ की स्थिति के आधार पर उन्हें अपनी आरक्षित श्रेणी के भीतर श्रेणियों में विभाजित करना, या उपवर्गीकरण करना, ताकि आरक्षण का लाभ उस आरक्षित वर्ग में वंचित जाति समूहों तक पहंच सके। स्पष्ट है कि आरक्षण का मुख्य उद्देश्य वंचित जातियों को मुख्यधारा में स्थापित करना है। लेकिन हम प्रायः देखते हैं कि पिछड़े वर्ग व अनुसूचित जाति व जनजाति में कुछ जाति समूह एक मजबूत स्थिति में हैं। पिछड़े वर्गों या अनुसूचित जाति वर्ग-जनजाति वर्ग के नेतृत्वकर्ता के रूप में वही दिखाई पड़ते हैं तो उनकी तुलना में अन्य जातियां पीछे दिखाई पड़ती हैं, जैसे आंध्र प्रदेश में एससी वर्ग में मुख्य रूप से दो जाति समुदाय पाए जाते हैं मदिगा और माला। मदिगा समुदाय के लोगों का आरोप है कि आरक्षण का ज्यादातर लाभ माला समुदाय को मिलता है। इस तरह से आरक्षित वर्गों के भीतर एक हाशिया तैयार हो गया है, जिसमें प्रायः ऐसी जातियों की संख्या पाई जाती है, जिनका प्रतिनिधित्व सामाजिक व शैक्षिणक रूप से उसी उपवर्ग की अन्य प्रभुत्वशाली जातियों की अपेक्षा कम होता है। कोटे में कोटे की पहल सबसे पहले सन 2000 में आंध्र प्रदेश सरकार ने की थी। जिसमें एक कानून बनाकर एससी वर्ग को चार समूहों में विभाजित कर दिया गया था। हालांकि बाद में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के इस फैसले को ईवी चिन्नैया मामले में रद कर दिया। इस मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा था की अनुसूचित जाति की सूची में जातियों को हटाने और जोड़ने का अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को है। उच्चतम न्यायालय के सात जजों की पीठ ने 1 अगस्त, 2024 में एससी-एसटी वर्ग के उपवर्गीकरण के पक्ष में फैसला दिया। एससी-एसटी वर्ग के लिए कोटा में कोटा लागू करने वाला पहला राज्य हरियाणा है। कोटा में कोटा लागू करना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि कई राज्यों की रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है कि आरक्षण का लाभ वंचितों तक अभी भी समुचित रूप में उद्देश्य के अनुसार नहीं पहुंच पाया है। त लाभ उपलब्ध करा सकें। कोटे में कोटा व्यवस्था को इसके आलोचक विभाजनकारी मानते है उनके अनुसार इससे वर्गीय सामूहिकता की भावना में कमी आएगी, लेकिन अगर इसका गहराई से विश्लेषण करें तो यह आरोप निराधार साबित होगा क्योंकि जिन राज्यों में यह पहले से लागू है चाहे उत्तर भारत के राज्य हों या दक्षिण भारत के जैसे-बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक, वहां पर कोटे में कोटा लागू होने के बावजूद आरक्षित वर्ग अपनी सामूहिकता को मजबूती से बनाए हुए है।

उपवर्गीकरण आरक्षित वर्ग के भीतर विद्यमान हाशिए में भी हाशिए पर स्थिति जातियों को मुख्यधारा में शामिल करने का एक निसंदेह उचित प्रयास है। कोटे में कोटा की व्यवस्था हाशिए में भी अपेक्षाकृत हाशिए पर स्थित जातियों को आरक्षण का लाभ पहुंचाने के लिए एक कारगर व्यवस्था है। उपवर्गीकरण की व्यवस्था को लागू करने के लिए कई चुनौतियां हैं। इसको लागू करने के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए, आवश्यकता के अनुसार वास्तविक वंचितों को लाभ पहुंचाने के लिए सटीक आंकड़ों को आधार बनाए। इस व्यवस्था के लागू होने में सर्वाधिक चुनौती आंकड़ों को एकत्रित करने की है। यह बात अभी तक आधिकारिक रूप से स्पष्ट नहीं है कि आरक्षित वर्गों में कौन सी जाति आगे है या कौन सी पीछे है। इसका आंकड़ा किन आधारों पर तैयार होगा व इस के क्या मापदंड होंगे, इसकी स्पष्टता अभी नहीं है। उच्चतम न्यायालय यह तय करने का अधिकार राज्य सरकारों को दिया है। लेकिन हम जानते हैं की राजनीति में बहुत सारी व्यवस्थाएं नीति से नहीं नीयत से चलती है। प्रायः देखा गया है कि राज्य सरकारें राजनीतिक आधार पर कई अपेक्षाकृत मजबूत जातियों व समर्थक जातियों को को उपवर्गीकरण में शामिल कर लेती हैं, जो कि उचित नहीं है, क्योंकि आरक्षण का उद्देश्य वंचित लोगों को पहुंचाना है ना कि किसी को लाभ से वंचित कर देना है।

आरक्षण नीति के नतीजों ने वंचित तबकों में पैदा किया असंतोष

शिक्षण संस्थानों, सरकारी नौकरियों और विधायी निकायों में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए सीटों का आरक्षण संवैधानिक रूप से अनिवार्य है। ऐतिहासिक रूप से वंचित इन दो श्रेणियों में विभिन्न जातीय मूल के बड़ी संख्या में उपसमूह शामिल हैं। आरक्षण नीति के नतीजों ने इनमें असंतोष पैदा किया। दावा किया जा रहा है कि आरक्षण नीति का लाभ एससी-एसटी के कुछ उपसमूहों को मिला है। इसकी वजह से एससी-एसटी के अंदर उप वर्गीकरण करके आरक्षण के लाभ को इस तरह से वितरित करने की मांग ने जोर पकड़ा कि इसका फायदा उन कमजोर तबकों को भी समान रूप से मिल सके जो अब तक इसके फायदों से वंचित हैं।

शहरीकरण से है जीवन की गुणवत्ता का संबंध

2011 की जनगणना के आंकड़ों से पता चलता है कि अलग-अलग उप समूह को शहरीकरण का समान रूप से फायदा नहीं मिला है। कुछ उपसमूह ने शहरीकरण का बेहतर लाभ लिया है वहीं अन्य उपसमूह बड़े पैमाने पर अब भी ग्रामीण इलाकों में रह रहे हैं। शहरों में रहने के मामले में उपसमूहों की अलग-अलग स्थिति जीवन को बेहतर बनाने के अवसरों के साथ सीधा संबंध दिखाती है। उच्च शहरीकरण वाले उप समूह में शिक्षा का स्तर ऊंचा है और उनमें अनिश्चित रोजगार में लगे लोगों की संख्या भी कम है। इससे अनुसूचित जाति के उपसमूह में असमानता का पता चलता है।

राज्यों में अनुसूचित जाति के उपसमूहों की स्थिति

राज्य	शहरी आबादी	10वीं पास	स्नातक	कृषि से जुड़े श्रमिकों
बिहार	14.00	11.70	5.80	44.50
सभी अनुसूचित जातियां	7.40	6.20	2.00	69.40
उ.स.1: पासी	18.90	9.40	4.40	46.90
उ.स.2: मुसहर	3.40	0.90	0.10	87.50
अनुपात ((उ.स2\उ.स1)	0.17	0.10	0.02	1.86
महाराष्ट्र	45.20	16.40	12.00	25.20
सभी अनुसूचित जातियां	43.50	14.80	8.20	44.50
उ.स.1: भांबी	54.40	16.30	10.40	2.60
उ.स.2: मांग	36.30	11.30	3.70	57.30
अनुपात ((उ.स2\उ.स1)	0.66	0.69	0.35	22.20
पंजाब	37.40	20.20	9.90	13.70
सभी अनुसूचित जातियां	26.70	13.90	3.00	31.90
उ.स.1: जाटव	30.10	17.80	5.00	26.60
उ.स.2: मजहबी	18.20	12.70	3.00	48.90
अनुपात((उ.स2\उ.स1)	0.60	0.71	0.60	2.16
उत्तर प्रदेश	22.20	11.80	9.40	21.70
सभी अनुसूचित जातियां	13.70	8.60	4.60	38.00
उ.स1: जाटव	13.30	9.50	5.30	38.70
उ.स2: मुसहर	3.00	1.10	0.20	52.40
अनुपात((उ.स2\उ.स1)	0.22	0.11	0.03	1.30
बंगाल	30.50	8.10	8.40	22.80
सभी अनुसूचित जातियां	20.40	5.50	3.50	35.20
उ.स1: नामाशुद्रा	31.30	7.60	5.90	22.10
उ.स2: बागदी, दुले	10.30	2.90	1.00	58.30
अनुपात(उ.स2\उ.स1)	0.32	0.38	0.16	2.60

(उ.स.उपसमूह) स्रोत: 2011 की जनगणना (सभी आंकड़े प्रतिशत में)

शिक्षा और रोजगार के मोर्चे पर असमानता

अनुसूचित जातियों में उदाहरण के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश में मुसहर सामाजिक और आर्थिक मोर्चे पर सबसे खराब स्थिति में हैं। मुसहरों में हाई स्कूल की डिग्री हासिल करने वालों की संख्या बहुत कम है। स्नातकों की संख्या तो नगण्य है। इसके विपरीत बिहार में पासी और उत्तर प्रदेश में जाटव राज्य के औसत से थोड़ा ही पीछे हैं। महाराष्ट्र में भांबी और मांग उप समूह शिक्षा और रोजगार की गुणवत्ता के मामले में अलग-अलग स्तर पर हैं। यहां भांबी की की स्थिति मांग की तुलना में काफी बेहतर है। इसी तरह से पंजाब में जाटव शिक्षा तक पहुंच और शहरीकरण के मामले में मजहबी सिख से आगे हैं। जाटव में दसवीं पास और स्नातकों का अनुपात मजहबी सिखों की तुलना में 1.5 गुना अधिक था। पश्चिम बंगाल में शहरीकरण, शैक्षिक उपलब्धि और आजीविका के स्रोतों के मामले में में नामशूद्र और बागदी की स्थिति एक दूसरे के विपरीत है।

राष्ट्रीय फलक

शिक्षा का स्वरूप ऐसा हो जिससे मनुष्य स्वावलंबी बने : भागवत

जागरण संवाददाता, पिथौरागढ़

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में संघ प्रमुख ने कहा- शिक्षा, धन और शक्ति का सदुपयोग होना चाहिए

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत ने कहा कि विश्व का कोई भी देश दस प्रतिशत से अधिक नौकरी नहीं दे सकता है। शिक्षा का स्वरूप ऐसा हो कि, स्वयं प्रेरित होकर मनुष्य ऐसा कर्म करे जिससे वह स्वावलंबी बने और समाज उसके इस कार्य को स्वीकार्यता दे। संघ प्रमुख ने यह बात रविवार को पिथौरागढ़ के मुवानी में शेर सिंह कार्की सरस्वती विहार विद्यालय भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कही हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैभवशाली था और वैभवशाली ही रहेगा। जीवन में शिक्षा का अति महत्व है। शिक्षा ही व्यक्ति और समाज को मजबूत बनाती है। शिक्षा व परिश्रम से ही सबकुछ प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षा से स्वावलंबन आता है।

मनुष्य को जीवन जीने के लिए सुख, समृद्धि चाहिए। भागवत ने कहा कि व्यक्ति अपने हाथों से ही अपना भविष्य तय करता है। उन्होंने भारतीय परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि विद्या और धन दान के लिए होता है और शक्ति दुर्बलों की मदद के लिए होती है। शिक्षा, धन और शक्ति का सदुपयोग होना चाहिए। यही संस्कार सामाजिकता समरसता बढ़ाते हैं।

सरसंघचालक ने विद्या भारती की शिक्षा के प्रसार पर जोर देते हुए कहा कि इस शिक्षा से व्यक्ति को स्वयं और अपने कुटुंब के साथ पूरे समाज की देखभाल करने का ज्ञान मिलता है। ज्ञान के महत्व को समझना ही समाज को ताकत देता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देवों की भूमि है। इसे ऋषि-मुनियों ने अपनी तपस्थली बनाया। इसलिए ऐसी भूमि को मैं नमन करता हूं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति ओपीएस नेगी ने की। पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्र में नवनिर्मित यह विद्यालय भारतीय संस्कृति की शिक्षा देने के लिए वचनबद्ध है।

लश्कर की फंडिंग करने वाले हाजी सलीम का ड्रग्स रैकेट खत्म करने में जुटी एनसीबी

नीलू रंजन • जागरण

- ड्रग्स तस्करों का चक्रव्यूह भेदने में कामयाब हो रही रणनीति
- जिला से लेकर केंद्र तक चार स्तरीय एनकोर्ड का ढांचा तैयार
- ड्रग्स जब्ती के बड़े मामलों की जांच को संयुक्त निगरानी समिति का गठन

नई दिल्ली : नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ड्रग्स तस्करी के सरगना हाजी सलीम का साम्राज्य ध्वस्त करने के लिए आपरेशन सागर मंथन के तहत बड़ा अभियान शुरू किया है। भारत में ड्रग्स तस्करी पर लगाम लगाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति तस्करों का चक्रव्यूह भेदने में कामयाब हो रही है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, पिछले पांच साल में जिला और राज्य से लेकर केंद्र स्तर पर ड्रग्स तस्करी के खिलाफ मजबूत ढांचा तैयार करने में सफलता मिली है। विभिन्न एजेंसियों के बीच आतंकी सूचनाओं के रियल टाइम आदान-प्रदान को बनाए गए मल्टी एजेंसी सेंटर (मैक) की तर्ज कर नारकोटिक्स के लिए भी सेंटर तैयार किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तानी नागरिक हाजी सलीम उर्फ हाजी बलूच और दुनियाभर में फैसले उसके सिंडिकेट का पता लगाने के लिए अमित शाह के निर्देश पर अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान के तहत अधिकारियों ने भारी मात्रा में हाजी सलीम के कार्टेल से जुड़े अवैध ड्रग्स जब्त किए हैं और कई पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। हाजी सलीम को अरब सागर से होने वाली ड्रग्स तस्करी का सबसे बड़ा सरगना माना जाता है। वह आइएसआइ के संरक्षण में इसे संचालित करता है। एनआइए को हाजी सलीम द्वारा लश्कर-ए-तैयबा को फंडिंग के सुबूत मिले हैं। हाजी सलीम भारत के साथ श्रीलंका समेत कई देशों में ड्रग्स तस्करी का सिंडिकेट चलाता है। 2022 में कोच्चि के पास समुद्र में पकड़ा गया 200 किलोग्राम हेरोइन हाजी सलीम का था। अब एजेंसियों की नजर हाजी सलीम के पूरे ड्रग्स रैकेट को खत्म करने की है। इसके लिए कई देशों की एजेंसियों के साथ समन्वय बनाया जा रहा है।

गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दो दिन पहले गुजरात तट से दूर बीच समुद्र में 700 किलोमेथ की बरामदगी इसी साल शुरू किए गए आपरेशन सागर मंथन का परिणाम है। इसके तहत एनसीबी के आपरेशन विंग के साथ-साथ नौसेना, तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम अफगानिस्तान-ईरान-पाकिस्तान से अरब सागर के रास्ते होने वाले ड्रग्स तस्करी पर नजर रखती है।

मोदी सरकार ने ड्रग्स तस्करी से निपटने में विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल के लिए 2016 में ही नारकोटिक्स कोआर्डिनेशन सेंटर (एनकोर्ड) का गठन किया था। जिला स्तर पर डीएम, राज्य स्तर पर मुख्य सचिव, विशेष मामलों के लिए गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (आंतरिक सुरक्षा) और सबसे ऊपर केंद्रीय गृह सचिव के मातहत एनकोर्ड का गठन किया गया। इसके अलावा गृह मंत्री बनने के दो महीने के भीतर शाह ने ड्रग्स तस्करी के बड़े मामलों की जांच की निगरानी के लिए राज्यों व केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त समन्वय समिति का आदेश जारी किया।

****

हवाला में गिरफ्तार बांग्लादेशियों के बैंक खातों की जांच कर रही ईडी

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- आरोपितों के उच्च स्तरीय प्रभावशाली राजनीतिक संपर्क

ईडी ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले को अपने हाथ में लिया था

बंगाल में ईडी हवाला मामले में उसके द्वारा गिरफ्तार किए गए दो बांग्लादेशी नागरिकों रोनी मंडल और समीर चौधरी के बैंक खातों की जांच कर रही है। उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में रहने वाले मंडल के बहन, बहनोई और भतीजे के बैंक खातों की भी ईडी अधिकारी जांच कर रहे हैं। जांच अधिकारियों का मानना है कि मंडल के उच्च स्तरीय प्रभावशाली राजनीतिक संपर्क हैं, जिसके कारण वह बांग्लादेशी नागरिक होने के बावजूद स्थानीय बैरकपुर नगर पालिका से शहरी नागरिक निकाय के लिए अनुबंध कार्य करने हेतु व्यापार लाइसेंस प्राप्त करने में सक्षम हो गया।

जांच अधिकारियों का मानना है कि मंडल इलाके में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की विभिन्न जनसभाओं में मौजूद था। सूत्रों ने बताया कि उसके बैंक खातों की जांच से अधिकारियों को पैसे के लेनदेन के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलेगी, जिससे समय के साथ प्रभावशाली लोगों की पहचान हो सकेगी। रोनी और समीर के अलावा ईडी अधिकारियों ने हवाला के सिलसिले में पिंटू हलदर और पिंकी बसु नामक दो नागरिकों को भी गिरफ्तार किया था। मंगलवार को ईडी के अधिकारियों ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों के साथ बंगाल और झारखंड में फैले हवाला घोटाले के सिलसिले में बंगाल में 12 स्थानों पर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था। इस मामले का संबंध बांग्लादेश से भी है। इन 12 स्थानों में उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में एक महिला का घर भी शामिल है, जिसके खिलाफ रांची में मामला दर्ज किया गया था। संबंधित महिला ने बांग्लादेश से अन्य महिलाओं को रोजगार का झांसा देकर अवैध रूप से बंगाल में प्रवास करवाया, फिर उन्हें अंतरराज्यीय हवाला रैकेट में शामिल किया, जिसमें मुख्य रूप से बंगाल और झारखंड शामिल थे। इन बांग्लादेशी महिलाओं को हिंदू नामों वाले आधार कार्ड जैसे फर्जी दस्तावेज भी दिए गए।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 18 नवंबर, 2024

दैनिक जागरण

आचरण की शुद्धता ही व्यक्तित्व को प्रखरता प्रदान करती है

आम आदमी पार्टी को झटका

दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह विधानसभा चुनाव के पहले मंत्री पद के साथ-साथ आम आदमी पार्टी का भी परित्याग कर दिया, वह अरविंद केजरीवाल के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं। कैलाश गहलोत का इस्तीफा आम आदमी पार्टी को इसलिए राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला है, क्योंकि उन्होंने अपने इस्तीफे में कई ऐसे मुद्दों का जिक्र किया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। कैलाश गहलोत ने एक तो यह कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना को साफ नहीं कर सकी और स्थिति यह है कि वह पहले से अधिक गंदी हो गई है। इसके अलावा उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि आम आदमी पार्टी सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतता है। आम आदमी पार्टी कैलाश गहलोत की इन बातों को यह कहकर खारिज कर सकती है कि वह भाजपा की भाषा बोल रहे हैं और उन पर ईडी-सीबीआइ आदि का दबाव था, लेकिन यह एक तथ्य है कि आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार से बात-बात में झगड़ा मोल लेने के लिए जानी जाती है। इससे इन्कार नहीं कि केंद्र सरकार भी आम आदमी पार्टी से उलझती हुई दिखती है, लेकिन दिल्ली सरकार की छवि ऐसी बन गई है कि वह केंद्र सरकार पर दोषारोपण करने का मौका ढूंढ़ती रहती है। दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच हर मुद्दे पर खींचतान जारी रहने से सबसे अधिक नुकसान दिल्ली की जनता को हुआ है। दिल्ली की कई समस्याएं इसलिए नहीं सुलझ सकीं, क्योंकि दोनों सरकारों के बीच जो सहज-सरल सहयोग और समन्वय होना चाहिए, उसका सदैव अभाव ही नजर आया।

यह भविष्य ही बताएगा कि कैलाश गहलोत का त्यागपत्र आम आदमी पार्टी को राजनीतिक रूप से महंगा पड़ेगा या नहीं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि उन्होंने अपने इस्तीफे में जिस तरह शीशमहल का जिक्र किया, वह अरविंद केजरीवाल के साथ-साथ पूरी आम आदमी पार्टी की साख को करारा आघात देने वाला है। यह एक तथ्य है कि आम आदमी पार्टी आज तक इस प्रश्न का कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकी कि आखिर अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री रहते अपने सरकारी आवास की साज-सज्जा पर 45 करोड़ रुपये खर्च करने की क्या जरूरत थी। कैलाश गहलोत ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी अपनी रीति-नीति से भटक गई है। केजरीवाल और उनके सहयोगी इससे सहमत नहीं होने वाले, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि मुख्यमंत्री आवास की साज-सज्जा में करोड़ों रुपये खर्च करने समेत अनेक ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनसे आम आदमी पार्टी की भ्रष्टाचार विरोधी राजनीतिक दल की छवि का बहुत अधिक क्षरण हुआ है। आम आदमी पार्टी ने नई तरह की राजनीति करने के जो तमाम दावे किए थे, वे दावे यदि खोखले नजर आने लगे हैं तो इसके लिए अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते।

अंत भला तो सब भला

झारखंड विधानसभा चुनाव के तहत पहले चरण की 43 सीटों पर पूरी तरह शांतिपूर्ण मतदान होना बड़ी उपलब्धि है। बड़ी उपलब्धि इसलिए, क्योंकि पहली बार एक साथ इतने अधिक विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। इसमें कई मतदान केंद्र नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थित और 2,249 अति संवेदनशील बूथ थे। चुनाव आयोग वहां भी पूरी तरह शांतिपूर्ण मतदान कराने में सफल रहा। अब दूसरे और अंतिम चरण का मतदान 38 विधानसभा क्षेत्रों में 20 नवंबर को है। इसमें सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह सोचकर किसी प्रकार की ढील नहीं दी जा सकती कि पहले चरण में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं हुई है। दूसरे चरण के चुनाव में भी कई संवेदनशील क्षेत्रों में मतदान होना है। आवश्यकता इस बात की है कि इस चरण में सुरक्षा व्यवस्था और भी कड़ी की जाए, ताकि गड़बड़ी करनेवाले लोगों के मंसूबों पर पानी फेरा जा सके। इस चरण में कई मतदान केंद्र पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां शाम चार बजे तक ही मतदान होगा। चूंकि निर्धारित अंतिम समय में कतार में खड़े सभी मतदाताओं को मतदान का अवसर प्रदान किया जाना है। ऐसे में इन क्षेत्रों में अधिक शाम होने से चुनाव कर्मियों को मतदान केंद्रों से सुरक्षित वापस लाना चुनौतीपूर्ण होगा। आयोग को स्थानीय पुलिस प्रशासन को किसी भी प्रकार की सुस्ती नहीं बरतने तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी प्रकार के आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाने के निर्देश देने चाहिए। पहले चरण की तरह इस चरण में भी पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल विभिन्न स्तरों पर तैनात किए जाने चाहिए, जिनमें अर्द्धसैनिक बल, राज्य पुलिस तथा होम गार्ड के जवान सम्मिलित हैं। उम्मीद की जा सकती है कि अंत भला तो सब भला की तर्ज पर चुनाव आयोग दूसरे चरण में भी पूरी तरह शांतिपूर्ण मतदान करने में सफल रहेगा।

जी-20 का मार्गदर्शक बना भारत

श्रीराम चौलिया

अशांत एवं अस्थिर विश्व में अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत ने अपने आदर्श व्यवहार से जो नई राह दिखाई, वह भविष्य में भी जी-20 समूह के लिए आधार बनेगी

अवधेश राजपूत

19वें जी-20 शिखर सम्मलेन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्राजील के रियो डी जेनेरो में होंगे। गत वर्ष भारत ने इस अंतरराष्ट्रीय संस्थान की मेजबानी में ऊंचे मानक स्थापित किए और विश्व स्तर पर अपने कौशल का परिचय दिया था। हालांकि जी-20 की अध्यक्षता रोटेशन नीति के तहत अभी ब्राजील के पास है जो अगले साल दक्षिण अफ्रीका के पास रहेगी। जहां तक इस संस्था को प्रभावित करने का पहलू है तो भारत ने इसकी प्रकृति और दिशा को आकार देने में सतत प्रतिबद्धता दिखाई है। जी-20 को केवल राष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले माध्यम के रूप में देखने के बजाय भारत ने इसे विश्व कल्याण हेतु अपने कर्तव्य के तौर पर देखा है और अध्यक्षता छोड़ने के बाद भी उतनी ही लगन से इसकी सफलता के लिए योगदान दिया है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान अतिशयोक्ति नहीं है कि वर्तमान अध्यक्ष ब्राजील ने 'भारत की विरासत को आगे बढ़ाया है।' आज भारत जी-20 की 'तिकड़ी' का सदस्य है, जो संस्था की निरंतरता को सुनिश्चित करती है। इस उत्तरदायित्व को भारत ने निष्ठा से निभाया है।

अपनी अध्यक्षता में ब्राजील की पहली प्राथमिकता भूख और गरीबी के खिलाफ लड़ाई है। इससे संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों पर प्रगति में तेजी लाने के लिए भारत की मेजबानी के दौरान दी गई प्राथमिकता को ही आगे बढ़ाया जा रहा है। विश्व के कम विकसित देशों में ब्राजील ने स्वयं गरीबी और भुखमरी जैसी समस्याओं से निपटने के लिए कई परियोजनाओं और कार्यक्रमों को कार्यान्वित किया है और वह चाहता है कि जी-20 द्वारा ब्राजीलियाई खाके को वैश्विक मान्यता मिले। उल्लेखनीय है कि भारत का भी विकासशील जगत में सहयोग प्रदान करने का बड़ा अनुभव है और जी-20 अध्यक्षता के दौरान भारतीय 'डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे' को मान्यता मिली थी। डिजिटल माध्यमों के जरिये अंतिम कतार में खड़े आम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मोदी युग में भारत ने जो कीर्तिमान बनाए हैं, अब वह जी-20 के सहारे दुनिया के कोने-कोने में अपनाए जा रहे हैं। इसके अलावा भारत ने 'महिला नेतृत्व वाले विकास' की संकल्पना कर उसे अपनी जी-20 अध्यक्षता की आधारशिलाओं में से एक बनाया था। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षताओं के अंतर्गत इन दो भारतीय पहलों को आगे ले जाया जा रहा है।

मेजबान ब्राजील की दूसरी प्राथमिकता हरित ग्रह बनाने के लिए ऊर्जा परिवर्तन से जुड़े संक्रमण को सक्षम बनाना है। इस ध्येय में भी भारत द्वारा रखी गई नींव की साफ झलक दिखती है। भारत ने 'हरित विकास' और 'जलवायु वित्त' के विचारों को 2023 में जी-20 के एजेंडे में सर्वोपरि रखा और विकसित देशों को वित्तीय सहायता के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए सहमत किया। जी-20 के दिल्ली घोषणापत्र में जलवायु संबंधित निवेश और वित्त को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की आवश्यकता पर सर्वसम्मति बनी थी और "वैश्विक स्तर पर सभी स्रोतों से अरबों से खरबों डालर तक का वित्तीय सहयोग" जुटाने का निर्णय लिया गया था।

हालांकि, आज भी जी-20 के विकसित सदस्य विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जूझने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने से कतरा रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारत ने इस विषय को प्रमुखता देने में भूमिका निभाई है और अब ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका उसी आधार को विस्तार दे रहे हैं। अमेरिका में आर्थिक राष्ट्रवादी डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में वापसी के चलते जलवायु परिवर्तन संबंधित वित्तीय सहायता के मोर्चे पर मुश्किलें बढ़ने के आसार हैं। यदि ऐसा होता है तो भारत, ब्राजील और अन्य अग्रणी विकासशील देशों को यूरोप, ब्रिटेन और जापान के साथ मिलकर अभिनव हल तलाशने होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-20 में 'लाइफ' (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) का महामंत्र दिया था और इस अवधारणा को दिल्ली जी-20 शिखर बैठक में प्रमुखता से सराहा गया था। ब्राजील ने पर्यावरण के लिए सामाजिक समावेशन पर जोर दिया है, जिसमें आदिवासियों और पारंपरिक समुदायों की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया गया है। जलवायु परिवर्तन जैसे महा संकट से निपटने के लिए कार्रवाई व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर दोनों पर होनी चाहिए। भारत और ब्राजील ने इस समस्या की तह तक जाकर जो सकारात्मक और सरल समाधान पेश किए, वे मानवता को नष्ट होने से बचा सकते हैं।

ब्राजील की तीसरी प्राथमिकता वैश्विक शासन में सुधार से जुड़ी है। भारत के नेतृत्व में जी-20 ने "बेहतर, व्यापक एवं अधिक प्रभावी" अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान और बहुपक्षीय बैंक बनाने की पहल की थी ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आम नागरिकों में वैश्विक शासन के प्रति विश्वास कायम रखा जा सके। ब्राजील ने इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, जिसकी बनावट 1965 से नहीं बदली है, में सुधार के लिए प्रभावी और ठोस कार्रवाई को विषयवस्तु में शामिल किया है। उल्लेखनीय है कि भारत, ब्राजील, जापान और जर्मनी 'जी-4' के सदस्य हैं जो सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के हकदार हैं। दुख की बात है कि प्रक्रियात्मक और राजनीतिक बाधाओं ने सुरक्षा परिषद सुधारों की राह में अवरोध खड़े कर रखे हैं। भारत जी-20 के जरिये गतिरोध दूर करने के लिए ब्राजील के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है।

पिछले साल की तरह इस बार भी जी-20 में भूराजनीतिक ध्रुवीकरण और विश्व के कई हिस्सों में चल रहे घमासान युद्धों के कारण सर्वसम्मति बनाना काफी कठिन है। भारत ने जिस समझबूझ के साथ जी-20 शिखर सम्मेलन में व्यापक सर्वानुमति हासिल करने का प्रयास किया था, उन प्रयासों में ब्राजील भी हमारा सहभागी था। पीएम मोदी ने अशांत, अस्थिर एवं अनिश्चित वैश्विक वातावरण में 'सेतु' का किरदार बखूबी निभाया था और उसी परिपक्वता की आवश्यकता ब्राजील और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका को है। भारत ने आशा की किरण बनकर अपने आदर्श व्यवहार से जो नई राह दिखाई है, वह कुंजी भविष्य में भी जी-20 के लिए सफलता के द्वार खोलती रहेगी।

(लेखक जिंदल स्कूल आफ इंटरनेशनल अफेयर्स में प्रोफेसर और डीन हैं)

response@jagran.com

प्रदूषण से निपटने का नया हथियार

डा. सुरजीत सिंह

कार्बन क्रेडिट को मुद्रा से जोड़ने से सभी देश ऐसे तंत्र विकसित करने को प्रेरित होंगे, जिससे उत्सर्जन नियंत्रित हो सके

बाकू सम्मेलन पर टिकीं पूरी दुनिया की निगाहें। फाइल

अजरबैजान के बाकू शहर में चल रहे वार्षिक जलवायु सम्मेलन काप 29 में वैश्विक कार्बन बाजार की संकल्पना को अंतिम रूप देने के लिए मतदान किया जा चुका है। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र निकाय के अंतर्गत यह 2022 से लागू हो गया था, परंतु काप 29 में इस पर पूर्ण रूप से सहमति व्यक्त कर दी गई है। यूएन द्वारा स्वीकृत यह पहला कार्बन क्रेडिट बाजार 2025 से अस्तित्व में आएगा। इसमें विभिन्न देश ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को अधिक प्रभावी ढंग से कम करने के साथ-साथ एक दूसरे के साथ कार्बन क्रेडिट का व्यापार भी करेंगे। कार्बन बाजार नियमों के अनुसार यदि कोई इकाई या देश तय सीमा से कम कार्बन का उत्सर्जन करता है तो उसको कार्बन क्रेडिट दिया जाएगा, जिसे वह किसी दूसरी इकाई या देश को पैसे से बेच भी सकता है। यह समझौता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय हो सकता है। इस बाजार को बनाने का उद्देश्य जलवायु क्रियाओं की लागत को कम करके प्रभावी ढंग से लागू करना है। इससे न सिर्फ वैश्विक सामंजस्य स्थापित होगा, बल्कि हम एक हरित स्थायी भविष्य की ओर भी अग्रसर हो सकेंगे। कार्बन बाजार उन देशों और संगठनों के लिए विकास के नए रास्ते खोलेगा, जो उत्सर्जन को कम करने एवं जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तकनीकी नवाचारों के साथ कार्बन क्रेडिट के विकास और व्यापार को प्रोत्साहन दे रहे हैं।

क्रेडिट बाजार में यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन आन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) एक केंद्रीयकृत संस्था के रूप में कार्य करेगी, जो प्रत्येक देश या उसके विभिन्न क्षेत्रों के लिए कार्बन उत्सर्जन की सीमा का निर्धारण करेगी। यदि किसी देश ने अपनी निर्धारित सीमा का कार्बन उत्सर्जित कर लिया है, फिर भी वह उत्पादन जारी रखना चाहता है, तो वह ऐसे किसी देश से कार्बन खरीद सकता है, जिनका कार्बन उत्सर्जन निर्धारित सीमा से कम रहा हो। कार्बन क्रेडिट को मुद्रा से जोड़ने से न केवल सभी देश कार्बन डाईआक्साइड के उत्सर्जन में कमी को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित होंगे, बल्कि एक ऐसे तंत्र को भी विकसित करने में मदद करेंगे, जिससे गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित किया जा सके। वैश्विक कार्बन बाजार के आपसी व्यापार से देशों में न केवल परस्पर निकटता बढ़ेगी, बल्कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को और अधिक मजबूत भी बनाया जा सकेगा। कार्बन बाजार के अस्तित्व में आने के बाद से न केवल जलवायु पविर्तन की दशा एवं दिशा में परिवर्तन आएगा, बल्कि संसाधनों पर नियंत्रण के लिए वैश्विक भू-राजनीति का नया अध्याय भी प्रारंभ होगा, जो भू-राजनीति के लिए गेम चेंजर साबित होगा। विकसित देश विशेषकर यूरोपीय संघ और अमेरिका अब कार्बन केडिट के लिए तैयार हैं। चीन-रूस भी संतुलन को साधने का प्रयास करेगा।

भारत पहले से ही कार्बन उत्सर्जन में कमी को लेकर एवं राष्ट्रीय स्तर पर कार्बन बाजार स्थापित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धताएं व्यक्त करता रहा है। पंचामृत योजना के तहत भारत वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत ने अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के हिस्से के रूप में 2005 के स्तर से 2030 तक उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और 2030 तक 2.5 से तीन अरब टन अतिरिक्त वन और वृक्ष आवरण का कार्बन सिंक बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। भारत इस दिशा में कितना गंभीर है इसे हाल के आम बजट से भी समझा जा सकता है, जिसमें सरकार ने उद्योगों को ऊर्जा दक्षता लक्ष्यों से उत्सर्जन लक्ष्यों में स्थानांतरित करने की दिशा में कार्य की शुरुआत की है। ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2022 के तहत देश में राष्ट्रीय कार्बन बाजार बनाने पर भी काम शुरू कर दिया गया है। जुलाई 2023 में ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन को कम करने के लिए कार्बन क्रेडिट और ट्रेडिंग योजना (सीसीटीएस) की शुरुआत की जा चुकी है। भारत का स्वैच्छिक कार्बन बाजार 1.2 अरब डालर से अधिक का है। कार्बन क्रेडिट उत्पन्न करने वाली भारत की शीर्ष संस्थाएं उत्सर्जन की भरपाई के लिए उपयोग किए जाने वाले कार्बन क्रेडिट से लगभग 65.2 करोड़ डालर कमा चुकी हैं।

अब भारत सरकार को उद्योगों में आधुनिकीकरण, नवीन तकनीकी और नवाचार के प्रयोगों को बढ़ाकर कार्बन क्रेडिट को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। खाली पड़ी लगभग 15 लाख हेक्टेयर भूमि पर पेड़ लगाकर एवं जंगलों का संरक्षण करके भी कार्बन क्रेडिट को बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाना चाहिए। ग्रीन बांड और सतत वित्त की योजनाओं से अधिक लाभ मिलने से ग्रीन निवेश के प्रति आकर्षण को बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय निवेश को भी आकर्षित किया जा सकता है। किसान कार्बन खेती करके अधिक कमाई कर सकते हैं। ऊर्जा से लेकर रियल एस्टेट तक के विभिन्न क्षेत्रों में कार्बन क्रेडिट से संबंधित नए नियम बनाकर ऊर्जा की बचत एवं वनीकरण को प्रोत्साहित किया जा सकता है जिससे न सिर्फ ग्रीनहाउस उत्सर्जन में कटौती होगी, बल्कि कार्बन क्रेडिट भी अर्जित किए जा सकते हैं। शहरों के कचरे से बिजली उत्पादन को बढ़ावा देकर भी कार्बन क्रेडिट बनाए जा सकते हैं। वर्तमान में भारत एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां कार्बन बाजार और आर्थिक विकास के साथ अपने जलवायु लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से संतुलित स्थापित करना होगा। इसके लिए कार्बन बाजार को रणनीतिक रूप से डिजाइन करके, मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करके और नवाचार को प्रोत्साहित करके भारत खुद को सतत विकास में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित कर सकता है।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

योग्यता की परख

कार्य करने की क्षमता को योग्यता कहते हैं। यह सभी जीवों में किसी न किसी रूप में अवश्य विद्यमान रहती है। यही व्यक्ति की कार्य क्षमता का प्रमाण होती है। सामाजिक उत्थान और देश की प्रगति के लिए योग्य एवं ईमानदार नागरिकों की आवश्यकता होती है। इस हेतु उत्कृष्ट शैक्षिक योजना का क्रियान्वयन आवश्यक है। शिक्षा व्यक्ति में गुणवत्ता का आधान कर योग्यता का निर्धारण करती है। पारिवारिक पृष्ठभूमि उसे मजबूत आधार प्रदान करती है। बच्चे में इसके प्रकटीकरण का आभास सर्वप्रथम माता-पिता को होता है। वही उसकी योग्यता को परखकर तदनुरूप उत्तरदायित्व सौंपने के लिए उत्तरदायी होते हैं। इससे कार्य के प्रति निष्ठा जागृत होती है और कार्यसिद्धि अवश्यंभावी हो जाती है। अन्यथा असफल होने पर जीवन में अवसाद का प्रवेश होता है, जिससे होने वाली सामाजिक एवं राष्ट्रीय क्षति का अनुमान भी नहीं लगाया जा सकता।

महाराज दशरथ और रानी कैकेयी इसके उत्कृष्ट उदाहरण हैं। योग्यता की परख न होने से जहां महाराज दशरथ राम को अवध का राज्य देने का मोह संवरण नहीं कर पाते। वहीं कैकेयी राम एवं भरत दोनों की योग्यताओं को पहचानती हैं। उन्हें सम्यक् ज्ञान था कि भरत में भी अयोध्या का राज्य संभालने की योग्यता है, किंतु राम अधर्मी राक्षसों का संहार कर संपूर्ण जगत का मंगल कर सकते हैं। इसीलिए दुनिया में होने वाली अपकीर्ति की परवाह न करके भी भरत के लिए अवध का राज्य तथा राम के लिए वनवास की याचना की।

अतः संतान को जन्म देना ही माता-पिता का कर्तव्य नहीं है। योग्य नागरिक बनाकर योग्यतानुसार राष्ट्र-निर्माण में नियोजित करना उससे बड़ा दायित्व है। इसमें असावधानी बच्चे का ही नहीं, समाज एवं देश का भी अमंगल कर सकती है। आइए बच्चों की योग्यता को परखकर सही दिशा देने का प्रयास करें।

डा. सत्यप्रकाश मिश्र

इंटरनेट मीडिया का सदुपयोग जरूरी

देवेंद्रराज सुथार

इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बच्चे अपनी रचनात्मकता विकसित कर सकते हैं, संचार कौशल सीख सकते हैं और सामाजिक समझ विकसित कर सकते हैं

आस्ट्रेलिया द्वारा 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और टिकटाक जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाने के फैसले ने वैश्विक स्तर पर बच्चों की सुरक्षा पर नई चर्चा को जन्म दिया है। इस युग में हमारे जीवन के कई हिस्से डिजिटल रूप ले चुके हैं। इस व्यापक बदलाव का हमारे स्वभाव और खासकर बच्चों के विकास पर गहरा असर पड़ रहा है। नए तकनीकी युग में बच्चों के लिए बचपन एक भ्रम बन गया है। वे इंटरनेट मीडिया पर आभासी दुनिया में खो जाते हैं, जहां उनकी पहचान बनती है, उनके मूल्य तय होते हैं और उनकी भावनाओं को आकार मिलता है। इस डिजिटल भ्रम का उनके मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षिक प्रगति और व्यक्तित्व विकास पर गहरा असर पड़ता है।

सबसे बड़ी चिंता बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की है। इंटरनेट मीडिया पर दिखने वाली आलीशान जीवनशैली उनमें अकेलेपन, हीनभावना और अवसाद के बीज बोती है। इंटरनेट मीडिया की लगातार मौजूदगी शिक्षा के नजरिये से भी बाधा बनती है। नोटिफिकेशन और रील में उलझा बच्चा अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पाता। इससे शिक्षा की गुणवत्ता और कमजोर होती है। इंटरनेट मीडिया पर बच्चों की मौजूदगी उन्हें साइबर अपराधों का शिकार बनाती है। साइबर बुलिंग, पहचान की चोरी या निजता के उल्लंघन जैसी घटनाएं उनके मनोबल और आत्मविश्वास को कमजोर करती हैं। इंटरनेट मीडिया पर उपलब्ध वैचारिक सामग्री भी बच्चों के नैतिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। हिंसा, नकारात्मकता और कट्टरवाद से भरी यह सामग्री बच्चों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव डाल रही है। उनका नैतिक चरित्र, जो उनके भविष्य को आकार देता है, इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

ऐसे में इंटरनेट मीडिया के लाभकारी पहलुओं से बच्चों को परिचित कराना जरूरी है। यह एक ऐसा माध्यम है जहां वे अपनी रचनात्मकता विकसित कर सकते हैं, संचार कौशल सीख सकते हैं और सामाजिक समझ विकसित कर सकते हैं। इन लाभों को प्राप्त करने के लिए बच्चों को डिजिटल साक्षरता और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जानी चाहिए। वास्तव में प्रौद्योगिकी का उपयोग मानव विकास के लिए किया जाना चाहिए। माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्हें बच्चों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग सिखाना होगा। स्क्रीन टाइम की सीमा तय करना, उचित सामग्री तक पहुंच सुनिश्चित करना और नियमित निगरानी रखना महत्वपूर्ण है। स्कूली पाठ्यक्रम में डिजिटल नागरिकता और साइबर सुरक्षा को शामिल करना दीर्घकालिक समाधान हो सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

अग्निकांड पर कब लगेगी लगाम?

'अस्पताल में आग' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय पढ़ा। एक बार फिर कुछ लोगों की लापरवाही नवजात बच्चों की जान पर भारी पड़ गई। दरअसल महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज, झांसी में आग लगने से कई नवजात बच्चों की मौत हो गई और कुछ घायल भी हुए हैं। देश में इससे पहले भी अग्निकांड के दुखद हादसे हो चुके हैं, लेकिन इन अग्निकांडों से कोई सबक नहीं लिया गया। अगर लापरवाही बरतने वाले लोगों पर सख्त एक्शन लिया जाए तो देश में ऐसे हादसों पर लगाम लग सकती है, लेकिन ऐसा करे कौन? ज्यादातर सत्ताधारियों और राजनेताओं को तो अपने वोट बैंक की चिंता है। जिस देश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर हो, जहां सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की दलदल में बुरी तरह धंसा हो, वहां भविष्य में भी ऐसे हादसों पर शायद ही लगाम लगे। हमारे यहां अवैध और असुरक्षित निर्माण भी खूब होते हैं। सवाल यह भी खड़ा होता है कि जो सरकारें और अन्य लोग करोड़ों की बहुमंजिला इमारत बनाने और उन इमारतों से कमाई के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर देते हैं वे लाखों की एक फायर ब्रिगेड क्यों नहीं खरीद लेते या फिर हजारों की सैलरी पर आग बुझाने वाले कर्मचारी स्थायी तौर पर क्यों नहीं रख लेते? अगर देश में निष्पक्ष और उचित जांच की जाए तो बहुत-सी इमारतें, चाहे वे व्यापार करने के लिए प्रयोग की जा रही हों या फिर उद्योग के रूप में प्रयोग की जा रही हों, उनमें न तो आग लगने से होने वाले नुकसान के लिए उचित प्रबंध किए होंगे और न ही प्राकृतिक आपदा भूकंप से बचाव के लिए। देश में बहुत से ऐसे भी बाजार हैं, जो तंग गलियों में हैं, वहां भी अग्निकांड भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

ट्रंप और विश्व राजनीति

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में वापसी कर रहे हैं। अब अमेरिका और विश्व की राजनीति पर गहरा प्रभाव दिखाई दे सकता है। ट्रंप अपनी "अमेरिका फर्स्ट" नीति के तहत अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों के ऊपर बड़ा फैसला ले सकते हैं। रूस और युक्रेन युद्ध तथा इजरायल और हमास युद्ध को अपने कूटनीति और प्रभाव से रुकवा सकते हैं। चीन और ईरान डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने पर बिल्कुल भी सकारात्मक और उत्साहित नहीं हैं, इसका बहुत बड़ा कारण यह है कि डोनाल्ड ट्रंप सत्ता में आने के बाद इन दोनों देशों के खिलाफ कुछ बड़ा राजनीतिक या आर्थिक रूप से एक्शन ले सकते हैं। इसके साथ ही डोनाल्ड ट्रंप का आना बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के लिए सकारात्मक रूप से देखा जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद शेख हसीना का बांग्लादेश जाने के आसार बन सकते हैं। जगजाहिर है कि डोनाल्ड ट्रंप भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना सबसे अच्छा दोस्त मानते हैं और मोदी भी दुनिया के उन नेताओं में से हैं, जिन्होंने सबसे पहले डोनाल्ड ट्रंप को जीत की बधाई दी।

विजय किशोर तिवारी, नई दिल्ली

दलबदल की समस्या

'राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव' शीर्षक से लिखे आलेख में राहुल वर्मा ने दलबदल की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए व्यापक राजनीतिक एवं चुनाव सुधार की आवश्यकता जताई है एवं पश्चिमी देशों के राजनीतिक दलों के सांगठनिक ढांचे से बहुत कुछ सीखने को कहा है। यह बात सौ प्रतिशत सही है कि दलबदल के दलदल से मुक्ति पाने के लिए जो दलबदल निरोधक कानून 1985 में लाया गया, फिर 2002 में वाजपेयी सरकार ने इसमें संशोधन किया उससे जनप्रतिनिधि राजनीतिक दलों के बंधुआ मजदूर बनकर रह गए एवं चुनाव बाद जनप्रतिनिधि एवं उसके समूह के पाला बदलने का खेल और मजबूत हुआ। इसके लिए ऐसे नए तरीके निकाले गए जो लोकतंत्र के लिए और भी महंगे साबित हो रहे हैं। रही सही कसर पूरी कर दी चुनाव में धनबल एवं बाहुबल का प्रयोग ने। लिहाजा जन दबाव के माध्यम से ही राजनीतिक एवं चुनाव सुधार संभव है।

मुकेश कुमार मनन, पटना

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

40 प्रतिशत परिवारों के पास दोपहिया वाहन उपलब्ध हैं देश के शहरी क्षेत्रों में वर्तमान में, जबकि एक दशक पहले यह आंकड़ा केवल छह प्रतिशत के आसपास ही था।

कैलाश बिश्नोई
उच्च शिक्षा मामलों के जानकार

प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना

धन के अभाव में नहीं रुकेगी शिक्षा

बीते दिनों केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मंजूर की गई पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना मेधावी छात्रों को आर्थिक सहयोग देकर उनकी शिक्षा को सशक्त बनाने का एक दूरदर्शी कदम है। भारत में यह योजना उच्च शिक्षा की दिशा में एक नई राह खोलने में सक्षम दिख रही है। यह योजना छात्रों के भविष्य को संवारने और समाज में शिक्षा की असमानता को कम करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उम्मीद की जा रही है कि व्यापक संख्या में वंचित वर्ग के बच्चों को इसका लाभ मिलेगा

प्रतीकात्मक

प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना मेधावी छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के नए द्वार खोलती है। आर्थिक सहयोग से सशक्त बनने वाली इस योजना का उद्देश्य छात्रों को वित्तीय कठिनाइयों से मुक्त कर शिक्षा की असमानता को कम करना है। योजना के तहत 7.5 लाख रुपये तक के लोन पर 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी और 10 लाख रुपये तक के लोन पर ब्याज सब्सिडी जैसे प्रविधान किए गए हैं, जिससे छात्रों को सुरक्षित और सहज रूप से लोन मिल सकेगा।

यह योजना उन छात्रों को अवसर प्रदान करती है जिनके पास टैलेंट तो है, लेकिन आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने में कठिनाई हो रही है। अक्सर शिक्षा के लिए लोन लेने में छात्रों और उनके परिवारों को गारंटी या जमानत देने की आवश्यकता होती है, जो गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए एक बड़ी बाधा होती है। इस योजना के तहत छात्रों को बिना किसी गारंटी के लोन दिया जाएगा, जिससे परिवार पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा। इस योजना में ऐसे छात्र भी शामिल किए गए हैं जो अन्य सरकारी छात्रवृत्ति योजनाओं या ब्याज सब्सिडी के पात्र नहीं हैं। यह विशेष रूप से मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए लाभदायक होगा, जो स्वयं को किसी तरह शिक्षा के खर्चों में सीमित रखते हैं। इस योजना का प्रभाव न केवल शिक्षा क्षेत्र में, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य में भी देखा जा सकता है। इससे समाज में समान अवसर की भावना को बल मिलेगा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के छात्रों के लिए शिक्षा का द्वार खुला रहेगा।

इस योजना के तहत बिना गारंटी के लोन और क्रेडिट गारंटी जैसी सुविधाएं छात्रों में उच्च शिक्षा के प्रति रुचि को बढ़ावा देंगी। जो छात्र वित्तीय समस्याओं के कारण उच्च शिक्षा के प्रति हिचकिचाते थे, उनके लिए यह योजना एक प्रोत्साहन साबित होगी। योजना में केवल उन्हीं संस्थानों को शामिल किया गया है जिनकी रैंकिंग एनआइआरएफ में अच्छी है। इसका मतलब है कि छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा संस्थानों में दाखिला लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता का स्तर ऊंचा होगा। हालांकि यह योजना अपने आप में प्रगतिशील है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। योजना की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि कैसे सही छात्रों तक पहुंच बनाई जाए और कैसे लोन के वापसी का कार्य व्यवस्थित ढंग से किया जाए। इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि इस योजना का लाभ केवल उन छात्रों को मिले, जिनकी वित्तीय स्थिति वास्तव में इसकी मांग करती है।

चुनौतियां : प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना योग्य छात्रों को बिना किसी वित्तीय बाधा के उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर देती है। हालांकि इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना होगा, जिनका निराकरण भी आवश्यक है। सरकार ने इस योजना के तहत बड़े पैमाने पर लोन वितरण और ब्याज सब्सिडी का प्रविधान किया है, लेकिन इसका वित्तीय बोझ सरकारी खजाने पर पड़ेगा। इसके लिए निरंतर वित्तीय समर्थन की आवश्यकता होगी। वर्तमान में बजट में शिक्षा और कौशल विकास के लिए आवंटित राशि सीमित है। ऐसे में इस योजना को दीर्घकालिक रूप से चलाना एक चुनौती बन सकता है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों तक इस योजना की पहुंच सुनिश्चित करना भी एक बड़ी चुनौती होगी, जहां बैंकों की उपस्थिति सीमित है और डिजिटल सेवाओं की कमी है। इस योजना के तहत छात्रों को बिना गारंटी के लोन देने का प्रविधान है, लेकिन इसकी वितरण प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाना जरूरी है। लोन की मंजूरी और वितरण में होने वाली जटिलताएं और पेपरवर्क कई बार छात्रों और उनके परिवारों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, भ्रष्टाचार या गलत लाभार्थियों को चुनने जैसी समस्याएं इस योजना की सफलता में बाधा डाल सकती हैं। यदि लोन आवेदनों का सत्यापन सही तरीके से नहीं किया गया, तो इसका लाभ वास्तविक जरूरतमंद छात्रों तक नहीं पहुंच पाएगा।

योजना में गरीब छात्रों को ब्याज सब्सिडी देने का प्रविधान है, लेकिन इस पर निर्भरता को सुनिश्चित करने के लिए सरकार को एक ठोस नीति की आवश्यकता होगी। इस योजना के तहत यदि छात्रों को ब्याज सब्सिडी दी जाती है, तो इसे एक दीर्घकालिक नीति के रूप में कार्यान्वित करना जरूरी होगा, ताकि यह छात्रों के लिए एक स्थायी सहारा बन सके। यदि सब्सिडी प्रणाली अस्थिर रही तो छात्रों और उनके परिवारों पर वित्तीय दबाव बढ़ सकता है, जिससे उनकी शिक्षा अधूरी रह सकती है। चूंकि इस योजना के तहत बिना गारंटी के लोन दिए जाएंगे, इसलिए यह संभावना बनी रहती है कि कुछ छात्र इस लोन का सही उपयोग न करें। लोन का उपयोग शिक्षा के बजाय अन्य कार्यों में किए जाने का जोखिम है, जिससे योजना का उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। इसके साथ ही, योजना के तहत मिलने वाले लोन की वापसी सुनिश्चित करना भी एक चुनौती होगी। ऐसे में सरकार को लोन मानिटरिंग की एक प्रभावी प्रणाली विकसित करनी होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह धनराशि केवल शिक्षा के उद्देश्य से ही खर्च की जा रही है।

आगे की राह : पीएम-विद्यालक्ष्मी योजना के माध्यम से सरकार ने मेधावी छात्रों के शैक्षिक भविष्य को सुरक्षित करने का एक दूरदर्शी प्रयास किया है, लेकिन इस योजना की सफलता के लिए उपरोक्त चुनौतियों का समाधान करना अनिवार्य होगा। इसके लिए सरकार को लोन प्रक्रिया में पारदर्शिता, छात्रों के लाभ के लिए सही मानिटरिंग सिस्टम और बैंकों के साथ समुचित तालमेल सुनिश्चित करना होगा। यह योजना भारतीय युवाओं को शिक्षा में समानता प्रदान करने के साथ ही देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध हो सकती है, बशर्ते इसके कार्यान्वयन में उपयुक्त सुधार और समन्वय हो।

कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर अंकुश

हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए जारी नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। कोचिंग संस्थानों में विश्वास की बहाली की दिशा में यह एक महत्त्वपूर्ण पहल है। भारत में हर साल लाखों छात्र यूपीएससी, नीट, जेईई और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थानों का सहारा लेते हैं। ये संस्थान छात्रों को सफलता दिलाने का भरोसा देकर आकर्षित करते हैं। कुछ कोचिंग सेंटर तो शत-प्रतिशत चयन की गारंटी तक देते हैं, जिससे युवा और उनके अभिभावक अक्सर इनके जाल में फंस जाते हैं। इस स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए जारी किए गए दिशानिर्देश एक महत्वपूर्ण और साहसिक कदम है। कोचिंग संस्थान अपनी मार्केटिंग में बड़े-बड़े दावे करते हैं जैसे '100 प्रतिशत सफलता की गारंटी,'' 'हमारे छात्रों की टाप रैंक,'' या ''नौकरी की शत प्रतिशत गारंटी।'' इन दावों का असर यह होता है कि छात्र और उनके माता-पिता भारी शुल्क का भुगतान करते हैं, लेकिन वास्तविकता में चयन की कोई निश्चितता नहीं होती। कई बार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र अपनी सारी जमा पूंजी या लोन लेकर इन संस्थानों में दाखिला लेते हैं, लेकिन अगर वांछित परिणाम न मिले तो न उनका आत्मविश्वास टूटता है।

कोचिंग संस्थानों को अब पाठ्यक्रमों, अवधि, शिक्षकों की योग्यता, फीस संरचना और चयन दरों जैसे पहलुओं पर स्पष्ट जानकारी देनी होगी। ये नियम केवल छात्रों के हित में नहीं, बल्कि एक पारदर्शी शिक्षा प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक हैं। भ्रामक विज्ञापनों के दुष्प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह समूचे शिक्षा क्षेत्र पर अविश्वास की भावना उत्पन्न करते हैं। कोचिंग संस्थान जब बिना किसी सच्चाई के चयन और नौकरी की गारंटी के नाम पर छात्रों को भ्रमित करते हैं, तो शिक्षा जगत की साख पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बड़ा प्रश्न यह उठता है कि कोचिंग संस्थानों की जवाबदेही को कैसे सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए न केवल निगरानी की जरूरत है, बल्कि उल्लंघन करने पर कड़ी सजा भी आवश्यक है। साथ ही, एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र को लागू करना भी अनिवार्य होगा। यदि यह पहल सही ढंग से लागू की जाती है, तो यह कदम शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव का आगाज करेगा और कोचिंग उद्योग को अधिक विश्वसनीयता की ओर ले जाएगा।

कोचिंग संस्थानों के प्रदर्शन की एक सार्वजनिक रेटिंग प्रणाली होनी चाहिए। इस रेटिंग में संस्थान की सफलता दर, छात्रों की संतुष्टि, फीस और रिफंड पालिसी जैसी जानकारी होनी चाहिए। सभी कोचिंग संस्थानों के विज्ञापनों को किसी अधिकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाना अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि भ्रामक दावों पर रोक लगाई जा सके। उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के तहत एक मजबूत शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए, जहां छात्रों और अभिभावकों की शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके। सरकार को ऐसी योजनाओं को बढ़ावा देना चाहिए, जो गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों को वित्तीय अनुदान या छात्रवृत्ति प्रदान करें, ताकि उन्हें केवल महंगे कोचिंग सेंटर पर निर्भर न रहना पड़े। कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाना एक महत्वपूर्ण कदम है जो छात्रों और अभिभावकों को न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में पारदर्शिता को बढ़ावा देगा। हालांकि इस दिशा में चुनौतियां अवश्य हैं, लेकिन सरकार, उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण और समाज के समन्वित प्रयास से इन दिशानिर्देशों का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकता है। (कैलाश बिश्नोई)

खरी-खरी

भयंकरजी का व्यंग्य

पूरन सरमा

भयंकरजी धीर-गंभीर आलोचक थे। मेरे जैसे लेखक से बात करना उनकी शान के खिलाफ था, लेकिन आलोचना की हालत खस्ता होने से न तो लेखक उन्हें पुस्तकें भेज रहे थे और न ही स्व प्रेरणा से लिखी उनकी आलोचना कोई पत्र छाप रहा था। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि अपने आपको लाइमलाइट में रखने के लिए वे क्या करें? अंत में हारे को हरि नाम होता है। उन्हें लगा कि व्यंग्य का बाजार गर्म है और व्यंग्य के नाम पर कुछ भी लिखा जा सकता है। इसी विचार से प्रेरित होकर उन्होंने अपने आपको व्यंग्य की ओर उन्मुख किया और लिख मारा रेलवे स्टेशन मास्टर की बेबसी पर व्यंग्य। व्यंग्य लिखने के बाद वे आ धमके मेरे पास। मैंने आश्चर्य से कहा, 'प्रभो, यह उल्टी गंगा क्यों? मुझ अनाथ को बुला लिया होता, आपने कष्ट क्यों किया?'

भयंकरजी थोड़े से हंसे और बोले, 'शर्मा, कोई उल्टी गंगा नहीं बही। मुझे ही आना था इस बार तुम्हारे पास। तुम प्रतिभा के पुंज हो, यह देखो मैंने एक व्यंग्य रचना लिखी है। इसे पढ़कर बताओ कि यह 'व्यंग्य' बना या नहीं।' मैंने कहा, 'आपने ऊपर 'व्यंग्य' तो लिख दिया न। जहां तक पढ़ने का सवाल है, मैं आपकी व्यंग्य रचना क्या पढ़ूंगा। आप ठहरे मूर्धन्य और स्वनामधन्य आलोचक, आपको पता है एक अच्छी रचना कैसे लिखी जाती है। मैं रचना छपने के बाद तो आपकी रचना पढ़ सकता हूं, लेकिन अप्रकाशित रचना पर कोई कमेंट करूं, यह मेरे जैसे छोटे लेखक को शोभा नहीं देता।' भयंकरजी ने कहा,'शर्मा तुमने व्यंग्य में शोहरत पाई है, मुझे पता है तुम बेबाक राय इस व्यंग्य रचना पर दे सकते हो।'

मैंने उस तथाकथित व्यंग्य रचना को पढ़ा, एक पल सोचा और बोला, 'यह द्विवेदी कालीन जैसा लेखन है भयंकरजी। मेरा मतलब यह व्यंग्य नहीं, स्टेशन मास्टर पर रेखाचित्र। उसकी बेचारगी का वर्णन है। आप इसे व्यंग्य क्यों कह रहे हैं?'

'शर्मा, मैं व्यंग्य की बात कर रहा हूं। तुम रेखाचित्र को रो रहे हो। क्या रेल दुर्घटनाओं के लिए बेचारे स्टेशन मास्टर को दोषी ठहरा देना सरकार पर व्यंग्य नहीं है?' भयंकरजी ने मेरे सामने भयानक स्थिति पैदा की। अब तो मैं निरुत्तर हो गया।

X पोस्ट

जुर्माने को दोगुना करने से यदि पराली जलाने पर रोक लगना संभव होता तो वाहन कानून के तहत जुर्माना सहित दंड बढ़ाने से सड़क दुर्घटनाएं कम होने के बजाय बढ़ती नहीं। समस्या के मूल कारणों पर अधिक काम करने की आवश्यकता है, न कि केवल लक्षणों पर।
आरके विज@ipsvijrk

देश में महंगाई दर अक्टूबर में 6.21 प्रतिशत रही। यह रिजर्व बैंक के 2-6 प्रतिशत के दायरे से बाहर है। अब रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कटौती नहीं कर पाएगा। कटौती नहीं होने के कारण मंदी आने की आशंका है। लगता है भारतीय अर्थव्यवस्था कुएं और खाई के बीच झूल रही है। एक महीने में शेयर बाजार में भी काफी गिरावट आ चुकी है।
मिलिंद खांडेकर@milindkhandekar

अगर बार्डर-गावस्कर ट्राफी से पहले बल्लेबाजी सलाहकार के रूप में सचिन तेंदुलकर को भारतीय टीम के साथ जोड़ा जाए तो इससे बड़ी मदद मिलेगी। पहला टेस्ट न सही, लेकिन दूसरे टेस्ट में अभी भी काफी समय बचा हुआ है तो इसके लिए कोई राह तलाशी जा सकती है।
डब्ल्यूवी रमन@wvraman

जागरण जनमत

कल का परिणाम

मादक पदार्थों को पकड़ने में मिलती कामयाबी से तस्करों के हौसले पस्त हो रहे हैं?

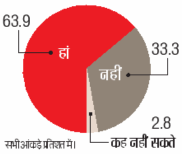

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या कैलाश गहलोत के इस्तीफे से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की संभावनाओं पर खराब असर पड़ेगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

आएं अब इक मंच पर सारे साधु-संत,
और लगें देने सभी 'एक रहो' का मंत्र।
'एक रहो' का मंत्र जगेगा तभी स्नातन,
तब दुश्मन के द्वार समझिए पसरा मातम।
मठ-मंदिर में बैठ तनिक ना समय गंवाएं,
देश जगाने हेतु साथ सब मिलकर आएं।
- ओमप्रकाश तिवारी

सतीश चंद्र श्रीवास्तव
संपादकीय प्रभारी, रायपुर

छत्तीसगढ़ डायरी

संस्कृति संरक्षण से जुड़ा जनजाति गौरव

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन चर्चा के केंद्र में है। भगवान बिरसा मुंडा तो अपने चमत्कारिक व्यक्तित्व के कारण जीवन काल में ही भगवान कृष्ण का अवतार घोषित कर दिए गए थे। प्रदेश के पहले आदिवासी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मतांतरण के लिए कुख्यात जशपुर जिले में बुधवार को पदयात्रा कर इसे और चर्चित बना दिया। झारखंड से सटे इस जिले में पिछले महीने ही मतांतरितों ने 130 किमी लंबी मानव श्रृंखला बनाकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया था। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख भाई मांडविया के नेतृत्व में 'माटी के वीर पदयात्रा' को उसी के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय के योगदान और गुमनाम नायकों के बलिदान को स्मरण करने का विशेष दिवस बन गया है।

केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर दिया था। परंतु प्रदेश में पहली बार विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रमुखता से सरकारी आयोजन हुआ है। इसे दिसंबर 2023 में विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता के साथ वैचारिक परिवर्तन का परिणाम भी माना जा रहा है। इससे पहले की कांग्रेस सरकार नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन को प्राथमिकता देती थी तो सत्तारूढ़ भाजपा और उससे जुड़े संगठन उक्त आयोजन को आदिवासियों के साथ हुए अत्याचार से जुड़े दिवस के रूप में उल्लेखित करते रहे। यह ऐतिहासिक तथ्य और सत्य भी है कि अमेरिका में उपनिवेशवाद की स्थापना के साथ बड़े स्तर पर आदिवासी जनसंहार के नायक कोलंबस की याद में 12 अक्टूबर को कोलंबस दिवस मनाए जाने के विरुद्ध आंदोलन को शांत करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहल पर 1994 से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाने लगा।

प्रदेश में विष्णु देव साय विभिन्न मंचों से सचेत कर रहे हैं कि जनजातीय समाज के समक्ष चुनौतियां बढ़ गई हैं। ऐसे में अपने राष्ट्रीय नायक बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है जिन्होंने मात्र 24 वर्ष की आयु में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी। आदिवासी समुदायों के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और विरासत के इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य एकता, गौरव और प्रगति में उनके योगदान को सुनिश्चित करने का प्रयास है। यही कारण है कि विष्णु देव साय बिरसा मुंडा के आरंभिक जीवन को गढ़ने में रामायण व महाभारत की कथाओं की भूमिका की भी बात करते हैं।

आदिवासी गौरव दिवस के अवसर पर जशपुर में 'माटी के वीर पदयात्रा' के दौरान मनसुख भाई मांडविया (बीच में) के साथ सेल्फी लेते हुए विष्णु देव साय (दाएं)। डीपीआर

मुख्यमंत्री आदिवासी समाज को सचेत भी कर रहे हैं कि ब्रिटिश काल में भी कुछ शक्तियां सामाजिक ताना-बाना और राष्ट्रीय एकता को नष्ट करने की कोशिश कर रही थीं, ताकि जनजातीय समाज की पहचान ही समाप्त हो जाए। साय आदिवासी समाज तक संदेश पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं कि बिरसा मुंडा ने भी भगवान श्रीकृष्ण की तरह ही धर्म रक्षा का संकल्प लेते हुए समाज को एकजुट किया। जनजातीय समाज की आस्था पर चोट के प्रति मुख्यमंत्री की चिंता इन बातों के साथ सामने आ रही है कि कुछ शक्तियां हमें अपने देवी-देवताओं से दूर करने की कोशिश कर रही हैं। दूसरा खतरा वह माओवाद के आयातित विचार में चिन्हित कर रहे हैं जो लाखों लोगों की बलि लेकर पनपता है और हिंसा में भरोसा करता है। सांस्कृतिक सद्भाव में विश्वास रखने वाली जनजातीय संस्कृति को मतांतरण और माओवाद की चुनौतियों से बचाने के लिए आदिवासी मुख्यमंत्री द्वारा बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रतिज्ञा दिलाया जाना बदलाव की तरफ संकेत कर रहा है।

मुख्यमंत्री द्वारा उठाए जाने वाले मामलों की गंभीरता को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ईसाई आदिवासी महासभा ने शनिवार को ही राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर प्रदेश सरकार पर मतांतरण का झूठा आरोप लगाते हुए पादरियों और ईसाइयों पर कार्रवाई का आरोप लगाया है। प्रदेश में पिछले 11 महीनों में 15 एफआइआर दर्ज होने से इस बात को आधार भी मिल रहा है। इसी तरह भिलाई और जगदलपुर में मतांतरण की आशंका वाले आयोजनों को प्रशासन ने अनुमति भी नहीं दी है। ईसाई संगठन ने चेतावनी दी है कि सरकार ने कार्रवाई नहीं रोकी तो धार्मिक स्वतंत्रता हनन के मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी आवाज उठाएंगे। विष्णु देव सरकार की नीतियों से ईसाइयों को इस बात का भी डर सताने लगा है कि उनकी संस्थाओं को शासकीय अनुदान समाप्त किया जा सकता है। स्कूलों में छुट्टी के बाद ईसाई मत की शिक्षा पर प्रतिबंध लगाए जाने तथा कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा अनुदान बंद करने की धमकी दिए जाने का भी ज्ञापन में उल्लेख स्पष्ट कर रहा है कि जनजातीय गौरव दिवस का उद्देश्य संस्कृति संरक्षण से जुड़ा है और उसकी प्रासंगिकता काफी बढ़ गई है। मतांतरण के कारण प्रदेश के गांव-गांव में देवी-देवताओं के पूजन स्थल देवगुड़ी भी संकट में हैं। उनके संरक्षण की भी पहल हुई है। माना जा रहा है कि साय सरकार ने बेगा, गुनिया और सिरहा के लिए प्रतिवर्ष पांच हजार की सम्मान निधि घोषित कर संस्कृति संरक्षण दिशा की दिशा में सकारात्मक कदम बढ़ाया है।

मंथन

प्रह्लाद सबनानी
आर्थिक मामलों के जानकार

गरीबी घटाने में सफलता

केंद्र सरकार के प्रयासों से पिछले एक दशक में गरीबी कम करने की दिशा में सफलता मिली है। शोध अध्ययनों के साथ ही धरातल पर भी इसे वास्तव में देखा-महसूस किया जा रहा है

विश्व के विभिन्न देशों, विशेष रूप से विकसित देशों में अतिगरीबी को कम करने के लिए लंबे आर्थिक विकास के चक्र की आवश्यकता रही है। यह सही है कि इन देशों में लंबे समय तक तेज गति से हुए आर्थिक विकास एवं पूंजी निर्माण के चलते ही अतिगरीबी को कम किया जा सका है, परंतु इन देशों में गरीबी का उन्मूलन तो संभवतः अभी भी नहीं हो पाया है। विकासशील देशों सहित विकसित देशों, विशेष रूप से अमेरिका में तो आज भी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिक दिखाई देते हैं।

वैसे भारत में 10 वर्षों में अतिगरीबी को कम करने संबंधी क्षेत्र में अतुलनीय कार्य हुआ है एवं अतिगरीबी में जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य शमिका रवि द्वारा किए गए एक शोध-अध्ययन में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इसमें यह बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के गरीब नागरिकों तक पहुंच रहा है। वैश्विक स्तर पर गरीबी को दूर करने संबंधी कई दीर्घकालीन लक्ष्यों को विभिन्न देशों के लिए निर्धारित किया गया है। इन लक्ष्यों में इस धरा से अतिगरीबी को समाप्त करने का लक्ष्य भी शामिल हैं। कोविड के खंडकाल एवं इसके बाद के खंडकाल में पूरे विश्व में केवल भारत ने ही अतिगरीबी को कम करने में अतुलनीय सफलता अर्जित की है। वैसे कई विकसित देश आज भी कोविड महामारी के समय के विपरीत आर्थिक परिणामों से उबर नहीं पाए हैं। भारत ने अन्य कई अमीर देशों की तुलना में भी अच्छी सफलताएं अर्जित की हैं। दक्षिणी अफ्रीका, जो भारत से तीन गुणा अधिक अमीर है और ब्राजील, जो भारत से 2.5 गुणा अधिक अमीर है, उसकी तुलना में भारत में अतिगरीबी तेज गति से कम हुई है। इसलिए यहां प्रश्न यह नहीं है कि आपके पास कितने संसाधन उपलब्ध हैं, बल्कि प्रश्न यह है कि आप इन संसाधनों का कितनी सक्षमता से उपयोग कर पा रहे हैं।

भारत में बिजली की उपलब्धता में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है। कुछ वर्ष पूर्व तक सबसे अत्यंत गरीब परिवारों में से केवल आधे के पास ही बिजली की उपलब्धता थी, जबकि आज उक्त समूह के 90 प्रतिशत से अधिक परिवारों के पास बिजली की सुविधा उपलब्ध हो गई है। भारत में सबसे अधिक गरीबतम परिवारों के बीच प्रति परिवार प्रतिमाह खर्च करने की क्षमता में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई है। अनुसूचित जाति के परिवारों की प्रतिमाह खर्च करने की क्षमता में 178 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसे समावेशी विकास कहा जा सकता है।

दोपहिया वाहन : आज से 10 वर्ष पूर्व तक सबसे निचले तबके के केवल छह प्रतिशत परिवारों के पास ही दोपहिया वाहन उपलब्ध थे, जबकि आज 40 प्रतिशत परिवारों के पास दो पहिया वाहन उपलब्ध हैं। इन आंकड़ों के माध्यम से इस वर्ग के परिवारों की आय में हो रही वृद्धि को ही दर्शाया गया है। यह वृद्धि ग्रामीण एवं शहरी दोनों ही इलाकों में हुई है। इस प्रकार आज भारत में ग्रामीण इलाकों ने भी विकास की रफ्तार पकड़ ली है। अब तो ग्रामीण इलाकों में भी ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था करने का समय आ गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी ढांचागत विकास को और अधिक तेज करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। भारत के गांव अब पुराने गांव नहीं रह गए हैं, बल्कि नए परिवेश में ग्रामीण इलाकों में भी समस्त प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होने लगी हैं। आज कई उपभोक्ता वस्तुओं का व्यापार करने वाली कंपनियों के व्यापार में वृद्धि शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक हो रही है।

खानपान में बदलाव : भारत के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में परिवारों के बीच खानपान का स्वरूप भी बदल रहा है। पहले फलों को विलासिता की वस्तु के रूप में पेश किया जाता था, परंतु आज फलों एवं सब्जियों के उपयोग को आवश्यकता के तौर पर देखा जा रहा है एवं इनके उपयोग में भारी वृद्धि दिखाई दे रही है। देश में सबसे गरीब 10 प्रतिशत परिवारों में 10 वर्ष पूर्व तक केवल 31 प्रतिशत परिवार ही ताजा फलों का उपयोग कर पाते थे, जबकि आज इस समूह के 70 प्रतिशत परिवारों द्वारा ताजा फलों का उपयोग किया जा रहा है। आज मौसमी ताजा फलों की उपलब्धता भी बारहों महीने हो गई है, क्योंकि भंडारण की सुविधा बढ़ी है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना का पर्याप्त विकास हुआ है। उत्पादों की सप्लाई चेन की सुविधाओं में विस्तार हुआ है, यातायात की सुविधाएं विकसित हुई हैं एवं ग्रामीण इलाकों तक अच्छे मार्गों का निर्माण हुआ है, जिसके चलते आज फलों एवं सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने के साथ साथ इनकी खपत भी देश में बढ़ी है।

पिछले एक दशक में दोपहिया वाहन खरीदने वालों की संख्या में व्यापक वृद्धि हुई है। फाइल

****

अक्टूबर में कपड़ा निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली : अक्टूबर में भारत का कुल कपड़ा निर्यात पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 11.56 प्रतिशत बढ़ा है। कन्फेडरेशन आफ टेक्सटाइल इंडस्ट्री का डाटा के अनुसार, पिछले महीने 183.39 करोड़ डालर के कपड़ों का निर्यात किया गया है। इस दौरान अपैरल निर्यात 35.06 प्रतिशत बढ़कर 122.74 करोड़ डालर रहा है। अप्रैल-अक्टूबर 2024 में कपड़ा निर्यात 4.01 प्रतिशत बढ़ा है। (एएनआइ)

वर्ष के अंत में मांग के कारण चालू तिमाही में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।
– शैलेष चंद्रा, प्रबंध निदेशक, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल

चीन पर अमेरिकी शुल्क भारत के लिए बड़ा मौका

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार शुरू होने के प्रबल आसार

राजीव कुमार ● जागरण

60 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे चीन में बने उत्पादों पर डोनाल्ड ट्रंप

13.9% हिस्सेदारी थी चीन की 2023 में अमेरिका के कुल आयात में

- ट्रंप के फैसले से अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने का मौका मिलेगा
- चीन में बने उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ने से भारत का रुख कर सकती हैं कंपनियां

चीन पर आयात शुल्क लगने से भारत के मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र को लाभ होगा ● प्रतीकात्मक

नई दिल्ली : एक बार फिर से डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार (व्यापार युद्ध) छिड़ने के प्रबल आसार दिख रहे हैं। ट्रंप ने साफ कर दिया है घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिए वह अमेरिका में होने वाले सभी आयात पर 10-20 प्रतिशत का शुल्क तो चीन से होने वाले आयात पर 60 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाएंगे। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप के इस फैसले से अमेरिका के बाजार में भारतीय वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने का बड़ा मौका होगा और इससे भारतीय मैन्यूफैक्चरिंग को बड़ा बूस्ट मिलेगा। चीन में निर्माण करने वाली अमेरिकी, ताइवान, जापान व कोरिया जैसे देशों की कंपनियों के लिए अमेरिका में निर्यात करना काफी महंगा हो जाएगा। ये कंपनियां चीन की जगह किसी अन्य देश में अपनी मैन्यूफैक्चरिंग शिफ्ट कर सकती है और भारत उन्हें अपनी ओर आकर्षित कर सकता है।

चीन पर 60 प्रतिशत का आयात शुल्क लगने से चीन की वस्तुएं अमेरिकी बाजार में काफी महंगी हो जाएंगी और भारत को इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रानिक्स से लेकर लेदर, अपैरल, मशीनरी व खिलौना जैसे कई उत्पादों का निर्यात अमेरिका के बाजार में बढ़ाने का मौका मिलेगा। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका में चीन से खरीदारी को हतोत्साहित करना शुरू हुआ। नतीजतन वर्ष 2018 के बाद हर साल चीन से अमेरिका का आयात कम हो रहा है। वर्ष 2017 में अमेरिका के कुल आयात में चीन की हिस्सेदारी 22 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2023 में घटकर 13.9 प्रतिशत रह गई। यह भारत के कुल निर्यात से अधिक है। चीन ने 2023 में अकेले अमेरिका में 448 अरब डालर का निर्यात किया, जो 2023-24 में भारत के 437 अरब डालर के कुल निर्यात से अधिक है। पिछले वित्त वर्ष में भारत ने अमेरिका को 82 अरब डालर का निर्यात किया था।

निर्यातकों का कहना है कि अमेरिका के बाजार में चीन के हिस्से का पांच प्रतिशत व्यापार अगर भारत के पाले में आ जाए तो 20 अरब डालर का अतिरिक्त व्यापार मिल सकता है और भारत के वस्तु निर्यात में पांच प्रतिशत का इजाफा हो जाएगा। चीन ने वर्ष 2023 में अमेरिका को 126 अरब डालर का इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों का निर्यात किया। इस अवधि में ही चीन ने अमेरिका को 85 अरब डालर की मशीनरी, 10.4 अरब डालर के फुटवियर, 10 अरब डालर के गारमेंट तो 33 अरब डालर के खिलौने व अन्य गेम उत्पाद का निर्यात किया। निर्यातकों का कहना है कि इन उत्पादों में भारत अपना निर्यात बढ़ा सकता है।

वाणिज्य विभाग सक्रिय

छह साल पहले अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वार के शुरू होने के बाद भारत को सिर्फ इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों के वैश्विक व्यापार में चीन की हिस्सेदारी कब्जाने और फोन निर्माता कंपनी एपल को भारत लाने में सफलता मिली। अमेरिका-चीन ट्रेड वार का फायदा भारत से अधिक वियतनाम व मलेशिया जैसे देशों को हुआ। जानकार बताते हैं कि ये देश फिर अमेरिका व चीन के ट्रेड वार का फायदा उठाने की तैयारी में जुट गए हैं। हालांकि, भारत का वाणिज्य विभाग भी सक्रिय है और ट्रंप प्रशासन के सक्रिय होते ही विभाग कुछ नीतिगत फैसला भी ले सकता है।

बीमा का दायरा बढ़ाकर हर वर्ष 10 अरब डालर बचा सकता है भारत

नई दिल्ली, एएनआइ: जो लोग और संपत्तियां अभी बीमित नहीं हैं, उन तक बीमा पहुंच बढ़ाकर भारत हर वर्ष करीब 10 अरब डालर बचा सकता है। ग्लोबल कंसल्टेंसी मैनेजमेंट फर्म मैकेंजी ने ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। बीमा कंपनियों और लोगों पर आधारित एक सर्वे के बाद तैयार की गई इस रिपोर्ट में कंसल्टेंसी फर्म का कहना है कि सरकार इस बचाई गई राशि को आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने में इस्तेमाल कर सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अभी बड़ी संख्या में लोग और संपत्तियों का बीमा नहीं हुआ है। इससे ज्यादा खर्च का जोखिम बढ़ जाता है और सार्वजनिक वित्त पर काफी बोझ पड़ता है। मैकेंजी का कहना है कि व्यापक जीवन बीमा कवरेज दुर्घटनाओं और अन्य अप्रत्याशित घटनाओं के कारण जीवन या आजीविका के नुकसान से प्रभावित परिवारों को लाभ प्रदान करने के बोझ को कम करने में सरकार की सहायता कर सकता है।

आपूर्ति में सुधार से 22 प्रतिशत से ज्यादा घटा टमाटर का मूल्य

नई दिल्ली, प्रेट्र: उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने रविवार को कहा कि आपूर्ति में सुधार के कारण टमाटर के मूल्य में मासिक आधार पर 22.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। मंत्रालय के अनुसार, 14 नवंबर को टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 52.35 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जो 14 अक्टूबर को 67.50 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसी अवधि के दौरान दिल्ली की आजादपुर मंडी में बढ़ती आवक के कारण माडल थोक मूल्य में लगभग 50 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई, जो 5,883 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 2,969 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है।

मंत्रालय ने कहा कि महाराष्ट्र के पिंपलगांव, आंध्र प्रदेश के मदनपल्ले और कर्नाटक के कोलार जैसे प्रमुख बाजारों से भी इसी तरह की कीमत में सुधार की सूचना मिली है। हालांकि, मदनपल्ले और कोलार के प्रमुख टमाटर केंद्रों पर आवक कम हो गई है, लेकिन महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात से मौसमी आपूर्ति के कारण कीमतों में कमी आई है। इससे देशभर में आपूर्ति की कमी पूरी हो गई है। मंत्रालय का कहना है कि मौसम की अनुकूल स्थिति ने पैदावार और खेतों से उपभोक्ताओं तक सप्लाई चेन के सुचारू संचालन में मदद की है। 2023-24 में टमाटर उत्पादन चार प्रतिशत बढ़ 213.20 लाख टन होने का अनुमान है।

52.35 रुपये प्रति किलो हुआ टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य

67.50 रुपये किलो था अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 14 अक्टूबर को

अक्टूबर में डेट म्यूचुअल फंड्स में 1.57 लाख करोड़ का निवेश

- डेट श्रेणी के 16 में से 14 फंड्स में शुद्ध रूप से निवेश हुआ
- सितंबर में डेट म्यूचुअल फंडस से 1.14 लाख करोड़ की निकासी हुई

नई दिल्ली, प्रेट्र: लिक्विड योजनाओं और हाल के महीनों में भारी निकासी की बदौलत अक्टूबर में डेट आधार म्यूचुअल फंड भारी-भरकम निवेश आकर्षित करने में सफल रहे हैं। एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआइ) के अनुसार, डेट म्यूचुअल फंड्स में पिछले महीने 1.57 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ है। इस दौरान डेट श्रेणी के कुल 16 में से 14 म्यूचुअल फंड्स को शुद्ध रूप से निवेश मिला है। हालांकि, पिछले माह मध्यम अवधि और क्रेडिट जोखिम फंडों में से लगातार निकासी का रुख जारी है।

एएमएफआइ के अनुसार, सितंबर के अंत में डेट म्यूचुअल फंड्स का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 14.97 लाख करोड़ रुपये था, जो इस भारी-भरकम निवेश की बदौलत अक्टूबर के अंत में 11 प्रतिशत बढ़कर 16.64 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी वर्ष सितंबर में डेट म्यूचुअल फंड्स से 1.14 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। डाटा के अनुसार, डेट श्रेणी में लिक्विड फंड्स को अक्टूबर के दौरान 83,863 करोड़ रुपये का निवेश मिला जो कुल निवेश का करीब 53 प्रतिशत है। इसी तरह, ओवरनाइट फंड्स को 25,784 करोड़ रुपये और मनी मार्केट फंड्स को 25,303 करोड़ रुपये का निवेश मिला। मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के वरिष्ठ विश्लेषक नेहल मेश्राम ने कहा कि कंपनियां आमतौर पर सितंबर में कर-निपटान के बाद बचे पैसे को तरल और मुद्रा बाजार फंडों में लगाती हैं।

डब्ल्यूईएफ में हिस्सा लेगा 100 सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, प्रेट्र: स्विट्जरलैंड के दावोस में अगले वर्ष जनवरी में होने वाले वर्ल्ड इकोनमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में 100 से ज्यादा सदस्यों वाला भारतीय प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेगा। इस बार सम्मेलन में 'बुद्धिमान युग के लिए सहयोग' विषय चर्चा की जाएगी।

20-24 जनवरी 2025 के दौरान होने वाले इस वार्षिक सम्मेलन में 50 से ज्यादा देशों के प्रमुखों के शामिल होने की उम्मीद है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय मंत्रियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं के अलावा रिलायंस, टाटा, अदाणी, बिड़ला, भारती, महिंद्रा, गोदरेज, जिंदल, बजाज और वेदांत जैसे व्यापारिक समूहों के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। यह वार्षिक बैठक ऐसे समय में होगी जब भू-आर्थिक विखंडन, भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण और मूल्यों पर मतभेद दुनियाभर के देशों और समुदायों को प्रभावित कर रहे हैं।

एफपीआइ ने नवंबर में इक्विटी से 22,420 करोड़ निकाले

94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में

15,827 करोड़ रुपये हुई एफपीआइ की इक्विटी से कुल निकासी 2024 में

42 करोड़ रुपये का एफपीआइ निवेश इस माह डेट बाजारों में

वैश्विक रुख पर निर्भर रहेगी बाजार की चाल

विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की चाल विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और वैश्विक रुझानों पर निर्भर करेगी। इस सप्ताह बाजारों में केवल चार दिन कारोबार होगा। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के कारण 20 नवंबर को शेयर बाजार बंद रहेंगे।

नई दिल्ली, प्रेट्र: अक्टूबर से शुरू हुई विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) की निकासी अभी भी जारी है। नवंबर में अब तक एफपीआइ भारत के इक्विटी बाजारों से 22,420 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इससे पहले अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जो इस वर्ष किसी एक महीने में सबसे ज्यादा निकासी थी। इसके साथ ही कैलेंडर वर्ष 2024 में एफपीआइ इक्विटी बाजारों से शुद्ध रूप से 15,827 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

इस निकासी से पहले एफपीआइ ने इक्विटी बाजारों में सितंबर में 57,724 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो 2024 के पहले नौ महीनों में सबसे ज्यादा मासिक निवेश था। हालांकि, नवंबर में एफपीआइ डेट फंडों को लेकर सकारात्मक हुए हैं और साधारण सीमा वाले डेट फंडों में अब तक 42 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं।

फारविस मजार्स के पार्टनर अखिल पुरी का कहना है कि तरलता कम होने के कारण अल्पावधि में एफपीआइ प्रवाह कम रहने की उम्मीद है। जनवरी की शुरुआत से पहले एफपीआइ की गतिविधियों में सकारात्मक बदलाव की संभावना नहीं है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का कहना है कि घरेलू शेयर बाजारों के उच्च मूल्यांकन, चीन के बाजारों में ज्यादा आवंटन और डालर में तेजी के साथ अमेरिका में बांड यील्ड बढ़ने के कारण एफपीआइ भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

आठ कंपनियों का पूंजीकरण 1.65 लाख करोड़ रुपये घटा : बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही गिरावट के कारण बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.65 लाख करोड़ रुपये की गिरावट रही है। इस दौरान एचडीएफसी बैंक के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 46,729 करोड़ रुपये की कमी आई है। इसी तरह, एसबीआइ का पूंजीकरण 34,984 करोड़ रुपये घटा है। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर के पूंजीकरण में 27,830 करोड़, रिलायंस के पूंजीकरण में 22,057 करोड़, आइटीसी में 15,449 करोड़ और भारती एयरटेल के पूंजीकरण में 11,215 करोड़ रुपये की कमी आई।

सीएनजी की कीमत में वृद्धि चाहती हैं कंपनियां

नई दिल्ली, प्रेट्र: सरकार ने सीएनजी विक्रेता कंपनियों को सस्ती प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में एक महीने में दूसरी बार कटौती की है। इसके बाद सिटी गैस वितरण कंपनियां इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आइजीएल) और अदाणी टोटल गैस लिमिटेड जैसी सिटी गैस वितरण कंपनियां सीएनजी के मूल्य में वृद्धि करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, सरकार का कहना है कि कंपनियों को इस बढ़ोतरी को उचित ठहराने के लिए लागत का पूरा ब्योरा देना होगा।

सरकार ने 16 नवंबर को कंपनियों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में 20 प्रतिशत की कटौती की है। इससे पहले 16 अक्टूबर को 21 प्रतिशत की कटौती की गई थी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकारियों का मानना है कि खुदरा विक्रेता भारी मार्जिन पर काम करते हैं और वे कंपनियों कटौती के कारण आयात की जाने वाली गैस से बढ़ने वाले बोझ को आसानी से वहन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

तेलंगाना सरकार के नोटिस को दोसांझ ने बताया दोहरा मापदंड

हैदराबाद : शुक्रवार को हैदराबाद में कंसर्ट से पहले तेलंगाना सरकार की ओर से नोटिस जारी करने को पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने दोहरा मापदंड करार दिया है। इस नोटिस में दोसांझ से ऐसे गाने नहीं गाने को कहा गया था जो अल्कोहल, ड्रग्स और हिंसा को बढ़ावा देते हों। दोसांझ ने इंस्टाग्राम पर कहा, 'कोई बाहर से कलाकार आएगा वो जो मर्जी गाए, जो मर्जी करे, टेंशन नहीं है। लेकिन अपना कलाकार घर आ रहा है, तो परेशानी है और टांग अड़ानी है। पर मैं भी एक बात बता दूं कि मैं दोसांझ हूं, मैं छोड़ता नहीं हूं।' (एएनआइ)

बीजापुर में विस्फोटक के साथ आठ नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर : छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बल ने शनिवार को बीजापुर जिले के टेकमेटला जंगल मोड़ के पास आठ नक्सलियों को धर दबोचा। उनके पास से टिफिन बम, कार्डेक्स वायर, बिजली का तार, प्रचार-प्रसार की सामग्री बरामद किए गए। आठों को कोर्ट ने जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार नक्सल विरोधी अभियान के दौरान निकली टीम ने संदिग्ध गतिविधियां देखकर उन्हें पकड़ा। (नईदुनिया)

बिहार के अस्पताल में युवक की आंख गायब होने पर केस दर्ज

पटना: पटना के नालंदा मेडिकल कालेज एवं अस्पताल (एनएमसीएच) में 28 वर्षीय फंटूस कुमार की मौत के बाद एक आंख गायब होने के मामले में रविवार को दो नर्स को निलंबित कर दिया गया। अधीक्षक डा. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि काम में लापरवाही बरतने के आरोप में इन दोनों को निलंबित किया गया है। सर्जरी विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. सुधीर कुमार ने आलमगंज थाना में मामले में प्राथमिकी कराई है। (जासं)

गुरुग्राम में खून से लथपथ शव मिला, बलि की आशंका

मानेसर (गुरुग्राम): गुरुग्राम जिले के मानेसर थाना क्षेत्र में नाहरपुर कासन गांव में एक व्यक्ति द्वारा ब्लेड से गला काटकर खुद की बलि देने का मामला सामने आया है। शव रविवार दोपहर कमरे में मूर्तियों के सामने से लहूलुहान स्थिति में बरामद किया गया। व्यक्ति की पहचान 45 वर्षीय रामकृपाल प्रसाद के रूप में की गई। (जासं)

मथुरा और काशी की ओर बढ़ें : डा. सुब्रह्मण्यम

जासं, प्रयागराज

प्रयागराज के जिला पंचायत सभागार में स्मृति व्याख्यान समारोह में बोलते मुख्य अतिथि डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी, मंच पर मुख्य वक्ता डॉ. बिशन बहादुर, न्यायमर्ति सुधीर नारायण, चन्द्र प्रकाश सिंह। जागरण

पूर्व विधि न्याय मंत्री डा. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने कहा कि देश का प्रत्येक व्यक्ति हिंदू है। सभी की रगों में एक खून है। हमारे पूर्वज श्रीराम हैं। जो लोग किन्हीं कारणों से बिछड़ गए, उन्हें वापस लाएं। विभाजनकारी चिह्नों को मिटाना होगा। अयोध्या के बाद एक होकर मथुरा और काशी की ओर बढ़ें। डा. स्वामी रविवार को राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता अशोक सिंहल की पुण्यतिथि पर अरुंधति वशिष्ठ अनुसंधान पीठ की ओर से आयोजित श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और राष्ट्रीय पुनर्जागरण विषय स्मृति व्याख्यान में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि पहली बार अशोक सिंहल मेरे पास राम सेतु को बचाने के लिए आए थे। राम मंदिर आंदोलन का हिस्सा उन्होंने ही बनाया। देश में बहुत से मंदिर तोड़े गए, लेकिन हम सिर्फ तीन मंदिर मांग रहे- अयोध्या, काशी और मथुरा। सिंहलजी के आंदोलन का प्रभाव है कि हम अब स्वयं को हिंदू कहने में शर्म नहीं करते। पहले सेक्युलर बताने में गर्व करते थे। इससे पूर्व इतिहासकार एवं साक्ष्यकार डा. बिशन बहादुर ने कहा कि अशोक सिंहल की अंतरचेतना में धर्म के संरक्षण एवं संवर्धन के विचार प्रस्फुटित होते रहते थे। श्रीराम मंदिर आंदोलन एक सांस्कृतिक चेतना का आंदोलन था। आयोजन की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने भी मंदिर से जुड़े मुकदमे के कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कहा, 1993 में राम जन्मभूमि वाद के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष यह प्रश्न था कि जन्मभूमि स्थल पर कोई धार्मिक निर्माण है या नहीं। मैंने अध्ययन के बाद वहां खोदाई के लिए कहा।

संस्कृत को पूरे देश की भाषा बनाना चाहिए: डा. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने कहा कि देश की एक भाषा हो तथा वह संस्कृत हो। सभी को इसका ज्ञान होना चाहिए। यही एक मात्र वैज्ञानिक भाषा है। इस दौरान अरुंधती वशिष्ठ अनुसंधान पीठ के संरक्षक डा. चंद्रप्रकाश सिंह द्वारा लिखी पुस्तक हिंदू राष्ट्र का विमोचन किया गया।

राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर बनवाने के लिए आगे आएं

डा. स्वामी ने राम सेतु को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के लिए आवाज उठाई। बोले- अब तक इस दिशा में प्रयास नहीं हुआ तो निश्चित रूप से बीजेपी, आरएसएस जैसे संगठन सीमित होकर सोचते हैं।

आइआइटी की प्रो. बुशरा अतीक को मिला अंतरराष्ट्रीय ट्वास पुरस्कार

जासं, कानपुर: आइआइटी कानपुर की महिला विज्ञानी प्रो. बुशरा अतीक ने विश्व विज्ञान अकादमी की ओर से दिया जाने वाला दुनिया का अति प्रतिष्ठित ट्वास (द वर्ल्ड एकेडमी आफ साइंसेज) पुरस्कार जीत लिया। आइआइटी की श्रेष्ठता प्रो. अतीक को यह पुरस्कार उनके अनुसंधान कार्य एवं वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करने के लिए दिया गया। यह पुरस्कार पाने वाली आइआइटी की पहली महिला और पांचवीं विज्ञानी हैं।

विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए विज्ञानियों को दिए जाने वाले पुरस्कार की घोषणा द वर्ल्ड एकेडमी आफ साइंसेज ने की है। अकादमी ने विकासशील विश्व के 25 विज्ञानियों को इस पुरस्कार के लिए चुना है।

अकादमी ने कहा है कि पुरस्कार ऐसे विज्ञानियों को दिया जा रहा है जिन्होंने विकासशील दुनिया में सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए विज्ञान एवं तकनीक का सहारा लिया है।

गुजरात में रैगिंग के बाद एमबीबीएस छात्र की मौत

- सीनियरों पर छात्र को तीन घंटे खड़ा रखने का आरोप
- कालेज की एंटी-रैगिंग कमेटी ने शुरू मामले की जांच

पाटन, प्रेट्र : गुजरात के पाटन जिले में एक मेडिकल कालेज में रैगिंग के कारण मौत का मामला सामने आया है। मेडिकल कालेज के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के 18 वर्षीय छात्र को उनके सीनियरों ने कथित तौर पर रैगिंग के दौरान तीन घंटे तक खड़ा रहने के लिए मजबूर किया। इस कारण वह बेहोश होकर गिर गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। शनिवार को हुई इस घटना की कालेज ने जांच शुरू कर दी है।

कालेज के डीन डा. हार्दिक शाह ने बताया कि शनिवार रात पाटन के धारपुर में जीएमईआरएस मेडिकल कालेज और अस्पताल के छात्रावास में सीनियरों द्वारा रैगिंग के दौरान कथित तौर पर तीन घंटे तक खड़े रहने के बाद पीड़ित अनिल मेथानिया बेहोश होकर गिर गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्हें बचाया नहीं जा सका। कालेज की एंटी-रैगिंग कमेटी ने जांच शुरू कर दी है। बालिसाना पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि छात्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दुर्घटनावश मौत होने का मामला दर्ज किया गया है।

छात्र के भाई धर्मेन्द्र मेथानिया ने बताया कि परिवार को कालेज और सरकार से न्याय मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मुझे चाचा का फोन आया कि मेरे चचेरा भाई को बेहोश होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब मैं यहां पहुंचा तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। कालेज के एमबीबीएस के प्रथम वर्ष के एक छात्र ने बताया कि सात-आठ सीनियर छात्रों ने जूनियर छात्रों के समूह को लगभग तीन घंटे तक खड़े रहने और एक-एक करके अपना परिचय देने के लिए मजबूर किया।

इंफाल पश्चिम में भाजपा विधायक रोबिंद्रो के पैतृक घर में भी तोड़फोड़

▸ प्रथम पृष्ठ से आगे

इंफाल पश्चिम जिले में रविवार शाम भीड़ ने भाजपा विधायक कोंगखम रोबिंद्रो के पैतृक घर में भी तोड़फोड़ की। भीड़ ने उनसे मिलने की मांग की। विधायक घर पर नहीं थे, इसलिए उनके पिता ने प्रदर्शनकारियों से कहा कि वह उनके संदेश अपने बेटे को बताएंगे। इससे पहले शनिवार रात, भीड़ ने तीन मंत्रियों और मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के दामाद समेत छह विधायकों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी के अलावा दो चर्चों को भी फूंक दिया था। प्रदर्शनकारी इंफाल पूर्व में बीरेन सिंह के पैतृक आवास की ओर भी बढ़े, लेकिन सुरक्षाबलों ने उन्हें 100-200 मीटर पहले रोक दिया। सुरक्षाबलों को कई राउंड आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियां चलानी पड़ीं। मैतेयी संगठन द कार्डिनेटिंग कमेटी आन मणिपुर इंटीग्रिटी ने निर्णायक कार्रवाई के लिए केंद्र और राज्य सरकार को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। कहा कि अगर निर्णायक कार्रवाई नहीं होती तो सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस बीच, 13 सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री समेत राज्य के 50 विधायकों के इस्तीफे की मांग की है।

पूर्व सीजेआइ बनकर डिजिटल अरेस्ट कर 20 लाख रुपये ठगे

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद

- गाजियाबाद की बुजुर्ग महिला को मनी लांड्रिंग में बैंक खाते का प्रयोग होने की जानकारी देकर धमकाया

साइबर अपराधियों ने बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 20 लाख रुपये ठग लिए। पहले आरोपितों ने मुंबई क्राइम ब्रांच व सीबीआइ इंस्पेक्टर बनकर महिला को धमकाया फिर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नाम से वीडियो काल कराकर भी नोटिस दिलवाया। आरोपितों ने महिला से 20 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए और अगले दिन 29 लाख रुपये ट्रांसफर करने को कहा। बैंक अधिकारियों की सूझबूझ से दूसरी बार वह ठगी का शिकार होने से बच गई। साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने छह लाख रुपये फ्रीज करा दिए हैं।

गाजियाबाद निवासी लज्जा बगाई के पास 10 नवंबर को रनवीर नामक व्यक्ति ने मुंबई क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर बताते वाट्सएप वीडियो काल किया। उसने कहा कि उनके मोबाइल नंबर की जांच की जा रही है और नंबर कभी भी बंद हो सकता है। पीड़िता ने बेटी को फोन करने के लिए कहा तो आरोपित ने उन्हें धमकाते हुए कहा कि वह डिजिटल गिरफ्तार हैं। इसलिए बिना अनुमति किसी से बात नहीं कर सकती हैं। मनी लांड्रिंग घोटाले की जांच में आधार नंबर आया है, इसलिए जांच की जा रही है। उनसे खातों की जानकारी मांगी गई। कुछ देर बाद एक और व्यक्ति वीडियो काल से जुड़ा और अपना नाम रोहित गुप्ता बताते हुए खुद को सीबीआइ इंस्पेक्टर बताया। उसने कहा कि वीडियो काल की अवधि के दौरान फोन नहीं काटना है अन्यथा तत्काल गिरफ्तारी वारंट जारी हो जाएगा। इस बात की जानकारी किसी को नहीं देनी है और वीडियो काल जारी रखना है। अगले दिन सुबह खातों की जानकारी ली गई। उन्हें कहा गया कि डीवाई चंद्रचूड़ उनका मामला कोर्ट में देखेंगे।

झांसी के एनआइसीसीयू अग्निकांड में एक और नवजात की मौत

जागरण संवाददाता, झांसी

- मरने वाले नवजातों की संख्या 11 हुई, प्रशासन का दावा- 11वीं मौत बर्न इंजरी नहीं, बीमारी से हुई

महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज के नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआइसीसीयू) वार्ड में हुए अग्निकांड में एक और बच्चे की मौत रविवार को हो गई। उसे रेस्क्यू किया गया था। मरने वाले नवजातों की संख्या अब 11 हो गई है। यद्यपि, प्रशासन का कहना है कि रविवार को जिस नवजात की मौत हुई है, वह जला नहीं था, बल्कि पहले से ही बीमार था। दूसरी ओर, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एनआइसीसीयू में आग लगने की घटना को गंभीरता से लिया है। एनएचआरसी ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर लापरवाही पर रिपोर्ट मांगी है।

शुक्रवार रात एनआइसीसीयू वार्ड में लगी आग की चपेट में आकर 10 नवजातों की मौत हो गई थी। रेस्क्यू आपरेशन के तहत 39 बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया था। उन्हें शिफ्ट कर पीकू वार्ड, वार्ड तीन, नर्सिंग होम, जिला अस्पताल व मऊरानीपुर सीएचसी में भर्ती किया गया था, जहां उनका उपचार चल रहा है। डीएम अविनाश कुमार के अनुसार अग्निकांड में जिन बच्चों का रेस्क्यू किया गया था, उनमें तीन नवजातों की हालत गंभीर थी। उनमें से एक की मौत हुई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव स्वजन को सौंप दिया गया है। मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य डा. नरेन्द्र सिंह सेंगर ने बताया कि रविवार को जिस बच्चे की मौत हुई है, उसे एनआइसीसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था। आग के बाद उसे निकाल कर दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर उपचार किया जा रहा था।

जांच रिपोर्ट में साजिश या जानबूझकर लापरवाही का नहीं मिला संकेत

जासं, झांसी: महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कालेज के एनआइसीसीयू वार्ड में हुए अग्निकांड की रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेज दी गई है। दो सदस्यीय जांच कमेटी की ओर से भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार, साजिश या जानबूझकर की गई लापरवाही के संकेत नहीं मिले हैं, इसीलिए अब तक कोई एफआइआर दर्ज नहीं हुई।

इस घटना की जांच कमिश्नर बिमल कुमार दुबे और डीआइजी कलानिधि नैथानी की अध्यक्षता में की गई है। जांच में घटना के समय मौजूद रहे कर्मचारियों व चिकित्सकों के बयान दर्ज किए गए हैं। आग की शुरुआत स्विच बोर्ड में शार्ट सर्किट से हुई थी।

****

500 आपरेशनल परमाणु हथियार बीजिंग के पास होने का अनुमान अमेरिकी रक्षा विभाग ने पिछले साल अनुमान लगाया था। पेंटागन ने कहा कि 2030 तक बीजिंग के अधिकांश हथियार संभवत: उच्च स्तर की तैयारी पर रखे जाएंगे।

जी-20 सम्मेलन में जलवायु वार्ता पर दुनिया की निगाहें

यूएन के जलवायु प्रमुख ने शासनाध्यक्षों से की सहमति बनाने की अपील

ब्राजील में विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे जी-20 देशों के नेता

रियो डि जेनेरियो, रायटर : ब्राजील में सोमवार से होने जा रहे जी-20 शिखर सम्मेलन पर दुनिया की निगाहें हैं और इसमें ग्लोबल वार्मिंग पर कूटनीतिक तनाव केंद्रीय मुद्दा रहने की संभावना है। अजरबैजान के बाकू में जारी काप-29 में वार्ताकारों के बीच जलवायु वित्त (क्लाईमेट फाइनेंस) के मुद्दे पर गतिरोध की स्थिति है और वे उम्मीद कर रहे हैं कि विश्व की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता इस गतिरोध खत्म कर सकते हैं।

जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए शासनाध्यक्ष रविवार से रियो डि जेनेरियो पहुंचना शुरू हो गए। इस सम्मेलन में दो दिन गरीबी व भुखमरी से लेकर वैश्विक संस्थानों में सुधार तक के मुद्दों से निपटने पर विचार-विमर्श होगा। हालांकि, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सैकड़ों अरब डालर जुटाने के लक्ष्य पर सहमति बनाने का काम काप-29 को सौंपा गया है, लेकिन इस धन को जारी करना जी-20 के नेताओं के हाथ में है। जी-20 देशों का वैश्विक अर्थव्यवस्था में 85 प्रतिशत योगदान है और जलवायु वित्त पोषण में सहायता करने करने वाले बहुपक्षीय विकास बैंकों के वे सबसे बड़े योगदानकर्ता हैं। वे दुनियाभर में 75 प्रतिशत से अधिक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन के लिए भी जिम्मेदार हैं।

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने शनिवार को जी-20 नेताओं को पत्र लिखकर उनसे जलवायु वित्त पर कार्य करने का आग्रह किया, जिसमें विकासशील देशों के लिए अनुदान बढ़ाना और बहुपक्षीय विकास बैंकों के सुधारों को आगे बढ़ाना शामिल है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने पिछले हफ्ते काप-29 में कहा था, 'सभी देशों को अपनी भूमिका निभानी चाहिए। लेकिन जी-20 को नेतृत्व करना चाहिए। वे सबसे बड़े उत्सर्जक हैं और उनकी क्षमताएं व जिम्मेदारियां भी सबसे अधिक हैं।' हालांकि अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने पर इस तरह के समझौते पर पहुंचना और भी मुश्किल हो सकता है, जो कथित तौर पर पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को फिर से बाहर निकालने की तैयारी कर रहे हैं।

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में रविवार को समुद्र तट पर जी20 सम्मेलन से पूर्व वैश्विक नेताओं का स्वागत करने के लिए लगाए गए एक विशालकाय बैनर का ड्रोन दृश्य। रायटर

टाइटैनिक के लोगों को बचाने वाले कैप्टन की घड़ी 16 करोड़ में बिकी

लंदन, एपी : टाइटैनिक के सैकड़ों लोगों को बचाने वाले कैप्टन को उपहार में दी गई एक पाकेट घड़ी 1.56 मिलियन पाउंड (16,64,12,532 रुपये) में बिकी। यह घड़ी जो कभी कार्पेथिया के कैप्टन आर्थर रोस्ट्रान की थी, उसे अमेरिका के एक निजी संग्रहकर्ता ने हेनरी एल्ड्रिज एंड सन द्वारा आयोजित नीलामी में खरीदा। यह टाइटैनिक की यादगार वस्तुओं के लिए अब तक की सबसे अधिक कीमत है। इसने अप्रैल में बनाए गए पिछले रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया, जब टाइटैनिक यात्री जान जैकब एस्टोर की एक सोने की पाकेट घड़ी 1.175 मिलियन पाउंड में बिकी थी।

टाइटैनिक के सैकड़ों लोगों को बचाने वाले जहाज आरएमएस कार्पेथिया के कैप्टन को उपहार में दी गई पाकेट घड़ी। एपी

बिक्री की पुष्टि करते हुए हेनरी एल्ड्रिज एंड सन लिमिटेड ने कहा, 'क्या अद्भुत दिन है। आज की नीलामी का मुख्य आकर्षण रोस्ट्रान टिफनी घड़ी की बिक्री थी, यह 1.56 मिलियन पाउंड में बिकी। कैप्टन रोस्ट्रान को 18 कैरेट की टिफनी एंड कंपनी की घड़ी तीन महिलाओं से मिली थी, जिन्हें उन्होंने बचाया था। रोस्ट्रान की कमान में कार्पेथिया ने टाइटैनिक के लाइफबोट से 700 जीवित बचे लोगों को बचाया था।

नेतन्याहू के आवास पर फिर हमला

- बगीचे में जलते हुए दो गोले गिरे, बड़ा नुकसान नहीं
- निजी आवास पर नहीं थे पीएम या परिवार के लोग
- डिफेंस सिस्टम फेल होने की जांच, तीन गिरफ्तार

बेंजामिन नेतन्याहू। फाइल

यरुशलम, रायटर : इजरायल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के उत्तरी भाग में स्थित सेसरिया कस्बे के निजी आवास पर एक बार फिर से हमला हुआ है। इस बार आग के दो गोले उनके आवास के बगीचे में गिरे। हमले के समय नेतन्याहू दंपती या उनके परिवार का कोई अन्य सदस्य आवास में मौजूद नहीं था। इस हमले से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। वहीं, ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने विश्व समुदाय से कहा है कि वह देखे कि गाजा में इजरायली सेना नरसंहार तो नहीं कर रही है।

हमले के बाद इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काज ने एक्स पर कहा, सभी रेडलाइन पार की जा रही हैं, यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, इजरायल के प्रधानमंत्री को धमकाना संभव नहीं है। ईरान और उसके सहयोगी संगठन प्रधानमंत्री को लगातार धमकी देने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन वे सफल नहीं होंगे। इजरायल के राष्ट्रपति इजाक हरजोग ने हमले की निंदा की है और कहा है कि बचाव में चूक की जांच चल रही है। देखा जा रहा है कि ये गोले किस हथियार से फेंके गए थे। बताया जा रहा है कि ये कम क्षमता वाले बम थे। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। नेतन्याहू के इस आवास पर अक्टूबर में भी ड्रोन से हमला हुआ था। उस समय भी आवास पर नेतन्याहू दंपती मौजूद नहीं थे और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था।

इजरायली हमले में हिजबुल्ला के मुख्य प्रवक्ता की मौत : इजरायली विमानों ने रविवार को लेबनान की राजधानी बेरूत के मध्य में बमबारी कर हिजबुल्ला के मुख्य प्रवक्ता मुहम्मद अफीफ को मार डाला। लेबनान में हुए अन्य हमलों में 29 लोग मारे गए हैं।

गाजा में इजरायली हमलों में 84 फलस्तीनी मारे गए

उत्तरी गाजा पट्टी में रविवार को हुए ताबड़तोड़ इजरायली हमलों के बाद बेत लाहिया से पलायन करते फलस्तीनी पीड़ित लोग। एएफपी

गाजा में जारी इजरायली हमलों में रविवार को 84 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। इनमें से 70 लोग बेत लाहिया की एक बहुमंजिली इमारत पर हवाई हमले में मारे गए हैं। हमले में इमारत ध्वस्त हो गई है। हमास द्वारा संचालित गाजा के सरकारी मीडिया के अनुसार इमारत में छह परिवार रहते थे, उनके कुल 72 लोग हमले में मारे गए हैं। उत्तरी गाजा को घेरकर वहां पर बीते कई महीनों से इजरायली सेना की कार्रवाई जारी है। इजरायली सेना यहां पर टैंकों से गोलाबारी के साथ ही विमानों से बमबारी भी कर रही है। इससे कुछ घंटे पहले गाजा के मध्य में स्थित बुरेज शरणार्थी क्षेत्र में इजरायल के हवाई हमले में 10 लोग मारे गए जबकि नजदीक स्थित नुसीरत शिविर में चार लोग मारे गए।

भारत ने काप-29 में विकसित देशों को सुनाई खरी-खरी

- अब तक विकासशील देशों के लिए अहम मामलों में कोई प्रगति नहीं
- कहा, वित्तीय और तकनीकी मदद के बिना जलवायु परिवर्तन से निपटना असंभव

COP29 Baku Azerbaijan

बाकू, प्रेट्र : बाकू में चल रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-29) के दौरान भारत ने विकासशील देशोंमें जलवायु कार्रवाई का समर्थन करनेके तरीके पर गंभीरता से चर्चा नहीं करने के लिए विकसित देशों को खरी-खरी सुनाई। भारत ने कहा कि वित्तीय और तकनीकी मदद के बिना जलवायु परिवर्तन से निपटना असंभव है। शनिवार को शमन कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) पर सहायक निकायों की बैठक के समापन सत्र में भारत ने कहा कि विकसित देशों ने बार-बार जलवायु कार्रवाई में देरी की है और लगातार लक्ष्य बदले हैं।

भारत के उप प्रमुख वार्ताकार नीलेश साह ने कहा कि हमने पिछले सप्ताह के दौरान विकासशील देशों के लिए महत्वपूर्ण मामलों में कोई प्रगति नहीं देखी है। दुनिया का हमारा हिस्सा जलवायु परिवर्तन के कुछ सबसे बुरे प्रभावों का सामना कर रहा है और उन प्रभावों से उबरने या जलवायु प्रणाली में बदलावों को अनुकूलित करने की क्षमता बहुत कम है, जिसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं। एमडब्ल्यूपी मदद करने के लिए है, दंडित करने के लिए नहीं। यदि कार्यान्वयन के लिए कोई साधन नहीं हैं तो विकासशील और कम आय वाली अर्थव्यवस्थाएं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती नहीं कर सकतीं। हम जलवायु कार्रवाई पर चर्चा कैसे कर सकते हैं, जब हमारे लिए कार्य करना असंभव हो रहा है।

नेपाल-भारत सीमा से अन्य देशों के नागरिकों की आवाजाही पर हुई चर्चा

काठमांडू, एएनआइ : भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा समन्वय बैठक शनिवार को काठमांडू में शुरू हुई। नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के महानिरीक्षक राजू आर्यल और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद के नेतृत्व में यह बैठक हुई। दोनों पक्षों के सुरक्षा अधिकारियों ने नेपाल-भारत सीमा से तीसरे देश के नागरिकों की आवाजाही को लेकर बढ़ती चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया। इनमें चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार जैसे देशों के नागरिकों की आवाजाही शामिल है। भारतीय अधिकारियों ने जहां चीनी और पाकिस्तानी नागरिकों की उपस्थिति पर प्रकाश डाला वहीं, नेपाल ने रोहिंग्या शरणार्थियों और बांग्लादेशी नागरिकों से संबंधित मुद्दे उठाए।

नेपाल के गृह मंत्रालय के ने कहा कि मानव तस्करी, सीमा पार आपराधिक गतिविधियों से निपटना और सीमा पर दोनों बलों के बीच समन्वय बढ़ाने के मुद्दे पर भी बातचीत हुई।

बाइडन और चिनफिंग ने कहा, परमाणु हथियारों का नियंत्रण एआइ नहीं इंसानों के हाथ में रहे

- सैन्य क्षेत्र में जिम्मेदार तरीके से एआइ तकनीक विकसित करने पर जोर
- चिनफिंग ने कहा, ट्रंप प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार हैं

लीमा, रायटर : अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शनिवार को पेरू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि परमाणु हथियारों के उपयोग पर निर्णय मानव को लेना चाहिए, न कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को। उन्होंने संभावित जोखिमों पर सावधानीपूर्वक विचार करने और विवेकपूर्ण और जिम्मेदार तरीके से सैन्य क्षेत्र में एआइ तकनीक विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। शी ने कहा कि अमेरिका-चीन संबंध अपरिवर्तित रहेंगे। हम डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने संवाद बनाए रखने, सहयोग बढ़ाने और मतभेदों को सुलझाने पर जोर दिया।

दरअसल, परमाणु हथियार वार्ता के लिए चले आ रहे गतिरोध को खत्म करने के लिए वाशिंगटन लंबे समय से बीजिंग पर दबाव डाल रहा है। दोनों देशों ने नवंबर में इसे लेकर आधिकारिक स्तर की बातचीत फिर शुरू की है। हालांकि, औपचारिक परमाणु हथियार नियंत्रण वार्ता जल्द होने की उम्मीद नहीं है। एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से चीन की प्रतिक्रिया के बारे में निराशा व्यक्त की है। एआइ पर चीन और अमेरिका ने मई में जिनेवा में अपनी पहली औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता शुरू की, लेकिन ऐसा नहीं माना जाता है कि उन वार्ताओं में परमाणु हथियार संबंधी निर्णय लेने पर चर्चा हुई।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने पिछले साल अनुमान लगाया था कि बीजिंग के पास 500 आपरेशनल परमाणु हथियार हैं और संभवतः 2030 तक 1,000 से अधिक तैनात किए जाएंगे। इसकी तुलना अमेरिका और रूस द्वारा तैनात क्रमशः 1,770 और 1,710 आपरेशनल वारहेड से की जाती है। पेंटागन ने कहा कि 2030 तक बीजिंग के अधिकांश हथियार संभवतः उच्च स्तर की तैयारी पर रखे जाएंगे। 2020 के बाद से चीन ने परमाणु कार्यक्रम का आधुनिकीकरण किया है और अगली पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी का उत्पादन शुरू किया है।

पेरू के लीमा में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से हाथ मिलाते चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग। रायटर

वीपीएन विरोधी आदेश को लेकर घिरा पाकिस्तान इस्लामिक परिषद

इस्लामाबाद, प्रेट्र : इंटरनेट पर प्रतिबंधित सामग्री तक पहुंचने के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क्स (वीपीएन) के इस्तेमाल को गैर-इस्लामी घोषित करने के बाद पाकिस्तान का प्रमुख संवैधानिक निकाय गंभीर आलोचना के केंद्र में है। इस्लामी शिक्षाओं के अनुरूप कानून बनाने के संबंध में पाकिस्तानी संसद को सलाह देने वाली इस्लामी विचारधारा परिषद (सीआइआइ) की घोषणा से डिजिटल अधिकार कार्यकर्ताओं के साथ ही कुछ धार्मिक विद्वान भी नाराज हो गए हैं।

डान समाचारपत्र के अनुसार, सीआइआइ प्रमुख रागिब नईमी ने कहा कि अनैतिक या अवैध सामग्री तक पहुंचने के लिए वीपीएन का उपयोग करना शरिया के विरुद्ध है। प्रमुख धार्मिक विद्वान मौलाना तारिक जमील ने इंटरनेट मीडिया पर कहा कि यदि वयस्क सामग्री या ईशनिंदा वाली सामग्री देखना मुद्दा है तो वीपीएन को गैर-इस्लामिक घोषित करने से पहले मोबाइल फोन को गैर-इस्लामिक घोषित किया जाना चाहिए।

रूस ने यूक्रेन पर की ड्रोन और मिसाइलों की बौछार

- 90 ड्रोन और 120 मिसाइलों के साथ तीन महीनों में सबसे बड़ा हमला
- थर्मल पावर प्लांट को गंभीर क्षति पहुंचने पर करनी पड़ी बिजली कटौती

कीव, एपी : रूस ने रविवार को यूक्रेन पर बड़ा हवाई हमला बोला। ड्रोन और मिसाइलों से संयुक्त रूप से तीन महीनों में यह सबसे शक्तिशाली हमला था। निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके द्वारा संचालित एक थर्मल पावर प्लांट गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। साथ ही सात लोगों की मौत हो गई।

यह हमला कड़ाके की ठंड से पहले यूक्रेन की बिजली उत्पादन क्षमता को तबाह करने के लिए किया गया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने पूरे यूक्रेन में बड़े पैमाने पर हमला करते हुए 120 मिसाइलें और 90 ड्रोन लांच किए। यूक्रेनी रक्षा बलों ने 140 हमलों को नाकाम किया। ड्रोन हमले की चपेट में आकर सात लोग मारे गए। साथ ही दो बच्चों सहित छह अन्य घायल हो गए। हमलों के कारण कई क्षेत्रों में आपातकालीन बिजली कटौती हो गई। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद युद्ध के समाप्त होने की संभावना बढ़ गई है। इसके साथ ही दोनों देश अपनी ओर से अधिक से अधिक बेहतर स्थिति हासिल करने का प्रयास कर रहा है।

पुतिन के आलोचकों ने बर्लिन में निकाला मार्च : पुतिन के आलोचकों ने जर्मनी के बर्लिन में रविवार को मार्च निकाला। इसमें 1,000 लोग शामिल हुए। उन्होंने यूक्रेन से रूसी सैनिकों की तत्काल वापसी की मांग के साथ युद्ध समाप्त करने की मांग की। उनके हाथों में बैनर थे जिस पर लिखा था, पुतिन नहीं तो कोई युद्ध नहीं। वहीं, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने कहा कि शुक्रवार को व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत ने यूक्रेन में युद्ध पर रूसी राष्ट्रपति ने सोच में बदलाव का कोई संकेत नहीं दिया।

यूक्रेन के पोल्टावा प्रांत में रविवार को रूसी राकेट हमले के बाद लगी आग बुझाने में जुटे आपातकालीन सेवा के कर्मचारी। एपी

अमेरिका में नामित अटार्नी जनरल को लेकर विवाद

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका में अटार्नी जनरल के पद के लिए नामित मैट गेट्ज को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णय पर उन्हीं की रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर मार्कवेन मुलिन ने सवाल उठा दिया है।

सीनेटर मार्कवेन मुलिन ने गेट्ज के 17 वर्षीय लड़की के साथ यौन दुराचरण के मामले का उल्लेख किया है। इस मामले में प्रतिनिधि सभा की आचार समिति ने भी रिपोर्ट दी है। गेट्ज पर गैरकानूनी तरीके से नशीले पदार्थ लेने का भी आरोप है। लेकिन गेट्ज ने कुछ भी गलत करने से इन्कार किया है। निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नामित किए जाने के बाद गेट्ज ने बुधवार को प्रतिनिधि सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। डोनाल्ड ट्रंप जनवरी, 2025 में राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

तेल उपयोग के पैरोकार क्रिस राइट को ट्रंप ने नियुक्त किया ऊर्जा मंत्री

- तेल-गैस उत्पादन बढ़ाने की ट्रंप की योजना पर कार्य करेंगे
- काश पटेल का नाम एफबीआइ प्रमुख पद के लिए चर्चा में

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल और गैस उद्योगों की जानी-मानी शख्सीयत क्रिस राइट को देश का ऊर्जा मंत्री नियुक्त किया है। राइट लिबर्टी एनर्जी के संस्थापक और सीईओ हैं। उन्हें तेल और गैस के उपयोग के बड़े पैरोकार के रूप में जाना जाता है। माना जा रहा है कि वह ट्रंप की तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने की योजना पर कार्य करेंगे।

ट्रंप इसे विकास के लिए जरूरी मानते हैं। जाहिर है कि तेल और गैस का उत्पादन व उपयोग बढ़ने से पर्यावरण सुधार के वैश्विक अभियान को झटका लगेगा। इस बीच भारतीय मूल के काश पटेल का नाम एफबीआइ प्रमुख के लिए चर्चा में आया है। पटेल को प्रतिद्वंद्वी देशों की खुफियागीरी से जुड़े मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है।

यूएफसी मुकाबला देखने ट्रंप पहुंचे

न्यूयार्क के मेडिसन स्क्वेयर गार्डेन में यूएफसी हैवीवेट चैंपियनशिप का मुकाबला देखते अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, गायक किड राक और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क। एएफपी

चुनाव, जीत और मंत्रियों-अधिकारियों की नियुक्ति के बीच नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूएफसी हैवीवेट चैंपियनशिप का मुकाबला देखने के लिए शनिवार रात न्यूयार्क पहुंचे। यह मुकाबला मेडिसन स्क्वेयर गार्डेन में हुआ। फ्रीस्टाइल कुश्ती का यह मुकाबला वर्तमान चैंपियन जान जोंस और स्टिप मायोसिक के बीच था। ट्रंप लंबे समय से यूएफसी मुकाबलों में रुचि लेते रहे हैं और वह अक्सर बड़े मुकाबलों में पहुंचकर अपनी पसंद के खिलाड़ी का उत्साहवर्धन करते दिखाई भी देते रहे हैं।

पाकिस्तान के पंजाब में धुंध से 75 हजार से अधिक बीमार

लाहौर में प्रदूषण के कारण रविवार को स्माग का यह नजारा दिखा। लोग अपने कामकाज में व्यस्त हैं। एएफपी

लाहौर, एएनआइ : पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में धुंध और वायु प्रदूषण के कारण 75,000 से अधिक लोग बीमार हो गए हैं। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने स्वास्थ्य निगरानी से जुड़े सूत्रों के हवाले से प्रकाशित समाचार में कहा है कि सांस की समस्या से जूझ रहे इन लोगों ने शनिवार को चिकित्सकीय सहायता मांगी।

पंजाब की राजधानी लाहौर में सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण से संबंधित मामले हैं। इसके अलावा अस्पतालों में सांस व दमा की समस्या से ग्रस्त बड़ी संख्या में लोगों ने अस्पताल से इलाज में मदद मांगी है।

सूत्रों ने बताया कि लाहौर में बड़े अस्पताल के साथ ही घनी आबादी वाले शहरों के अस्पतालों में क्षमता से अधिक रोगी हैं। पंजाब सरकार ने लाहौर और मुल्तान डिवीजन में स्वास्थ्य आपात की घोषणा कर दी है।

वायु प्रदूषण के लिहाज से ढाका विश्व का चौथा शहर बना : बांग्लादेश की राजधानी ढाका वायु प्रदूषण के लिहाज से विश्व का चौथा शहर बन गया है। रविवार सुबह ढाका में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 234 दर्ज किया गया।

40 से ज्यादा अमेरिकी सांसदों की इमरान खान को रिहा करने की मांग

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका के 40 से अधिक सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडन से पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ ही देश के सभी अन्य राजनीतिक कैदियों की तत्कालीन रिहाई का पक्ष लेने और संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की रिपोर्ट के अनुरूप उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को सौंपे गए पत्र पर 46 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। इन सांसदों में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के सांसद शामिल हैं।

सैन्य अदालत में सुनवाई नहीं होने का आश्वासन : उधर ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने अपने देश के एक सांसद को आश्वासन दिया है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के विरुद्ध सैन्य अदालत में सुनवाई होने का कोई संकेत नहीं है। लिवरपूल रिवरसाइड से लेबर पार्टी के सांसद किम जान्सन ने इमरान के विरुद्ध सैन्य अदालत में सुनवाई को लेकर चिंता जताई थी।

चंद्रमा की अद्भुत छटा

कार्तिक पूर्णिमा के बाद चंद्रमा अब घटने लगा है। इसे घटता हुआ अर्धाधिक चंद्र भी कहा जाता है। रविवार को दुबई स्थित बुर्ज अल अरब होटल के पीछे उभरते हुए चांद ने एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया, जो लालिमा लिए नयनाभिराम प्रतीत होता है। इस पल में ऐसा लगता है कि समय रुक सा गया है और चांद अपनी चांदी सी चादर ओढ़कर दुबई के आकाश को रोशन कर रहा है। बुर्ज अल अरब की भव्यता और चांद की कोमलता के इस मनोरम संगम ने एक अद्वितीय दृश्य प्रस्तुत किया है। इस दृश्य से प्रकृति की सुंदरता और मानव सृजनात्मकता का खूबसूरत मिलन दृष्टिगोचर होता है। एएफपी

भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेगा बांग्लादेश

यूनुस ने कहा, मौतों के लिए जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा

ढाका, एपी : बांग्लादेश के अंतरिम नेता मुहम्मद यूनुस ने रविवार को कहा कि उनका प्रशासन अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत से प्रत्यर्पण की मांग करेगा। यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार छात्र नेतृत्व वाले विद्रोह के दौरान सैकड़ों मौतों के लिए हसीना सहित जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाएगी। दावा किया कि हसीना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान लगभग 1,500 लोग मारे गए, 19,931 घायल हुए। हसीना के देश से भागने के तीन दिन बाद आठ अगस्त को यूनुस ने सत्ता संभाली थी।

अंतरिम सरकार के 100 दिन पूरे होने पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में यूनुस ने यह भी कहा कि उनकी सरकार अल्पसंख्यकों सहित सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रही है। वह भारत से शेख हसीना को वापस भेजने के लिए भी कहेंगे। यूनुस की टिप्पणी यू-टर्न का संकेत देती है, क्योंकि पिछले महीने ब्रिटेन के फाइनेंशियल टाइम्स अखबार को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार हसीना के प्रत्यर्पण की तत्काल मांग नहीं करेगी।

मुहम्मद यूनुस ने कहा कि न केवल विद्रोह में हुई मौतें, बल्कि हसीना के सत्ता में रहने के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघनों की जांच की जाएगी। बांग्लादेश ने हसीना और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारी के लिए रेड नोटिस जारी करने में इंटरपोल से मदद मांगी है। यूनुस ने कहा कि उनकी सरकार का सबसे महत्वपूर्ण काम निर्वाचित सरकार को सत्ता सौंपने के लिए नया चुनाव कराना है। हालांकि, उन्होंने कोई समय सीमा नहीं बताई। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन सबसे पहले चुनाव प्रणाली सहित विभिन्न क्षेत्रों में सुधार लाएगा।

****

राहुल पर्थ में करेंगे ओपन, बुमराह होंगे कप्तान

बीसीसीआइ ने वीडियो साझा कर केएल के फिट होने की दी जानकारी, चोटिल शुभमन और रोहित पहले टेस्ट से बाहर

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : केएल राहुल ने रविवार को नेट पर बल्लेबाजी की जिससे उनकी फिटनेस को लेकर चल रही चिंताएं दूर हो गईं। इससे यह संकेत भी मिल रहा है कि वह आस्ट्रेलिया के विरुद्ध पहले टेस्ट में पारी की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं क्योंकि दो दिन पूर्व दूसरी बार पिता बने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अपने स्वजनों के साथ समय बिताने के बाद एडिलेड में ही टीम से जुड़ेंगे। रोहित की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम की अगुआई करेंगे। वहीं, शनिवार को क्षेत्ररक्षण के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में हुए फ्रैक्चर के कारण शुभमन गिल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं।

अभ्यास मैच के पहले दिन चोटिल हो गए थे केएल: वाका मैदान पर 'इंट्रा-स्क्वाड' (भारतीय खिलाड़ियों को दो टीम में विभाजित कर अभ्यास करना) अभ्यास मैच में राहुल शुक्रवार को बल्लेबाजी करते समय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद कोहनी पर लगने के बाद चिकित्सा के लिए मैदान से बाहर चले गए थे। आस्ट्रेलिया के विरुद्ध बार्डर-गावस्कर ट्राफी की पांच टेस्ट की सीरीज का पहला मैच 22 नवंबर से आप्टस स्टेडियम में शुरू होगा जबकि दूसरा टेस्ट छह दिसंबर से एडिलेड में होगा।

फिजियोथिरेपिस्ट ने भी दी हरी झंडी: मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी मुंबई से रवाना होने से पूर्व प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान रोहित के शुरुआती टेस्ट से बाहर होने की स्थिति में राहुल को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कराने का संकेत दिया था। टीम के फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन ने कहा कि राहुल उपचार के बाद ठीक हैं। 'हमारे लिए सबसे अहम चीज यह सुनिश्चित करना था कि उन्हें कोई फ्रैक्चर नहीं हो। उपचार के बाद वह ठीक हैं। अब वह खेलने के लिए तैयार हैं।'

सहयोगी फिजियो योगेश परमार ने कहा कि उपचार में दर्द को नियंत्रण करना था। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें 'एक्स-रे' और स्कैन के लिए ले गया और रिपोर्ट के आधार पर मुझे पूरा भरोसा था कि वह ठीक हो जाएंगे।' उन्होंने कहा, 'यह दर्द को काबू में करने और उसका आत्मविश्वास दिलाने का मामला था। चिकित्सा के दृष्टिकोण से वह बिल्कुल ठीक हैं।'

मैच ड्रिल्स में सहज दिखे राहुल

पूरी संभावना है कि टीम प्रबंधन राहुल और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी से पारी का आगाज कराएगा। रविवार को 32 वर्षीय राहुल ने बिना किसी दिक्कत के बल्लेबाजी की और तीन घंटे के नेट सत्र के दौरान सभी तरह की 'ड्रिल्स' में हिस्सा लिया और काफी समय तक बल्लेबाजी भी की।

वीडियो में केएल राहुल बोले, पहले मैच के लिए तैयार हूं

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो में राहुल ने कहा, 'खेल के पहले दिन मुझे चोट लगी थी। आज मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। पहले मैच के लिए तैयार हो रहा हूं। अच्छा है कि मैं यहां जल्दी आ सका और परिस्थितियों के अनुकूल हो सका।' उन्होंने कहा, 'हां मुझे इस सीरीज की तैयारी के लिए काफी समय मिला है और मैं इसके लिए उत्साहित हूं और इसके लिए तैयार हूं।'

केएल राहुल ● एक्स

पर्थ में खेल सकते हैं हर्षित और प्रसिद्ध

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और उनके सीनियर साथी प्रसिद्ध कृष्णा 22 नवंबर से पर्थ में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए भारत की एकादश में तीसरे तेज गेंदबाज की जगह लेने की दौड़ में हैं। केवल 10 प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले हर्षित के बारे में कहा जा रहा है कि वह लगातार 140 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से अधिक की गति और अच्छी उछाल हासिल करने की क्षमता के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बड़े-बड़े दिग्गजों को भी प्रभावित किया है। पर्थ के वाका मैदान पर भारत के नेट अभ्यास के दौरान हर्षित ने कई मौकों पर अपनी तेज गति से बल्लेबाजों को परेशान किया। दूसरी ओर भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कर्नाटक के इस खिलाड़ी के साथ काफी समय बिताया जिन्होंने हाल ही में मैकाय और मेलबर्न में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध 'ए' सीरीज के दौरान प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। प्रसिद्ध को दो टेस्ट खेलने का अनुभव है और अच्छा उछाल हासिल कर सकते हैं। इस बीच मोहम्मद शमी की भी बार्डर-गावस्कर ट्राफी के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी हो सकती है, लेकिन ऐसा सीरीज के दूसरे हाफ में ही हो सकता है। चीजों की जानकारी रखने वालों ने बताया कि बीसीसीआइ की मेडिकल टीम और राष्ट्रीय चयनकर्ता चाहते हैं कि शमी सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में कुछ और प्रतिस्पर्धी मैच खेलें जिससे यह देखा जा सके कि कई मैचों के बाद भी उनका शरीर ठीक है या नहीं, फिर भले ही यह सफेद गेंद का टूर्नामेंट हो।

पडिक्कल को रोका गया: भारतीय टीम ने वाका मैदान पर ट्रेनिंग समाप्त कर ली है और खिलाड़ी मंगलवार से आप्टस स्टेडियम में मैच 'ड्रिल्स' करने के लिए जाएंगे। इस बीच भारतीय टीम प्रबंधन ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को बल्लेबाजी 'बैक-अप' के तौर पर आस्ट्रेलिया में रोकने का निर्णय किया है।

देवदत्त हाल में भारत ए की टीम का हिस्सा थे। उन्होंने आस्ट्रेलियाई समकक्ष के विरुद्ध चार दिवसीय दो मुकाबले खेले थे। इस बांए हाथ के बल्लेबाज को हाल में सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के लिए कर्नाटक की टीम में चुना गया है। उन्होंने 'ए' दौरे पर 36, 88, 26 और एक रन की पारी खेली।

तीन तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, खलील अहमद और नवदीप सैनी भारत ए टीम का हिस्सा थे। सैनी पिछले आस्ट्रेलियाई दौरे के दौरान सिडनी और ब्रिसबेन में खेले थे और अब तक पारंपरिक प्रारूप में केवल दो मैच ही खेले हैं। इसकी जानकारी रखने वाले एक करीबी सूत्र ने कहा, 'यह आस्ट्रेलियाई परिस्थितियों से अनुकूल होने के बारे में है क्योंकि ये खिलाड़ी हाल में यहां खेल चुके हैं।' देवदत्त ने इस वर्ष इंग्लैंड के विरुद्ध धर्मशाला में टेस्ट पदार्पण किया था और चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 65 रन बनाए थे।

अश्विन को लय प्राप्त करने का अवसर नहीं देना होगा : स्मिथ

मेलबर्न, प्रेट्र: आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 2020-21 सीरीज के दौरान भारतीय स्पिनर के विरुद्ध अपने संघर्ष से बचने के लिए आगामी बार्डर-गावस्कर ट्राफी में रविचंद्रन अश्विन के विरुद्ध सक्रिय रवैया अपनाना चाहते हैं।

अश्विन ने उस सीरीज में स्मिथ को तीन बार आउट किया था। इस भारतीय आफ स्पिनर ने 2023 में आस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान को दो बार आउट किया था। स्मिथ इस दौरान अश्विन के विरुद्ध केवल 22 रन ही बना सके थे। स्मिथ ने 'सिडनी मार्निंग हेराल्ड' से कहा, 'मुझे आस्ट्रेलिया में आफ स्पिन के विरुद्ध आउट होना पसंद नहीं है। वह हालांकि बहुत अच्छे गेंदबाज हैं और उनकी योजनाएं शानदार होती हैं। कुछ ऐसे अवसर आए जब वह मुझ पर दबदबा बनाने में सफल रहे।'

स्मिथ ने कहा, 'एससीजी में मैं सक्रिय रवैया अपनाकर उन पर हावी होने में सफल रहा। ऐसे में मेरे लिए यह अहम है कि उनके विरुद्ध सक्रिय बल्लेबाजी कर के उन्हें लय हासिल और उस तरह से गेंदबाजी नहीं करने दें जिस तरह से वह चाहते हैं।' आस्ट्रेलिया में अश्विन का टेस्ट गेंदबाजी औसत 42.15 है।

स्मिथ ने कहा, 'अश्विन का मुकाबला करते समय आपको मानसिक चुनौती से निपटना होता है। सीरीज की शुरुआत में अगर वह दबदबा बनाने में सफल रहे तो वह हावी हो सकते हैं।'

22 रन ही स्टीव भारतीय स्पिनर के विरुद्ध पिछले वर्ष बना सके थे, दो बार हुए थे आउट

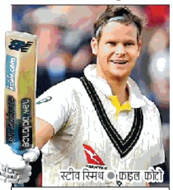

स्टीव स्मिथ ● फाइल फोटो

मैक्ग्रा ने कोहली के विरुद्ध 'कड़ा रुख' अपनाने को कहा

मेलबर्न, प्रेट्र: दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा का मानना है कि आस्ट्रेलिया के पास 'भावनात्मक' विराट कोहली को निशाना बनाने की 'क्षमता' है और यह स्टार बल्लेबाज अगर बार्डर-गावस्कर ट्राफी की खराब शुरुआत करता है तो दबाव में आ जाएगा। फाक्स क्रिकेट ने 'कोड स्पोर्ट्स' पर मैक्ग्रा के हवाले से कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि न्यूजीलैंड के विरुद्ध 0-3 की हार के बाद, कोहली के पास खुद को साबित करने के लिए बहुत क्षमता है। इसलिए उन पर दबाव डालें और देखें कि वे इसके लिए तैयार हैं या नहीं।'

एक नजर में

मलेशिया से भिड़ेगा भारत, साल की पहली जीत पर नजरें

हैदराबाद: मुख्य कोच मनोलो मारक्वेज के नेतृत्व में पहली और साल की भी पहली जीत की तलाश में जुटी भारतीय फुटबाल टीम सोमवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में चिर-प्रतिद्वंद्वी मलेशिया से भिड़ेगी। सीनियर खिलाड़ी और सेंट्रल डिफेंडर संदेश झिंगन की चोट से वापसी से भारत को मजबूती मिलेगी। भारतीय टीम ने 2024 में अब तक 10 मैच खेले हैं जिनमें से छह में उसे हार का सामना करना पड़ा और चार ड्रा रहे। 1957 से अब तक दोनों टीमें 32 बार आपस में खेल चुकी हैं। दोनों ने अब तक 12-12 मैच जीते हैं। (प्रेट्र)

संदेश झिंगन।

हिताशी ने हीरो डब्ल्यूपीजीटी का 14वां चरण जीता

किशनगढ़: भारतीय गोल्फर हिताशी बख्शी ने रविवार को यहां हीरो महिला प्रो गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के 14वें चरण का खिताब अपने नाम कर सत्र की तीसरी ट्राफी जीत ली। इस तरह 20 साल की हिताशी इस साल तीन खिताब जीतने वाली विधात्री उर्स के साथ शामिल हो गईं। हिताशी ने 67-70-71 के कार्ड से कुल आठ अंडर 208 का स्कोर बनाया। हिताशी को इस जीत से 1,44,000 रुपये की पुरस्कार राशि का चेक मिला। (प्रेट्र)

पाक के सीमित ओवर कोच बन सकते हैं जावेद

लाहौर: मौजूदा राष्ट्रीय चयनकर्ता और पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को पाकिस्तान के जिम्बाब्वे दौरे से पहले सफेद गेंद प्रारूप (टी-20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय) में मुख्य कोच नियुक्त किए जाने की प्रबल संभावना है। पाकिस्तान 24 नवंबर से पांच दिसंबर के बीच तीन वनडे और इतने ही टी-20 मैचों के लिए जिम्बाब्वे की यात्रा करेगा। जावेद मौजूदा समय में सीनियर राष्ट्रीय चयनकर्ता हैं। (प्रेट्र)

भारतीय टीम नहीं ले अतिरिक्त दबाव : कपिल

खेल संवाददाता, जागरण ● गुरुग्राम: भारतीय पूर्व क्रिकेटर और विश्व विजेता कप्तान कपिल देव ने भारतीय क्रिकेट टीम को 22 नवंबर से शुरू होने वाली बार्डर-गावस्कर ट्राफी में अतिरिक्त दबाव नहीं लेने का सुझाव दिया। भारतीय पूर्व क्रिकेटर रविवार को क्लासिक कंट्री गोल्फ कोर्स में आयोजित समुद्र गोल्डन ईगल्स गोल्फ टूर्नामेंट में भाग लेने पहुंचे थे। बार्डर-गावस्कर ट्राफी को लेकर भारतीय टीम के संभावनाओं को लेकर कपिल ने कहा, 'मैं केवल अपनी टीम को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। अधिक मत सुनिये, अपना स्वाभाविक खेल खेलने पर ध्यान दीजिए। सीरीज के दौरान जो टीम अच्छा खेलेगी वह जीतेगी। इसके लिए अतिरिक्त दबाव लेने की कोई आवश्यकता नहीं है।' वहीं, पर्थ टेस्ट मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति और शुभमन गिल की चोट को लेकर उन्होंने अनभिज्ञता जताई और कहा कि मैं भी बतौर दर्शक ही इसे देखूंगा।

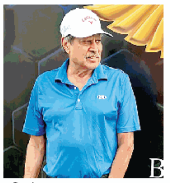

कपिल देव ● जागरण

वहीं, चैंपियंस ट्राफी के लिए टीम को पाकिस्तान नहीं भेजने के सरकार के निर्णय का कपिल ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'इस मामले में निर्णय लेने का अधिकार सरकार का है। अगर उन्हें लगता है कि भारतीय टीम को नहीं भेजना है तो यही सही है। कोई भी देश से ऊपर नहीं है। जब कोई निर्णय देश लेता है, इसमें किसी के व्यक्तिगत के राय का कोई स्थान नहीं होता है। मैं इस पर टिप्पणी करने का अधिकारी नहीं हूं।'

पीजीटीआइ के नए सीईओ बने अमनदीप जौहल को लेकर कपिल ने कहा, 'नए लोग हमेशा नया बदलाव लेकर आते हैं। मुझे पूरी आशा है कि ऐसा ही होगा। पीजीटीआइ बहुत अच्छा कर रही है। हर वर्ष के साथ इसमें सुधार हो रहा है। हालांकि, इसमें कोई दो राय नहीं कि उत्तम मुंडी ने शानदार काम किया है। उन्होंने पीजीटीआइ को 16 वर्ष दिए। उनका स्थान कोई नहीं ले सकता, परंतु हम इस बदलाव का स्वागत करते हैं।'

65 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर से यह पूछने पर कि इस आयु में भी प्रतिदिन गोल्फ खेलने की प्रेरणा कहां से मिलती है, इस पर कपिल ने कहा, 'जिंदगी से। इससे बेहतर प्रतिदिन खेलने की प्रेरणा और कहां से मिल सकती है।'

दीपिका फिर चमकीं, जापान को हराकर भारत शीर्ष पर

एशियाई चैंपियंस ट्राफी

जागरण संवाददाता, राजगीर: गत चैंपियन भारत ने रविवार को यहां महिला एशियाई चैंपियंस ट्राफी (एसीटी) हाकी टूर्नामेंट के अपने अंतिम लीग मैच में जापान को 3-0 से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। शानदार फार्म में चल रहीं टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर दीपिका (47वें और 48वें मिनट) ने अंतिम क्वार्टर में दो गोल दागे जबकि उप-कप्तान नवनीत कौर ने 37वें मिनट में गोल कर भारत का खाता खोला था। भारत सभी पांच मैच जीतकर 15 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है जबकि ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन (12 अंक) दूसरे स्थान पर है।

भारत मंगलवार को चौथे स्थान पर रही जापान से सेमीफाइनल में भिड़ेगा जबकि चीन का सामना अंतिम-चार के दूसरे मैच में तीसरे स्थान पर काबिज मलेशिया से होगा। टूर्नामेंट की शीर्ष गोल स्कोरर दीपिका ने अब तक चार मैदानी गोल, पेनाल्टी कार्नर से पांच और पेनाल्टी स्ट्रोक से एक गोल से कुल 10 गोल दाग दिए हैं। दिन के अन्य मैचों में मलेशिया ने थाईलैंड को 2-0 से हराया जबकि चीन ने दक्षिण कोरिया को समान अंतर से मात दी। भारतीयों ने आठवें मिनट में लगातार पेनाल्टी कार्नर हासिल किए, लेकिन खिलाड़ी इन्हें भुना नहीं सकीं। भारत ने 13वें मिनट में एक और पेनाल्टी कार्नर प्राप्त किया लेकिन फिर से मौका गंवा बैठे।

टूर्नामेंट के अंतिम लीग मैच में जापान के विरुद्ध गोल दागतीं दीपिका ● एक्स

मेजबान टीम ने दबदबा जारी रखा और 25वें मिनट में चौथा पेनाल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन एक बार फिर जापान की गोलकीपर यु कुडो ने मौके का फायदा उठाया और तीन शानदार बचाव किए। भारत ने आखिरकार 37वें मिनट में नवनीत के शानदार रिवर्स हिट के जरिए बढ़त बना ली।

भारत ने 47वें मिनट में लगातार तीन पेनाल्टी कार्नर हासिल किए और स्टार ड्रैगफ्लिकर दीपिका ने ताकतवर ड्रैगफ्लिक से गोल कर अपना खाता खोला। एक मिनट बाद भारतीयों ने एक और मौका बनाया जिस पर दीपिका ने ताकतवर फ्लिक से गोल दाग दिया।

भारतीय रक्षण को भी श्रेय दिया जाना चाहिए जिसमें उदिता और सुशीला चानू ने शानदार अगुआई की और उन्होंने जापानी खिलाड़ियों को भारतीय गोल पर एक भी शाट नहीं लगाने दिया।

सैयद मुश्ताक ट्राफी के लिए मुंबई में पृथ्वी शा की वापसी

मुंबई, प्रेट्र: श्रेयस अय्यर को 23 नवंबर से 15 दिसंबर तक खेली जाने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के लिए रविवार को 17 सदस्यीय मुंबई की टीम का कप्तान नियुक्त किया गया जिसमें पृथ्वी शा को भी शामिल किया गया है। टीम में अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं जो रणजी ट्राफी में मुंबई की कप्तानी कर रहे हैं। साथ ही वापसी करने वाले बल्लेबाज सिद्धेश लाड भी टीम में शामिल हैं। 25 वर्षीय शा को फिटनेस और अनुशासन संबंधी मुद्दों के कारण रणजी ट्राफी टीम से बाहर कर दिया गया था। मुश्ताक अली की टीम में वापसी आइपीएल से पहले शा के लिए राहत भरी खबर है।

अय्यर इस रणजी सत्र में शानदार फार्म में हैं और वह भारतीय टीम में वापसी करने के लिए अपना दावा मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने 90.40 की औसत से 452 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक शामिल हैं। अय्यर ने इस साल जो भी सैकड़े जड़े हैं, वे सभी बड़े शतक हैं।

पृथ्वी शा ● एक्स

दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने ओडिशा के विरुद्ध 233 रन (228 गेंद, 24 चौके, नौ छक्के) की तेज पारी खेली और फिर महाराष्ट्र के विरुद्ध 142 रन (190 गेंद, 12 चौके, चार छक्के) बनाकर मुंबई की लगातार दो जीत में अहम भूमिका निभाई।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी ने 13 अंक प्राप्त कर ब्लिट्ज खिताब भी जीता

कोलकाता में चला मैग्नस कार्लसन का जादू

टाटा स्टील शतरंज

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए एक दौर रहते ही ब्लिट्ज खिताब जीत लिया और टाटा स्टील शतरंज इंडिया टूर्नामेंट में दूसरी ट्राफी हासिल की। पहले ही रैपिड खिताब जीत चुके नार्वे के 33 वर्षीय खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल से पहले 12 अंक हासिल कर लिए थे, जहां कोई नहीं पहुंच सकता था।

उन्होंने अंतिम दौर में विदित गुजराती को हराकर टूर्नामेंट का शानदार समापन किया। लगातार तीन जीत और कुल 13 अंक के साथ कार्लसन ने 'ब्लिट्ज' का ताज हासिल किया। वहीं, महिलाओं में तीन बार की विश्व ब्लिट्ज चैंपियन कैटेरीना लाग्नो रविवार को एक बार फिर चैंपियन बनीं।

रैपिड के बाद ब्लिट्ज स्पर्धा में भी दिखा मैग्नस का दबदबा, महिलाओं में कैटेरीना लाग्नो बनीं चैंपियन

मैग्नस कार्लसन ● जागरण

कार्लसन ने ब्लिट्ज स्पर्धा के दूसरे दौर की शुरुआत केवल आधे अंक की बढ़त के साथ की थी। रविवार को नार्वे के स्टार खिलाड़ी लगातार पांच मुकाबले ड्रा खेलने के बावजूद शीर्ष पर रहे। मैग्नस ने रविवार को प्रगनानंद, वेस्ली सो, अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक, विंसेंट कीमर और निहाल सरीन के विरुद्ध ड्रा खेला। भारतीय युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी के पास कार्लसन से आगे निकलने का अवसर था, लेकिन वह अंतिम दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और लगातार तीन मुकाबले हार गए। इसके कारण अंतिम मुकाबले से पहले ही कार्लसन चैंपियन बन गए। वेस्ली सो ब्लिट्ज स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अर्जुन एरिगेसी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

वहीं, महिला वर्ग में कैटेरीना लाग्नो ने 11.5 अंकों के साथ दमदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। वैलेंटिना गुनिना दूसरे, जबकि अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना तीसरे स्थान पर रहीं।

राउल-गैब्रिएला ने गोवा एसेस को जिताई इंडियन रेसिंग लीग

जीत के बाद ट्राफी के साथ गोवा एसेस की टीम ● आयोजक

नई दिल्ली, जेएनएन: राउल हाइमन और गैब्रिएला जिलकोवा ने न केवल गोवा एसेस जेए रेसिंग के लिए 1-2 की फिनिश हासिल की, बल्कि टीम को इंडियन रेसिंग लीग चैंपियनशिप जीतने में भी मदद की। इसी के साथ रेसिंग प्रमोशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रमोट किए गए इंडियन रेसिंग लीग चैंपियनशिप 2024 संस्करण का पर्दा रविवार को यहां कारी मोटर स्पीडवे पर गिर गया। गोवा एसेस के लिए यह भी एक बड़ी उपलब्धि थी क्योंकि टीम ने कार चैंपियनशिप भी जीती और इस सीजन का अंत यादगार डबल के साथ किया। हाइमन ने 28 सेकंड के अंतर से जीत हासिल की और अपनी टीम के लिए 1-2 की फिनिश हासिल की।

एफ4 इंडियन चैंपियनशिप: बेंगलुरु के रुहान अल्वा (श्राची रार रायल बंगाल टाइगर्स) ने फार्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप में शानदार डबल हासिल किया, लेकिन यह दक्षिण अफ्रीकी किशोर अकील अलीभाई (हैदराबाद ब्लैकबर्ड्स) को खिताब जीतने से नहीं रोक पाए।

खिताबी मुकाबले में भिड़ेंगे सिनर और फ्रिट्ज

एटीपी फाइनल्स

जानिक सिनर ● एएफपी

तुरीन, आइएएनएस: जानिक सिनर अपने शानदार सत्र का अंत करने से एक कदम दूर हैं। उन्होंने कैस्पर रुड को 6-1, 6-2 से हराकर लगातार दूसरे साल एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। अपने ऐतिहासिक सत्र की 69वीं जीत के साथ 23 वर्षीय सिनर 2002 में 20 साल के लेटन हेविट के बाद वर्ष के अंत में होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में लगातार दो खिताबी मुकाबले तक पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। सिनर और 2024 में आठवें टूर-लेवल खिताब के बीच अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज खड़े हैं। अपने पिछले 26 मैचों में से 25 मैच जीतने वाले सिनर ने राउंड-रोबिन चरण में फ्रिट्ज को सीधे सेटो में हराया था।

डेविस कप से बाहर रह सकते हैं राफेल नडाल

मैड्रिड, एपी: राफेल नडाल को अगर लगता है कि वह स्पेन में अपने विदाई टूर्नामेंट में टीम को सफलता दिलाने में सक्षम नहीं हैं तो वह मलागा में डेविस कप फाइनल में सिंगल्स मुकाबलों से बाहर रहने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'अगर मैं खुद को सिंगल्स में जीतने के लिए तैयार नहीं देखता तो मैं पहला व्यक्ति रहूंगा जो खेलना नहीं चाहेगा।' 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल डेविस कप के बाद टेनिस से संन्यास ले रहे हैं।

होप-लुइस ने दिलाई विंडीज को रिकार्ड जीत

ग्रास आइलेट, एपी: शाई होप और एविन लुइस के तेजतर्रार अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की शतकीय साझेदारी से वेस्टइंडीज ने रिकार्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए शनिवार को चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड को पांच विकेट से हरा दिया। लुइस ने 31 गेंद में 68 जबकि होप ने 24 गेंद में 54 रन की पारी खेली। दोनों ने सिर्फ 9.1 ओवर में 136 रन की साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने 219 रन के लक्ष्य को 19 ओवर में पांच विकेट पर 221 रन बनाकर हासिल कर लिया। लुईस ने सात छक्के और चार चौके मारे जबकि होप ने तीन छक्के और सात चौके जड़े।

वेस्टइंडीज ने 10वें ओवर में लगातार तीन गेंद में लुईस, होप और निकोलस पूरन (00) के विकेट गंवा दिए लेकिन कप्तान पावेल (38) और रदरफोर्ड (29) ने मेजबान टीम की जीत सुनिश्चित की।

जर्मनी की जीत, नीदरलैंड्स भी क्वार्टर फाइनल में

नेशंस लीग

फ्लोरियन रिट्ज ● एएफपी

फ्रीबर्ग, आइएएनएस: जर्मनी ने नेशंस लीग में सबसे बड़ी जीत दर्ज करके पहला स्थान हासिल किया। जूलियन नागेल्समैन की टीम ने बोस्निया और हर्जेगोविना को 7-0 से हराया। नेशंस लीग के छह साल के इतिहास में पहली बार एक मैच में सात गोल हुए। इस जीत से पहले ही जर्मनी ने क्वार्टर-फाइनल में जगह पक्की कर ली थी, लेकिन इस जीत ने उन्हें ग्रुप विजेता बना दिया। अब मार्च में अगले चरण में उनका मुकाबला किसी उपविजेता टीम से होगा।

टिम क्लिन्डिएंस्ट और फ्लोरियन रिट्ज ने जर्मनी के लिए सर्वाधिक दो-दो गोल दागे। क्लिन्डिएंस्ट ने इस मैच में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल भी किया। इस हार ने बोस्निया-हर्जेगोविना को लीग ए से बाहर कर दिया है। तुर्किये और वेल्स का मैच 0-0 से ड्रा रहा। अब ग्रुप बी4 में पहले और दूसरे स्थान की टीमों के बीच सिर्फ दो अंकों का अंतर है।

स्वीडन ने पक्का किया प्रमोशन: विक्टर ग्योकेरेस के शानदार प्रदर्शन से स्वीडन ने स्लोवाकिया को 2-1 से हराकर लीग बी में प्रमोशन पक्का कर लिया। ग्योकेरेस ने तीसरे मिनट में टूर्नामेंट में स्वीडन का पहला गोल किया।

स्लोवाकिया ने डेविड हेंको के 19वें मिनट में किए गोल से स्कोर बराबर किया लेकिन ग्योकेरेस के असिस्ट पर एलेक्जेंडर इसाक के गोल ने स्वीडन की 2-1 से जीत सुनिश्चित की।

हंगरी के विरुद्ध चमके वेघोर्स्ट और गाक्पो

लंदन, एपी : नीदरलैंड्स ने हंगरी पर शानदार 4-0 की जीत के साथ नेशंस लीग के क्वार्टर-फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। पहले हाफ में वाउट वेघोर्स्ट और कोडी गक्पो ने दो पेनाल्टी गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिलाई। फिर डेंजल डम्फ्रीज ने 60वें मिनट के बाद तीसरा गोल कर दिया। इसके बाद आखिरी क्षणों में स्थापन्न ट्यून कूपमाइनर्स ने डम्फ्रीज के सटीक क्रास पर हेडर से चौथा गोल कर मैच का स्कोर 4-0 कर दिया। हंगरी के स्टाफ मेंबर एडम सालाई के अचानक बीमार पड़ने के कारण जोहन क्रुएफ एरिना में खेले गए इस मैच को शुरुआत में कुछ समय के लिए रोका गया था। हालांकि, उनकी हालत स्थिर होने के बाद खेल दोबारा शुरू हुआ।

****

प्रसंगवश

साहित्य बनाम लोकप्रिय साहित्य

एक ओर हिंदी में लोकप्रिय साहित्य को 'लुगदी साहित्य' कहकर अस्पृश्य माना जाता रहा है तो दूसरी ओर उसे साहित्य में स्थापित करने के प्रयास भी हो रहे हैं। पिछले दिनों हिंदी के आलोचक शंभुनाथ ने टिप्पणी की कि 'साहित्य भाषा का वैभव है तो लुगदी साहित्य भाषा की सड़ांध'। उनकी इस टिप्पणी पर पक्ष-विपक्ष में प्रतिक्रियाएं भी हुईं। जानिए, आलोचक शंभुनाथ का यह कहने का क्या था अभिप्राय और लोकप्रिय उपन्यासकार सुरेंद्रमोहन पाठक की इस पर प्रतिक्रिया...

स्मृति-शेष

साहित्य के प्रति रहे आजीवन प्रतिबद्ध

प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी (8 अक्टूबर, 1936 - 11 नवंबर, 2024)

ख्यात लेखक और सांस्कृतिक प्रशासक रहे प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी का 11 नवंबर को निधन हो गया। साहित्य-संस्कृति सेवी व बहुमुखी प्रतिभा के धनी डा. चौधुरी को अपनी भावांजलि दे रहे हैं डा. रणजीत साहा

मैंने वर्ष 1977 में पहली बार डा. इंद्रनाथ चौधुरी को डा. नगेंद्र के कक्ष में देखा था। तब मैं दिल्ली विश्वविद्यालय में एसोसिएट फेलो के नाते डा. नगेंद्र और डा. कपिला वात्स्यायन के अधीन शोध योजना पर काम कर रहा था। डा. नगेंद्र ने उन दिनों एक संस्था गठित कर रखी थी, जो तुलनात्मक भारतीय साहित्य पर छह महीने का पाठ्यक्रम परिचालित करती थी। इसमें व्याख्यान आयोजित होते। उन सत्रों में डा. चौधुरी से मेरा परिचय हुआ।

वर्ष 1983 में जब साहित्य अकादेमी में मेरी नियुक्ति हुई तो इसके सचिव डा. र.श. केलकर कार्यमुक्त होने वाले थे। प्रो. इंद्रनाथ चौधुरी 1984 में अकादेमी के सचिव बने। उन्होंने अकादेमी के आयोजनों, संगोष्ठियों के साथ पुस्तकालय व वाचनालय को नया स्वरूप दिया। इसी से जुड़ा था आचार्य रामचंद्र शुक्ल की राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन। यह त्रिदिवसीय संगोष्ठी मंडी हाउस में आयोजित हुई थी, जिसमें देश भर के विद्वान आमंत्रित थे। अंतिम सत्र समाप्त होते-होते सूचना आ गई थी कि इंदिरा गांधी पर गोलियां चली हैं। संगोष्ठी तत्काल स्थगित करने के बाद चौधुरी जी ने देर तक रुककर अकादेमी के कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की, क्योंकि शाम तक दिल्ली में सिख विरोधी दंगे भड़क गए थे। स्थितियां विषम थीं, लेकिन संगोष्ठी के सफल आयोजन से प्रो. चौधुरी की कार्यक्षमता और प्रतिबद्धता का पता लोगों को चल गया।

प्रो. चौधुरी की स्नेह छाया में मुझे 1984 से 1996 तक कार्य करने का सुयोग प्राप्त हुआ। उनके साथ काम करने वाले वरिष्ठ अधिकारी से लेकर दिहाड़ी पर रखे गए कर्मचारी तक पूरी निष्ठा से काम करते थे। चौधुरी जी सुबह नौ बजे तक आ जाते और हमारे आने तक आवश्यक फाइलें निपटा चुके होते थे। अकादेमी के मुख्यालय के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यालयों में भी गतिविधियां बढ़ गई थीं। कई नए कार्यक्रम जुड़ गए। अकादेमी की 'इंडियन लिटरेचर' और 'समकालीन भारतीय साहित्य' के साथ 'संस्कृत प्रतिभा' नामक नई पत्रिका की शुरुआत की गई। 'एनसाइक्लोपीडिया आफ इंडियन लिटरेचर' के छह खंडों को लगातार अद्यतन करने का दायित्व भी प्रो. चौधुरी अब तक वहन कर रहे थे।

अकादेमी के कार्यक्रमों के केंद्र में रहते हुए प्रो. चौधुरी के निजी लेखन तथा पुस्तक प्रकाशन में कोई कमी नहीं आई। निराला के काव्य पर 'रवींद्रनाथ टैगोर का प्रभाव' (शोध प्रबंध) के अलावा 'भारतीय नव जागरण: टैगोर, विवेकानंद और गांधी', 'हिंदुइज्म : ए वे आफ लाइफ एंड ए मोड आफ थाट', 'इंडियन रेनेसां एंड रवींद्रनाथ टैगोर', 'ए पैनोरमा आफ इंडियन नालेज सोसाइटी' आदि पुस्तकें उनकी विद्वता की साक्षी हैं। उनका मानना था कि किसी भाषा की महत्ता उसे बोलने वाले की संख्या से निर्धारित नहीं होती, किसी भी भाषा की रचनात्मकता को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए।

drsaharanjit@gmail.com

बौने की छाया लंबी हो जाना सूर्यास्त होना है...

शंभुनाथ, कोलकाता, बंगाल

इध[illegible]हित्य की अ[illegible] समानांतर न[illegible]ा स्थापित क[illegible] पता नहीं क[illegible] के लिए कुछ विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में भी इसे शामिल किया गया है। 1950-80 के बीच कुशवाहा कांत, गुलशन नंदा, सुरेंद्र मोहन पाठक जैसे लोकप्रियतावादी लेखकों की खूबियां गिनाते हुए इधर कुछ लेखक उन्हें पुनर्जीवित करने में लगे हैं। बल्कि इधर के लुगदी उपन्यासों का 20-25 हजार प्रतियों की फटाफट बिक्री घोषित करके 'बेस्टसेलर' की हवा बनाई जा रही है। यह सब लोकप्रिय साहित्य के नाम पर साहित्य को रास्ते से हटाने का अभियान लगता है।

हम जिसे साहित्य कहते हैं, वह लुगदी साहित्य की तरह सिर्फ मनोरंजन नहीं है। साहित्य सदा असहमति और प्रतिवाद का आनंद है। समाज में उसका आकर्षण है, गरिमा है। साहित्य भाषा का वैभव है तो लुगदी साहित्य भाषा की सड़ांध। दोनों में फर्क है, जिसे धूमिल किया जा रहा है। साहित्य 'सृजन' है, जबकि लुगदी साहित्य 'उत्पादन'। साहित्य जागरण है, जबकि सस्ते बाजार का लुगदी माल नशे में बेहोश करने वाली चीज।

लुगदी साहित्य को लोकप्रिय नहीं, लोकप्रियतावादी साहित्य कहना चाहिए। अपराध, जासूसी, सेक्स और अतिरंजित घटनाओं पर आधारित उत्तेजक कवर वाली पुस्तकें। ये पेपरबैक के उदय के साथ अस्तित्व में आई थीं। इन्हें अंग्रेजी में 'पल्प लिटरेचर' कहा जाता है, जिसने 1935 में पेंगुइन जैसा बड़ा प्रकाशन खड़ा कर दिया। दरअसल, ऐसी किताबें कौतूहल पैदा करती हैं, साहित्य की तरह जिज्ञासा नहीं। एक समय इन्हें पढ़ने को अच्छा नहीं माना जाता था। ये कुछ के लिए यात्रा-साथी थीं। कई लुगदी लेखकों की किताबें लाखों में छपती थीं। आज गौर करें तो लुगदी के प्रमुख केंद्र व्हीलर की दुकानों पर पान मसाला और चिप्स झूल रहे हैं। लोग लुगदी साहित्य पढ़ना छोड़ चुके हैं।

प्रेमचंद ने एक जगह कहा है, 'लिखते तो वे लोग हैं, जिनके अंदर कुछ दर्द है, अनुराग है, लगन है, विचार हैं। जिन्होंने धन और भोग-विलास को जीवन का लक्ष्य बना लिया, वे क्या लिखेंगे!' वे लिखेंगे, पर वैसी छाप कभी नहीं छोड़ पाएंगे, जैसी वाल्मीकि, कालिदास या रवींद्रनाथ, प्रेमचंद व अज्ञेय ने छोड़ी। लुगदी साहित्य हो या लोकप्रियतावादी कलाएं, ये सामंती मनोरंजन के ही आधुनिक रूप हैं।

हिंदी साहित्य की अपने समाज में अधिक पैठ नहीं हो पाई, क्योंकि हिंदी पर ही मनोरंजन उद्योगों का सबसे तेज हमला हुआ। देश के प्रतिभावान व्यक्ति बड़े पैमाने पर बिक गए। उनके लिए मूल्यों और तर्कों की जगह मजा ही प्रधान हो गया था। लुगदी लेखक या लुगदी प्रदर्शनों का एक अर्थ यह भी है कि पैसे की तरफ लुढ़क जाओ! साहित्यकार इसी बिंदु पर सैकड़ों साल से अलग रहा है।

यह धारणा सही नहीं है कि लुगदी ने साहित्य को विस्थापित कर दिया है। वास्तविकता यह है कि आज लोगों के मन पर वह छाता है, जिसे बाजार लोकप्रिय बनाना चाहता है। लोकप्रियता अब एक लोकनिरपेक्ष मामला बन गई है। स्वतंत्रता के पहले जो जनता आत्मसजग हो रही थी, वह धीरे-धीरे उपभोक्तावादी झुंड में बदल दी गई। राजनीति ने भी उसका बौद्धिक सतहीकरण किया। कुछ भी पसंद आना या न आना अब जनता का अपना मामला नहीं रह गया है, क्योंकि हमला सीधे उसके सोचने की शक्ति पर है।

आज हर अच्छा और मूल्यप्रवण साहित्य हाशिये पर ठेला जा रहा है। हालांकि उपन्यास के साहित्यिक संसार में ही लुगदीपन का प्रवेश हुआ है, अन्य विधाओं में नहीं। लोगों के माथे पर आज जो सांस्कृतिक कचरा थोपा जा रहा है, उसे कुछ लोग 'पापुलर कल्चर' कहते हैं। अब जो कुछ श्रेष्ठ, सुंदर और कल्याणकारी है, वह जनरुचि के बाहर है, पापुलर नहीं है। यह चिंताजनक है। कहते हैं, जब बौने की छाया लंबी हो जाए, समझिए सूर्यास्त हो रहा है। लेकिन नए सूर्योदय में बस एक अंधेरी रात भर की दीवार है, इसे पार करना होगा!

prof.shambhunath@gmail.com

लोकप्रिय साहित्य को सड़ांध कहना अशोभनीय

सुरेन्द्र मोहन पाठक, दिल्ली

लुगदी पर छपे साहित्य को सड़ांध कहना अशोभनीय है, असहनीय है। उस समय लुगदी उस रीसाइकल्ड कागज को कहते थे, जो सामान्य कागज के मुकाबले बहुत सस्ता होता था। इसीलिए उस पर छपी पुस्तक सस्ती होती थी और घर-घर में खरीदी जाती थी। वह कागज लुगदी था, उस पर छपा साहित्य लुगदी नहीं था। यह फर्क तो समझना चाहिए। दूसरे, सौ पेज की साहित्यिक पुस्तक की कीमत 200 रुपये और 200 पेज की लुगदी पर छपी पुस्तक कीमत 10 रुपये! मूल्य और उपलब्धता में इतना अंतर था, जिसके कारण लुगदी पर छपी पुस्तक हर पुस्तकप्रेमी को कुबूल थी, जबकि साहित्यिक पुस्तक का लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ लाइब्रेरियां थीं। आज भी हैं। ऐसी साहित्यिक पुस्तक का गुणगान करने वाला म्यूचुअल-फैन-क्लब है, जो 'यू स्क्रैच माई बैक आई स्क्रैच योर्स' के आधार पर काम करता है।

कैसी विडंबना है कि भारत में 46 प्रतिशत लोग हिंदीभाषी हैं, फिर भी साहित्यिक लेखक को पुस्तक के हजार पाठक भी नसीब नहीं होते! बावजूद इसके साहित्यकार नाक पर मक्खी नहीं बैठने देता और अपने से भिन्न लेखन को सड़ांध कहता है। गौरतलब है कि साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता, 'राग दरबारी' जैसी कालजयी रचना के लेखक श्रीलाल शुक्ल को इस सड़ांध में गोता लगाने में कोई एतराज न हुआ, उन्होंने विशुद्ध जासूसी उपन्यास 'आदमी का जहर' लिखा। पूर्व पत्रिकाओं 'पराग' और 'सारिका' के पूर्व संपादक आनंद प्रकाश जैन ने 'चंदर' के नाम से दर्जनों जासूसी उपन्यास लिखे। पद्मभूषण लेखक कृश्न चंदर ने 'हांगकांग की हसीना', 'आंख की चोरी' जैसे जासूसी उपन्यास लिखे। मनहर चौहान जैसे साहित्यकार को 'मीना सरकार' के छद्म नाम से जासूसी उपन्यास लिखते वक्त सड़ांध में गोता लगाने से गुरेज न हुआ। शिवानी, भैरव प्रसाद गुप्त, गुरुदत्त, अश्क, चतुरसेन शास्त्री, विष्णु प्रभाकर, शैलेश मटियानी, मन्मथनाथ गुप्त, अमृता प्रीतम जैसे कितने ही लेखक लुगदी पर प्रकाशित हुए और सबने चांदी काटी। यानी पैसा कमाओ तो लुगदी, नाम इनाम कमाना हो तो साहित्य!

जो लिखता है, वह लेखक है। सम्मान का अधिकारी है। कोई ऐतिहासिक लिखता है, पौराणिक लिखता है, साइंस फिक्शन लिखता है तो कोई ऐतराज नहीं, लेकिन यदि जासूसी लिखता है तो वह सड़ांध कैसे हो गया? किसी भी प्रकार के साहित्य में विभाजन रेखा खड़ी करना गलत है। जो आपको नापसंद है, वह न पढ़ें। जिस राह आपको नहीं जाना, उसका रास्ता क्यों पूछते हैं? 'मैं उजला तू काला' वाली प्रवृत्ति से परहेज होना चाहिए।

smpmysterywriter@gmail.com

गजल

मुश्किलों से लड़ने का अभ्यास होना चाहिए

अजीत शर्मा आकाश
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

मन के अंदर हर्ष और उल्लास होना चाहिए।
जिंदगी में हर घड़ी मधुमास होना चाहिए।

मुक्ति रावण से धरा को मिल तो जाएगी मगर,
राम को गद्दी नहीं, वनवास होना चाहिए।

हर जगह सुविधाएं ही हों, यह जरूरी तो नहीं,
मुश्किलों से लड़ने का अभ्यास होना चाहिए।

भूल हो जाती है माना, यह जरूरी है मगर,
अपनी हर इक भूल का आभास होना चाहिए।

एक भी दाना मयस्सर जिन परिंदों को नहीं,
हमको उनकी भूख का एहसास होना चाहिए।

दूसरों के घर में गिरवी होती हैं आजादियां,
हो भले कुटिया, निजी आवास होना चाहिए।

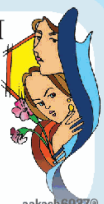

aakash6937@gmail.com

लघुकथा

हाफ संडे

'**अम्मा**, बापू हर रोज काम पर क्यों जाते हैं?' पिता को घर से बाहर निकलता देख 10 वर्षीय मुनिया अपनी मां से पूछ बैठी।

'बापू अगर काम पर नही जाएंगे, तो पैसे नही आएंगे... और पैसे नही आएंगे तो हम लोग खाना कैसे खाएंगे?' बांस के सूप को खूंटी पर लटकाते हुए मां ने मुनिया को समझाया।

'हर दिन जाना पड़ता है!' मुनिया ने पुनः पूछा।

'हां रे, हर रोज जाना होता है।' मां बोली।

'लेकिन अम्मा, जहां तुम काम करने जाती हो, वहां के साहब तो हर रोज काम पर नही जाते!'

'अरे, साहेब लोग को संडे के दिन घर पर आराम करने के लिए छुट्टी मिलती है।' मां मुस्कुराकर बोली।

'तब तो साहेब लोग को संडे का पैसा नहीं मिलता होगा?' मुनिया तपाक से बोली।

'ऐसा नही है, उस दिन का पैसा भी मिलता है।' मां ने मुनिया के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा।

'लेकिन बापू को तो छुट्टी नहीं मिलती।'

'बेटी हम दिहाड़ी मजदूर हैं, हमें रोज काम करना पड़ता है। हमारे नसीब में संडे नही होता।'

अगली शाम काफी तेज बारिश हो रही थी। मुनिया का बापू काम से चार घंटा पहले ही घर वापस आ गया। गीले कपड़ों की जेब से पालीथिन में लिपटी दिहाड़ी पत्नी को देते हुए प्रसन्नता से बोला, 'बारिश के कारण ठेकेदार ने चार घंटा पहले ही काम रोक दिया...।'

'लेकिन दिहाड़ी...' पत्नी ने टोकते हुए पूछा।

'अरे फिक्र मत कर भाग्यवान, मजूरी पूरी दी है।'

पिता की बातें सुन मुनिया खुशी से उसके गीले बदन से लिपट कर चिल्लाई, 'आज बापू का भी हाफ संडे हो गया।' मासूम मुनिया की बातें सुनकर बापू और अम्मा दोनों मुस्कुराने लगे।

विनोद कुमार विक्की

संगीतायन

डा. मुक्ता वार्ष्णेय
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

रामपुर घराने का मिश्रित वैशिष्ट्य

जिस घराने के संस्थापक इनायत खां को उनके गुरु बहादुर खां ने पांच वर्षों तक सिर्फ एक ही राग (गौड़ सारंग) का अभ्यास कराया गया हो, उस घराने के कलाकारों की तैयारी और उनकी ख्याति निश्चित ही अद्भुत व अप्रतिम होगी। जानें रामपुर सहसवान घराने की विशेषता...

रामपुर सहसवान घराने की संगीत परंपरा का उद्भव उत्तर प्रदेश की एक छोटी सी रियासत रामपुर के दरबार से हुआ। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध और 20वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में इस दरबार ने अनेक संगीतकारों को आश्रय दिया और रामपुर संगीतकारों का गढ़ बना।

रामपुर सहसवान घराने के संस्थापक के रूप में उस्ताद इनायत हुसैन खां (1849-1919) का नाम आता है, जो अपने समय के प्रसिद्ध गायक थे। 1857 के विद्रोह के समय इनायत खां अपने पिता सितारवादक महबूब खां के साथ लखनऊ से रामपुर आ बसे। यहां उन्होंने बहादुर खां से संगीत की शिक्षा ली। कहा जाता है कि बहादुर खां ने इनायत खां को पांच वर्षों तक मात्र एक ही राग गौड़ सारंग का अभ्यास कराया, जिससे इनके गले में स्वरों की शुद्धता और गहराई बढ़ गई। इनायत हुसैन खां द्वारा स्थापित यह घराना ग्वालियर घराने का उप-घराना भी माना जाता है। दरअसल, रामपुर की संगीत परंपरा सेनिया घराने से संबंधित रही है। अवध में नवाबी के पतन के पश्चात सेनियों ने रामपुर को अपना घर बना लिया था। प्रसिद्ध सुरसिंगार वादक बहादुर हुसैन खां, रहीम खां, अमीर खां ने रामपुर दरबार को सुशोभित किया। बहादुर हुसैन खां तथा अमीर खां की प्रतिभा से प्रभावित होकर अन्य स्थानों के गायक व वादकों ने इस घराने का शिष्यत्व ग्रहण किया था। 19वीं शती के अंत में नवाब हैदर अली के बड़े पुत्र सआदत अली खां (छम्मन साहब) रामपुर घराने की पहचान बने। रामपुर में विभिन्न जगहों से आ बसे संगीतकारों के कारण यह घराना अनेक विशिष्टताओं का मिश्रित रूप बन गया।

रामपुर-सहसवान घराने की गायकी की प्रमुख विशेषता है: स्वर की स्पष्टता, खुली आवाज, शुद्धता, जटिल तानों का प्रयोग, तराना गायकी में निपुणता, नोम-तोम के आलाप के साथ राग गायन, तत्पश्चात ध्रुपद 'शुद्ध मुद्रा और शुद्ध वाणी' में गायन। ग्वालियर घराने से जुड़े होने के कारण मध्यम धीमी ताल, पूर्ण कंठ में जटिल तालबद्ध प्रस्तुति होती है। इस घराने में सामान्यतया गंभीर प्रकृति के रागों की जगह चंचल प्रकृति के रागों का प्रयोग अधिक किया जाता है। इस घराने में ध्रुपद, खयाल, होरी जैसी शैलियों का पर्याप्त विकास हुआ। इस सदी के सर्वोच्च सितारवादक पंडित रविशंकर, शरण रानी माथुर, सरोद वादक अली अकबर खां, निखिल बैनर्जी, पं. भीमसेन जोशी आदि रामपुर परंपरा से संबद्ध रहे हैं।

इस घराने के उस्ताद मुश्ताक हुसैन खां, निसार हुसैन खां, हाफिज अहमद खां, गुलाम सादिक खां, गुलाम मुस्तफा खां साहब (कई पार्श्वगायकों के गुरु, जिन्होंने स्वयं फिल्म उमराव जान, श्रीमान आशिक जैसी फिल्मों में गायन किया) व उस्ताद राशिद खां (जब वी मेट, माइ नेम इज खान आदि फिल्मों में अपनी आवाज देने वाले) को पद्मपुरस्कार प्राप्त हुए।

muktavarshney422@gmail.com

आज का भविष्यफल- 18 नवंबर, 2024 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष तृतीया का राशिफल।
आज का राहुकाल - प्रातः 07 बजकर के 30 मिनट से 09 बजे तक।
आज का दिशाशूल - पूर्व
आज का पर्व एवं त्योहार - गणेश चतुर्थी व्रत
आज की भद्रा - प्रातः 08 बजकर 02 मिनट से सायं 06 बजकर 57 मिनट तक।

कल 19 नवंबर, 2024 का पंचांग

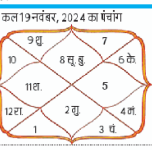

कल का दिशाशूल - उत्तर
विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु मार्गशीर्ष मास कृष्ण पक्ष की चतुर्थी 17 घंटे 29 मिनट तक, तत्पश्चात पंचमी आर्द्रा नक्षत्र 14 घंटे 56 मिनट तक, तत्पश्चात पुनर्वसु नक्षत्र, साध्य योग 14 घंटे 56 मिनट तक, तत्पश्चात शुभ योग, मिथुन में चंद्रमा।

मेष : मांगलिक उत्सव मे हिस्सेदारी रहेगी। संतान के कारण तनाव मिल सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृष : व्यावसायिक मामलों में सफलता। दूसरे से सहयोग लेने में सफल रहेंगे, लेकिन तनाव का सामना करना पड़ेगा।

मिथुन : जीविका के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

कर्क : गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवनसाथी या ससुराल पक्ष से कष्ट मिल सकता है।

सिंह : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

कन्या : व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

तुला : व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : व्यर्थ के वाद-विवाद में फंस सकते हैं। अतः दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

धनु : राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी, लेकिन संतान या शिक्षा के कारण चिंतित रहेंगे।

मकर : रिश्तों में निकटता आएगी। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।

कुंभ : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पारिवारिक प्रयास फलीभूत होगा।

मीन : शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। रिश्तों में निकटता आएगी। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

वर्ग पहेली-2811

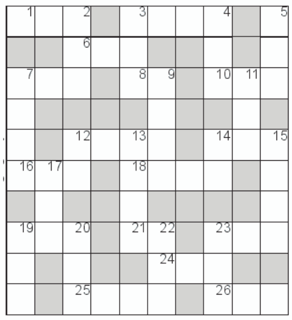

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1 तह, स्तर (3)। 3 मना करना, न मानना (4)। 6 बालक, बच्चा (3)। 7 एक देश का नाम, सौ करोड़ (3)। 8 मुसलमानों का एक त्योहार (2)। 10 धैर्य, ढांढस (3)। 12 मध्यमा और कनिष्ठिका के बीच की अंगुली (4)। 14 नहीं कहने योग्य (3)। 16 अप्राप्य, आसानी से नहीं मिलने वाला (3)। 18 भेड़-बकरी चराने वाला (4)। 19 व्याकुल (3)। 21 प्रतिष्ठा, नासिका (2)। 23 दुर्लभ, अल्प (3)। 24 मृत्यु को प्राप्त होना (3)। 25 अयोग्य (4)। 26 सींक (3)।

ऊपर से नीचे
2 खोज, तलाश (3)। 3 दो या अधिक अंकों की संख्या की गिनती का पहला अंक (3)। 4 आंखों की एक बीमारी (3)। 5 स्वाभाविक, सरल, सगा (3)। 7 खिन्न, अस्वस्थ (4)। 9 हाथ से काम करने वाला (4)। 11 पहरेदार, बचाने वाला (3)। 12 अभी (2)। 13 मितली या उल्टी आना (4)। 14 प्रसन्नता सूचक अव्यय (2)। 15 मोटाई के कारण हिलता हुआ मांस (4)। 17 भिक्षुक, मांगने वाला (3)। 19 असफल (3)। 20 संकोच करना, शर्माना (3)। 22 जलज, पंकज (3)। 23 विध्वंस, नाश, प्रलय (3)।

कल का हल

अ	प	मा	न		क	हा	नी	का	र
नु		स			लि		च		सा
मो	ह		जा	न	का	र		ख	त
द		ब		भ			घ		ल
न	क	ल		च	म	त्का	र		
		खा	ति	र	न		घा	त	क
द		ना			मौ		र		ल
र	ण		ई	द	जी	त		शा	ह
गा		पा		वि			वि		प्रि
ह	स्तां	त	रि	त		वि	द्या	ल	य

जागरण सुडोकू-2811

7		8		5		6		3
		3		2			1	
	2		7		1	8		
6			2			3		7
		2		9	6		5	
5				7		9		2
	9		5					
	6			8		2	4	
2		4	1		9		7	

कल का हल

3	4	2	9	6	8	5	1	7
9	7	6	1	5	4	2	3	8
1	5	8	3	7	2	9	6	4
4	1	3	7	2	9	6	8	5
8	6	9	5	4	1	3	7	2
5	2	7	8	3	6	4	9	1
6	8	5	4	1	3	7	2	9
2	9	4	6	8	7	1	5	3
7	3	1	2	9	5	8	4	6

राष्ट्रीय फलक

चार महीने बाद सिलीगुड़ी से दार्जिलिंग तक चलने लगी ट्वाय ट्रेन

न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) से दार्जिलिंग के लिए ट्वाय ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीआरएम सुरेंद्र कुमार व रेलवे के अधिकारी। जागरण

जागरण संवाददाता, सिलीगुड़ी

दार्जिलिंग की विश्व प्रसिद्ध ट्वाय ट्रेन लगभग साढ़े चार महीने के बाद न्यू जलपाईगुड़ी से दार्जिलिंग के लिए फिर चलने लगी है। रविवार सुबह करीब 10 बजे ट्वाय ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर एनएफ रेलवे के कटिहार डिवीजन के डीआरएम सुरेंद्र कुमार समेत अन्य रेलवे अधिकारियों ने रवाना किया। बारिश के मौसम में दार्जिलिंग के पर्वतीय क्षेत्रों में कई स्थानों पर भूस्खलन और सुरक्षा कारणों से ट्वाय ट्रेन सेवा बंद करनी पड़ी थी। इस बार इसे अपेक्षाकृत अधिक समय तक बंद रखना पड़ा। डीएचआर ट्रैक की मरम्मत कार्य के बाद इसे फिर से चालू किया गया है। अगर भविष्य में कोई बड़ा भूस्खलन नहीं होता या राष्ट्रीय राजमार्ग 55 की वजह से डीएचआर ट्रैक को कोई नुकसान नहीं पहुंचता, तो ट्वाय ट्रेन सेवा को कोई खतरा नहीं होगा।

अयोध्यावासियों को मिला निमंत्रणपत्र, आज चढ़ेगा भगवान श्रीराम का तिलक

लवलेश कुमार मिश्र ● जागरण

- रामसेवकपुरम में होगा तिलकोत्सव, तिलकहरू बन कर जनकपुरवासियों संग आएंगे मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री, चार मंत्री व चार मेयर

वैवाहिक निमंत्रण पत्रिका को दिखाते संयोजक व विहिप के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह पंकज (बाएं से तीसरे), साथ में अन्य स्थानीय पदाधिकारी। जागरण

अयोध्या : रघुकुलनंदन भगवान श्रीराम का तिलक सोमवार को चढ़ेगा। रामसेवकपुरम में तिलकोत्सव का मुख्य आयोजन होगा। इसके लिए विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ओर से मंच तैयार है। जनकपुर से चले तिलकहरू को रविवार देर रात तक अयोध्या पहुंचना था। तिलकोत्सव के लिए अयोध्यावासियों को भी निमंत्रणपत्र भेजा गया है।

राम मंदिर निर्माण के बाद विहिप की ओर से पहली बार आयोजित तिलकोत्सव के लिए रामसेवकपुरम में भव्य तैयारी की गई है। मुख्य आयोजन दोपहर दो बजे होना है। जनकपुर से पहुंचने वाले लगभग 350 तिलकहरुओं को कारसेवकपुरम सहित कुछ अन्य स्थानों पर ठहराने की व्यवस्था की गई है।

जनकपुर से शनिवार को रवाना तिलकहरू नेपाल के गढी माई मंदिर में रात्रि विश्राम के बाद रविवार की सुबह अयोध्या के लिए चल पड़े और देर रात तक गोरखपुर के रास्ते अयोध्या पहुंचने थे।

विहिप नेपाल के धनुषा जिलाध्यक्ष संतोष साह ने बताया कि सोमवार सुबह मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह भी पहुंचेंगे। उनके साथ स्वास्थ्य मंत्री शत्रुघ्न सिंह, वन एवं पर्यावरण मंत्री त्रिभुवन सिंह, गृह, संचार एवं कानून मंत्री राजकुमार लेखी, प्रदेश सभा सदस्य महिला व बालक-बालिका की सभापति रूपा यादव, जनकपुर मेयर मनोज साह सहित तीन अन्य मेयर व मधेश स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान के कुलपति अंकुर कुमार साह भी सम्मिलित रहेंगे। माता जानकी के छोटे भाई के रूप में जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी रामरोशनदास वैष्णव तिलक चढ़ाएंगे।

मणिरामदास छावनी से चित्रकूट के लिए निकली भरत यात्रा

जागरण संवाददाता, अयोध्या

श्रीराम और भरत युगों बाद भी भ्रातृ प्रेम के अपूर्व उदाहरण बने हुए हैं। इसका श्रेष्ठतम तब दिखता है, जब अयोध्या का राज्य भरत के लिए छोड़कर श्रीराम वन को चले गए थे और भरत ने राज्य स्वीकार करने की जगह श्रीराम को ससम्मान अयोध्या वापस लाने के लिए वन की ओर प्रस्थान किया। अतीत की यह स्मृति भरत यात्रा के रूप में प्रत्येक वर्ष अगहन कृष्ण द्वितीया को जीवंत होती है। इस बार भी मणिरामदास जी की छावनी से भरत यात्रा निकली। छावनी से निकलने वाली यह 52वीं भरत यात्रा है।

छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयनदास शास्त्री के संयोजन में यात्रा प्रस्थान से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार और भरत-शत्रुघ्न के स्वरूपों का पूजन किया गया। भरत-शत्रुघ्न के स्वरूपों के नेतृत्व में निकली यात्रा में सौ से अधिक साधु-संत एवं श्रद्धालु शामिल हुए और वे एक दर्जन से अधिक छोटे-बड़े वाहनों पर सवार होकर चित्रकूट पहुंचेंगे। यात्रा हर उस पड़ाव को शिरोधार्य करती हुई आगे बढ़ेगी, जिस मार्ग से कभी भरत ने भ्राता श्रीराम को मनाने के लिए चित्रकूट तक की यात्रा की थी। इस क्रम में भरत यात्रा नंदीग्राम, सुलतानपुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज होती हुई 19 नवंबर को चित्रकूट पहुंचेगी। 20 नवंबर को चित्रकूट में ही भरत मिलाप का भव्य कार्यक्रम होगा और 21 नवंबर को यात्रा वापस अयोध्या पहुंचेगी।

मणिरामदास जी की छावनी से महंत कमलनयनदास (बाएं से तीसरे) के नेतृत्व में चित्रकूट को प्रस्थान करती भरत यात्रा। जागरण

****

पुश-बटन टेलीफोन आम जनता के लिए उपलब्ध कराए गए

1963 में आज ही के दिन पहली बार अमेरिका में रोटरी डायल के बजाय पुश बटन वाला टेलीफोन जनता के लिए उपलब्ध कराया गया था। 10 पुश बटन वाले इस टेलीफोन को बेल सिस्टम ने बनाया था। बाद में * और # कुंजी के साथ 12 बटन डायल वाले टेलीफोन ने इसकी जगह ले ली।

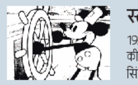

स्टीमवोट विली में पहली बार सामने आया मिकी माउस

1928 में आज ही के दिन बच्चों का पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर मिकी माउस वाल्ट डिजनी स्टूडियो की ब्लैक एंड व्हाइट शार्ट एनिमेटेड फिल्म स्टीमबोट विली में नजर आया था। स्टीमबोट विली सिंक्रोनाइज्ड ध्वनि वाला पहला कार्टून था। इससे एनिमेशन इतिहास को एक नया मोड़ दिया।

बटुकेश्वर दत्त ने भगत सिंह संग असेंबली में फेंका था बम

क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त का जन्म 1910 में आज ही बंगाल में हुआ था। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद से प्रेरित होकर हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन से जुड़ गए। आठ अप्रैल, 1928 को भगत सिंह के साथ मिलकर सेंट्रल असेंबली में बम फेंका। इसके बाद उन्हें अंडमान के सेल्यूलर जेल में कालापानी की सजा दी गई। यहां उन्होंने राजनीतिक कैदियों के साथ अमानवीय व्यवहार के खिलाफ भूख हड़ताल शुरू की। जेल से रिहा होने बाद भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

इधर-उधर की

...इसलिए रद करनी पड़ी हेयर फ्रीजिंग प्रतियोगिता

स्पर्धा में जमे हुए बालों को स्टाइल करते हैं प्रतिभागी। इंटरनेट मीडिया

ओटावा, एजेंसी : कनाडा की अजीबोगरीब वार्षिक प्रतियोगिता इस बार जलवायु परिवर्तन की वजह से रद करनी पड़ी। हेयर फ्रीजिंग प्रतियोगिता को कनाडा के युकोन में आयोजित किया जाता है। इसमें प्रतिभागी पानी में उतरकर गीले बालों से फ्रोजन हेयर स्टाइल बनाते हैं। आयोजनकर्ता सत्यम जैन ने कहा कि -20 डिग्री सेल्सियस या इससे कम होने पर प्रतियोगिता दिसंबर और मार्च के बीच शुरू होती है। युकोन में वर्तमान तापमान -23 डिग्री सेल्सियस है।

दो दवाओं का मिश्रण बीपी के लिए असरदार

सीसीडीसी, एम्स और इंपीरियल कालेज लंदन ने संयुक्त डोज की तीन दवाओं का किया ट्रायल

भारत में तीनों में से किसी भी एक दवा के इस्तेमाल से हाइपरटेंशन होगा नियंत्रित

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

देश में 15 वर्ष से अधिक उम्र के करीब एक चौथाई लोग हाइपरटेंशन (हाई ब्लड प्रेशर) से पीड़ित हैं। खराब जीवनशैली व खानपान में फास्ट फूड के बढ़ते इस्तेमाल से यह समस्या बढ़ भी रही है। इस बीच हाइपरटेंशन से पीड़ित मरीजों के लिए एक राहत भरी खबर है।

सेंट्रल फार क्रानिक डिजीज कंट्रोल (सीसीडीसी), एम्स व इंपीरियल कालेज लंदन द्वारा मिलकर किए गए एक अध्ययन में दो दवाओं के संयुक्त (कंबाइंड) डोज की एक गोली अनियंत्रित ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में अधिक असरदार पाई गई हैं और यह पांच गुना अधिक मरीजों का ब्लड प्रेशर नियंत्रित कर पाने में सक्षम हैं।

नई दवा से हाई ब्लड प्रेशर होगा कंटोल।

इसलिए शोध में शामिल डाक्टर कहते हैं कि भारत में दो दवाओं के संयुक्त डोज की एक ही गोली हाइपरटेंशन को नियंत्रित कर पाने में अधिक मददगार होगी। इससे हाइपरटेंशन के कारण होने वाले हृदय रोग सहित कई अन्य गंभीर बीमारियों से भी बचाव हो सकेगा। भारत में करीब 30 करोड़ लोग हाइपरटेंशन से पीड़ित हैं। पहली बार हाइपरटेंशन से से पीड़ित 1981 भारतीय लोगों पर दो दवाओं के संयुक्त डोज के तीन सिंगल डोज दवाओं का ट्रायल कर उसका असर देखा गया। जिसमें एक दवा एम्लोडिपिन व पेरिंडोप्रिल के संयुक्त डोज, दूसरी दवा एम्लोडिपिन व इंडापामाइड के संयुक्त डोज और तीसरी दवा पेरिंडोप्रिल व इंडापामाइड के संयुक्त डोज की है। अध्ययन में तीनों ही दवाएं हाइपरटेंशन के नियंत्रण में एक समान असरदार पाई गईं।

इन दवाओं के इस्तेमाल से छह माह में एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर (लगातार 24 घंटे की जांच का ब्लड प्रेशर) में 14/8 एमएमएचजी (मिलीमीटर पारा) की कमी आई। वहीं आफिस ब्लड प्रेशर (अस्पताल में की जाने वाली सामान्य ब्लड प्रेशर जांच) 30/14 एमएमएचजी की कमी हुई। अध्ययन में एक प्रमुख शोधकर्ता रहे एम्स के कार्डियोलाजी विभाग के प्रोफेसर डा. अंबुज राय ने बताया कि कंबाइंड डोज के इन दवाओं में से किसी एक दवा का प्रतिदिन एक गोली लेने से ही 70 प्रतिशत लोगों का ब्लड प्रेशर 140/90 एमएमएचजी से कम रहता है और नियंत्रित रहता है, जो देश में मौजूदा ब्लड प्रेशर नियंत्रण दर से पांच गुना है अधिक। मौजूदा समय में ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लड प्रेशर से पीड़ित दस प्रतिशत व शहरी क्षेत्रों में 20 प्रतिशत मरीजों का ही ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।

हाइपरटेंशन का आसान इलाज: सेंट्रल फार क्रानिक डिजीज कंट्रोल के कार्यकारी निदेशक व अध्ययन के एक प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डा. दोराईराज प्रभाकरन ने अपने बयान में कहा कि इस अध्ययन से पता चलता है कि ब्लड प्रेशर कम करने वाली दो दवाओं के संयुक्त डोज की सिर्फ एक गोली दिन में एक बार लेने से हाइपरटेंशन प्रभावी ढंग से नियंत्रित रहता है। इससे हाइपरटेंशन का इलाज आसान होगा और डाक्टरों को भी तीनों में से किसी दवा के चयन का विकल्प मिलेगा।

हाट एयर बैलून फेस्टिवल

मेक्सिको के गुआनाजुआटो राज्य के लियोन में शनिवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय हाट एयर बैलून फेस्टिवल के दौरान मेट्रोपोलिटानो पार्क के ऊपर से हाट एयर बैलून उड़ते हुए। यह लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े फेस्टिवल में से एक है। इसमें 15 अलग-अलग देशों के 200 हाट एयर बैलून और पायलट शामिल होते हैं, जिसे चार लाख से ज्यादा दर्शक देखते हैं। रायटर

अब कृषि क्षेत्र में एआइ, पौधे स्कैन कर कीड़ों के बारे में बताएगा ड्रोन

जागरण संवाददाता, जयपुर

अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) संचालित ड्रोन से फसलों को प्रभावित करने वाले रोगों और कीटों की पहचान की जाएगी और उसका उपचार किया जाएगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की परियोजना के तहत इसका परीक्षण जयपुर स्थित राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान में किया जाएगा। ड्रोन में लगे कैमरे पौधों को स्कैन कर बताएंगे कि कीटों की संख्या कितनी है, यह भी कि कीट किस प्रकृति के हैं और उसके लिए कितनी दवा का इस्तेमाल करना चाहिए। आमतौर पर फसल में कीट लगने के काफी समय तक किसानों को इस बारे में पता नहीं चल पाता है। कृषि विशेषज्ञ डा. एएस बालोदा ने बताया कि रिसर्च सेंटर में परीक्षण पूरा होने के बाद यह तकनीक किसानों को दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि अब तक किसान जानकारी के अभाव में बाजार से लाकर मनमर्जी कीटनाशक का फसल पर छिड़काव करते हैं। इससे कई बार फसल को नुकसान भी हो जाता है।

खेती में मिल रहा ड्रोन को बढ़ावा। फाइल

नई तकनीक से यह स्पष्ट हो जाएगा कि कौन सी दवा और कितनी मात्रा में किस फसल पर डाली जा सकती है। ड्रोन पौधे की प्रत्येक डाल को स्कैन कर उस पर बैठे छोटे-बड़े कीटों का पता लगा लेगा। शुरुआत में कीड़ों से सबसे अधिक प्रभावित होने वाली मूंगफली जैसी फसलों में एआइ तकनीक का उपयोग शुरू करने की योजना है।

डेनमार्क की विक्टोरिया चुनी गईं मिस यूनिवर्स

अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में डेनमार्क की यह पहली जीत है, भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली रिया सिंघा शीर्ष 30 में शामिल हुईं

नई दिल्ली, प्रेट्र : डेनमार्क की विक्टोरिया कजेर थीलविग वर्ष 2024 की मिस यूनिवर्स चुनी गई हैं। यह डेनमार्क की अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में पहली जीत है। प्रतियोगिता का 73वां संस्करण शनिवार रात मैक्सिको सिटी एरेना में आयोजित किया गया था, जिसमें 120 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया।

मिस नाइजीरिया चिडिम्मा एडेत्शिना दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि मिस मेक्सिको मारिया फर्नांडा बेल्ट्रान तीसरे स्थान पर रहीं। मिस यूनिवर्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट में लिखा गया, ''एक नए युग की शुरुआत। हमारी 73वीं मिस यूनिवर्स डेनमार्क को बधाई। आप दुनिया भर की महिलाओं को प्रेरित करने के साथ ही सशक्त बनाएंगी। हीरे के कारोबार से जुड़ीं थेलविग को निकारागुआ की मिस यूनिवर्स 2023 शेन्निस पलासियोस ने ताज पहनाया। प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली रिया सिंघा शीर्ष 30 प्रतियोगियों की सूची में शामिल हुई थीं।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रतियोगिता के लिए एमिलियो एस्टेफन द्वारा बनाए गए गीत मेक्सिकाना के साथ हुई। मिस यूनिवर्स की मेजबानी मारियो लोपेज, मिस यूनिवर्स 2012 ओलिविया कल्पो, प्रस्तुतकर्ता जूरी हाल और मिस यूनिवर्स 2018 कैटरिओना ग्रे ने की। मेक्सिको में तीसरी बार आयोजित इस समारोह में बेलारूस, इरिट्रिया, गिनी, मकाऊ, मालदीव, मोल्दोवा और उज्बेकिस्तान जैसे देशों के प्रतिनिधि भी पहली बार शामिल हुए।

मेक्सिको में शनिवार को आयोजित 73वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता की विजेता डेनमार्क की विक्टोरिया कजेर। एपी

खाद्य विषाक्तता व आंतों में संक्रमण के पीछे के तंत्र का पता चला

अनुसंधान

अमेरिकी शोधकर्ताओं की एक टीम ने खाद्य विषाक्तता और आंतों में संक्रमण के पीछे के तंत्र का पता लगाया है। शोध में पता चला है कि साल्मोनेला बैक्टीरिया सुरक्षात्मक बैक्टीरिया को धोखा देकर आंत के अंदर प्रवेश कर जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर साल लगभग 60 करोड़ लोग खराब भोजन करने के कारण बीमार पड़ते हैं, जबकि 420,000 लोग प्रतिवर्ष इसके कारण मर जाते हैं। साल्मोनेला खाद्य विषाक्तता का सबसे आम कारण है। यह कच्चे अंडे, अधपके मुर्गे, गोमांस, सूअर का मांस, सब्जियों और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में हो सकता है। यह शोध नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज में प्रकाशित किया गया है।

शोध में कहा गया है कि आंत में खरबों बैक्टीरिया रहते हैं। उनमें से कई शार्ट चेन फैटी एसिड (एससीएफए) उत्पन्न करते हैं, जो हानिकारक रोगाणुओं से लड़ने में मदद करते हैं। साल्मोनेला आंत के पोषक तत्वों के वातावरण को बदलकर जीवित रहता है। यह पहले से ज्ञात है कि साल्मोनेला छोटी आंत पर आक्रमण करता है, लेकिन यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया डेविस के प्रोफेसर एंड्रियास बामलर ने कहा, उन्होंने पाया कि रोगाणु कोलोन (बृहदान्त्र) में प्रवेश कर फैल सकता है। साल्मोनेला पहले छोटी आंत में प्रवेश करता है और आंत की परत में सूजन पैदा करता है। यह भोजन से अमीनो एसिड के सामान्य अवशोषण को बाधित करता है, असंतुलन पैदा करता है, जिससे रोगाणु कोलन में जीवित रहने में सक्षम हो जाते हैं। पता चल कि साल्मोनेला के पास आंत के पोषक वातावरण को लाभ के लिए अनुरूप बदलने का तरीका मौजूद है। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

चार दिसंबर को एकदूजे के होंगे शोभिता व नागा चैतन्य

अगस्त में नागा और शोभिता ने की थी सगाई। इंस्टाग्राम (@manishmalhotravows)

'द नाइट मैनेजर' अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला और दक्षिण भारतीय अभिनेता नागा चैतन्य के परिणय सूत्र में बंधने की तारीख सामने आ गई है। दरअसल, उनके विवाह के निमंत्रण की तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही है। निमंत्रण में उनके परिवार के सदस्यों के नाम और शुभ अवसर की तारीख शामिल है। जोड़े ने मेहमानों के प्रति अपने प्यार और सम्मान को दिखाने के लिए शादी के निमंत्रण के साथ उपहारों से भरी एक टोकरी भी भेजी है। टोकरी में एक साड़ी, शादी का पारंपरिक तरीके से डिजायन किया गया निमंत्रण पत्र, खाने के पैकेट और अन्य मिष्ठान्न आइटम शामिल हैं। दोनों चार दिसंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों ने हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में शादी करने का फैसला किया है जो अक्किनेनी परिवार के लिए भावनात्मक महत्व रखती है। स्टूडियो का निर्माण अभिनेता के दिवंगत दादा और महान अभिनेता अक्किनेनी नागेश्वर राव ने करवाया था। शादी समारोह में करीबी दोस्त और स्वजन ही शामिल होंगे। नागा चैतन्य और शोभिता ने इस साल अगस्त में अपने परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में सगाई की थी। नागा चैतन्य की पहली शादी 'द फैमिलीमैन' अभिनेत्री सामंथा से हुई थी। उन्होंने अक्टूबर 2021 में इंटरनेट मीडिया पर अपने अलगाव की घोषणा की थी।

टिकट खिड़की की रिपोर्ट नहीं सुधार पाई 'द साबरमती रिपोर्ट'

साल 2002 में गुजरात के गोधरा में हुए साबरमती एक्सप्रेस अग्निकांड की रिपोर्ट्स पर आधारित फिल्म द साबरमती रिपोर्ट पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में रही। हालांकि, शुक्रवार को जब विक्रांत मेस्सी, रिद्धि डोगरा व राशि खन्ना अभिनीत यह फिल्म प्रदर्शित हुई तो टिकट खिड़की पर उतना प्रभाव नहीं दिखा। देश भर के करीब 600 स्क्रीन प्रदर्शित इस फिल्म को शुक्रवार को सिर्फ 1.1 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। शनिवार को मामूली बढ़त के साथ कमाई 1.25 करोड़ रुपये रही। पहले दो दिनों में यह फिल्म सिर्फ 2.35 करोड़ कमाई कर सकी। वहीं इससे एक दिन पहले प्रदर्शित हुई तमिल फिल्म कंगुवा को गुरुवार को हिंदी में 3.5 करोड़ की ओपनिंग मिली थी। शुक्रवार व शनिवार को फिल्म की हिंदी में कमाई क्रमशः 2.4 और 2.15 करोड़ रही। इस तरह पहले तीन दिनों में हिंदी में फिल्म की कुल कमाई 8.05 करोड़ हो चुकी है। हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं को मिलाकर पहले तीन दिनों में इस फिल्म की कमाई 51.15 करोड़ रुपये हो चुकी है। वहीं दीवाली पर प्रदर्शित फिल्मों सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 की शनिवार तक कमाई क्रमशः 238.55 करोड़ और 239.38 करोड़ रुपये हो चुकी है।

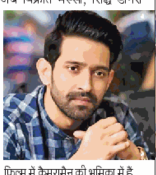

फिल्म में कैमरामैन की भूमिका में हैं विक्रांत। फाइल

ट्रोलिंग के बाद मुकेश खन्ना ने कहा कि मैं शक्तिमान था, हूं और रहूंगा

लोकप्रिय धारावाहिक शक्तिमान पर आधारित इसी नाम की जब से फिल्म बनाने की घोषणा हुई है, तब से निर्माता मुकेश खन्ना के बयानों को लेकर सुर्खियों में रही है। हाल में मुकेश खन्ना ने देश के शहीदों का परिचय कराते हुए शक्तिमान की कास्ट्यूम में ही एक गाना सक्सेसफुल रिटर्न आफ शक्तिमान रिलीज किया। 66 वर्षीय मुकेश को इस उम्र में शक्तिमान की ड्रेस पहनने को लेकर इंटरनेट मीडिया पर ट्रोल किया गया। इस पर मुकेश ने शक्तिमान की कोई उम्र नहीं शीर्षक से वीडिया जारी किया। उसमें वह ट्रोलर्स पर बरसे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि अगर शक्तिमान की कास्ट्यूम में मैं यह संदेश दूंगा तो वह दूर तक जाएगा, ज्यादा बच्चों तक जाएगा।? एक तो यह बात गलत है कि मैं यह कहने आया हूं कि मैं ही शक्तिमान हूं। अभी तक तो किसी का चयन हुआ ही नहीं है।' आगे उन्होंने कहा कि यहां तक तो किसी ने मेरी उम्र गिना दी कि अरे साहब इस उम्र में ये शक्तिमान बनना चाहता है। ना मैंने गुटखे का प्रचार किया, ना पान मसाले का। मैंने एक राष्ट्रभक्ति का गाना दिखाया है, उसकी तारीफ कीजिए। मुझे शक्तिमान बनने की इसकी जरूरत नहीं है। मैं शक्तिमान था, हूं और रहूंगा। आगे की विरासत में कोई और शक्तिमान बनकर आएगा, उसे ढूंढ रहे हैं।

फिल्म शक्तिमान को प्रोड्यूस भी कर रहे हैं मुकेश खन्ना।

काफी मस्तीखोर थे शाह रुख-सलमान

सात सवाल

साल 1995 में रिलीज हुई शाह रुख खान और सलमान खान अभिनीत फिल्म करण अर्जुन ने टिकट खिड़की पर धमाल मचाया था। राकेश रोशन निर्देशित इस फिल्म की रिलीज के तीस साल पूरे होने से चंद दिनों पहले इसे दोबारा 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। फिल्म से जुड़ी यादों और अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर राकेश रोशन ने की खास बातचीत:

शाह रुख दोबारा आ गए। उन्होंने कहा कि मैं आपका साथ नहीं छोड़ सकता। पर अजय नहीं आए, जबकि उनके पिता वीरू देवगन मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरी सारी फिल्मों के एक्शन वही करते थे। वीरू ने भी अजय को समझाया पर पता नहीं क्या था कि उन्हें समझ नहीं आया।

● बतौर निर्देशक किशन कन्हैया के बाद करण अर्जुन, कहो न प्यार है या कृष में डबल रोल वाली कहानी आपको ज्यादा आकर्षित करती रही?

-यह डबल रोल वाली बात नहीं है। यह कहानियां ऐसी होती हैं कि लड़का या लड़की पहले थोड़ा कमजोर होते हैं, फिर वो कैसे सशक्त बनते हैं। वो मेरा कहानी कहने का अंदाज रहा है। खुदगर्ज, कामचोर में कोई डबल रोल नहीं था।

● करण अर्जुन की शुरुआत कैसे हुई थी?

-मैं जब कुछ पुरानी फिल्में देखता तो वो हमेशा प्रेम कहानी होती थी। हीरोइन मर गई वो अगले जन्म में मिली या हीरो हीरोइन मर गए फिर पैदा हुए। मुझे लगा कि इनका प्यार इतना सशक्त है तो मिलते हैं। मां का अपने बच्चों को लेकर प्यार भी बहुत गहरा होता है। फिर मैंने सोचा क्यों न मैं भी पहली बार पुर्नजन्म की कहानी मां के साथ बनाऊं कि उसके दो बेटों की उसके सामने हत्या की जाती है। मां मंदिर में जाकर प्रार्थना करती हैं कि मेरे बेटे लौटा दो मां। फिर वो दो बेटे कहीं न कहीं पैदा होते हैं और कैसे मिलते हैं और मां के पास आते है।

● यह फिल्म अजय देवगन के साथ बनाने वाले थे...

-अजय और शाह रुख ही पहले कास्ट हुए थे। अजय ने कहा कि उन्हें शाह रुख वाली भूमिका निभानी है। शाह रुख ने कहा कि मुझे अजय का रोल निभाना है। मैंने कहा कि यह फिल्म ऐसी नहीं है जिसका जो इमेज है उसमें ही रहना चाहिए। तब दोनों ने फिल्म छोड़ दी। फिर मैंने सलमान और आमिर खान को कहानी सुनाई। फिर शाह रुख दोबारा आ गए। उन्होंने कहा कि आपने मुझे फिल्म किंग अंकल में ब्रेक दिया है। मैं आपका साथ नहीं छोड़ सकता। पर अजय नहीं आए।

● आज का दौर रिलीज के लिए कैसा पाते हैं?

-यह रिलीज के बाद पता चलेगा। मैंने देखा है कि मेरे करण अर्जुन आंएगे पर बहुत मीम्स बनते हैं। इसका मतलब यह लोगों के ध्यान में है, जिन्होंने फिल्म नहीं देखी है वो जाएंगे इसे देखने।

● उस समय सेट पर कैसा माहौल रहता था?

-दोनों एक नंबर के मस्तीखोर थे। मेरे कमरे के बाहर दोनों रात को गुलेल वगैरह चलाते थे। वो मुझे बहुत छेड़ते थे। शाट तैयार होता था आते नहीं थे। वो सब बचपना ही था।

● आपने करण अर्जुन को फ्रेंचाइज के तौर पर आगे बढ़ाने का नहीं सोचा ?

-नहीं। कुछ फिल्में खुद में मुकम्मल होती हैं। एक चीज जो बन गई है उसे छेड़ना नहीं चाहिए। रीमेक भी नहीं करना चाहिए। आप शोले, मुगल-ए-आजम दोबारा नहीं बना सकते।

● द रोशंस डाक्यूमेंट्री और फिल्म कृष 4 लाने की भी तैयारी है?

-द रोशंस को मैंने कहानी के तौर पर ही बनाया है। बहुत दिलचस्प है। जल्द ही रिलीज को लेकर घोषणा की जाएगी। कृष 4 पर भी जल्द ही काम शुरू होगा। (**स्मिता श्रीवास्तव**)

इरा ने निभाई है मोहम्मद अली जिन्ना की बहन फातिमा जिन्ना की भूमिका। टीम इरा

कहानी से दोहरे जुड़ाव के कारण जुड़ी इरा

कई बार समय का पहिया ऐसा घूमता है कि जो चीजें इंसान के मन में होती हैं, कुछ समय बाद वही उसके सामने आ जाती है। वेब सीरीज पाटलक और फिल्म डियर जिंदगी की अभिनेत्री इरा दूबे ने सोनी लिव पर हालिया प्रदर्शित वेब सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइट में फातिमा जिन्ना की भूमिका निभाई है। फातिमा, पाकिस्तान के पहले गवर्नर जनरल मोहम्मद अली जिन्ना की बहन थीं। भारत पाकिस्तान विभाजन में मोहम्मद अली जिन्ना के साथ उनका भी बड़ा हाथ था। जिन्ना और भारत पाकिस्तान बंटवारे की पृष्ठभूमि से इरा का दोहरा जुड़ाव था। वह बताती हैं, '2017 में मेरा ध्यान मिस्टर एंड मिसेज जिन्ना नामक एक किताब पर गया। यह किताब जिन्ना के प्रेम कहानी पर लिखी गई थी। उन्होंने 24 साल छोटी पारसी लड़की से शादी की थी। मुझे वह कहानी दिलचस्प लगी। इसके लिए मैं निर्देशक निखिल आडवाणी से भी मिली, लेकिन तब कुछ बात नहीं बनी। दूसरी बात यह कि मेरे नाना रेलवे में थे। उन्होंने विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आने वाली शवों से लदी ट्रेनों को देखा था। मेरे पिता के परिवार में कई लोग स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े थे। ऐसे में 2022 में जब मैं इस शो और फातिमा की भूमिका को लेकर निखिल से मिली तो मैंने तुरंत ही हां कर दिया। इससे मेरा दोहरा जुड़ाव जो था।'

....जब नसीरुद्दीन शाह के सामने अपनी लाइनें भूल गई थीं माधुरी

बालीवुड किस्सा

कभी-कभी परिस्थितियां कुछ ऐसी बनती हैं जिसमें बड़े बड़े कलाकर भी अपनी लाइनें भूल जाते हैं। धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित के साथ भी एक बार कुछ ऐसा ही हुआ था, जिसे उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में शेयर किया था। माधुरी ने बताया था कि कैसे 1996 की फिल्म 'राजकुमार' के एक सीन के दौरान नसीरुद्दीन शाह के असाधारण प्राकृतिक अभिनय ने उन्हें क्षण भर के लिए स्तब्ध कर दिया था, जिससे वह अपनी लाइनें भूल गई थीं। माधुरी कहती हैं, 'जब मैंने उनके साथ पहला दृश्य शूट किया, तो पहले दृश्य में उन्होंने बात करना शुरू किया, तो वह इतने स्वाभाविक ढंग से बोलने लगे कि मैं अपनी लाइनें भूल गई। एक-दो मिनट के लिए मैं ब्लैंक हो गई। उन्होंने इस फिल्म में अविश्वसनीय काम किया है।' पंकज पाराशर द्वारा निर्देशित 1996 की फिल्म 'राजकुमार' में अनिल कपूर भी मुख्य भूमिका में थे। नसीरुद्दीन शाह ने मान सिंह और सुरजन सिंह की दोहरी भूमिकाएं निभाईं थीं। माधुरी और नसीरुद्दीन शाह ने 'त्रिदेव' और 'गज गामिनी' जैसी फिल्मों में भी स्क्रीन साझा किया है। फिलहाल माधुरी दीक्षित अपनी हाल में रिलीज 'भूल भुलैया 3 की सफलता का आनंद ले रही हैं।

माधुरी कहती हैं, 'जब मैंने उनके साथ अपना पहला सीन शूट किया, तो पहले सीन में जब उन्होंने बात करना शुरू किया, तो वह इतने स्वाभाविक ढंग से बोलने लगे कि मैं अपनी लाइनें भूल गई। एक, दो मिनट के लिए मैं ब्लैंक हो गई।'

****